जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

चूरू, शनिवार 20 दिसम्बर, 2025

अपने घर का सच जानने के लिए भूकंप का इंतजार मत कीजिए

अब जयपुर, अलवर, भिवाड़ी भूकंप के हाई रिस्क जोन में

जयपुर। ब्यूरो ऑफ इंडिया स्टैंडर्ड ने भूकंप को लेकर देश के नए रिस्क घोषित किए है। अब जयपुर, अलवर, भिवाड़ी हाई रिस्क जोन में हैं। इस जोन के शहरों में 5 से 6 रिक्टर स्केल तक के भूकंप आ सकते हैं। जयपुर 2016 तक माइल्ड डैमेज रिस्क जोन-2 में था। अब जयपुर, भिवाड़ी और अलवर को जोन 4 में शामिल किया है। 2016 तक बीकानेर जोन 3, अजमेर, जयपुर, जोधपुर और उदयपुर जोन 2 में थे। वहीं, ब्यूरो ऑफ इंडिया स्टैंडर्ड के ओर से नया नक्शा जारी होने के बाद जो शहर हाई रिस्क जोन में वहां इन्फ्रास्ट्रक्चर नए नियमों के बनाने होंगे।

- अब जयपुर भूकंप के हाई रिस्क ज़ोन में
- जयपुर की अधिकतम RCC इमारतें भूकंप रोधी नहीं
- कल अगर कुछ हो जाए तो क्या आप रिस्क लेने को तैयार हैं? अगर नहीं तो आज ही Structural Engineer से संपर्क करें या केडिया सेजस्थान कॉल करें
- बहुत से लोग मानते हैं कि RCC इमारतें अपने आप सुरक्षित होती हैं। यह एक खतरनाक भ्रम है।

भूकंप रोधी क्षमता इन बातों पर निर्भर करती हैं :

- स्ट्रक्टरएल डिज़ाइन
- कॉलम बीम
- कंपन भार गणना
- डक्टाइल डिटेलिंग (IS 13920)

FIXED PRICE GUARANTEED

केडिया होम्स के हर प्रोजेक्ट में होती हैं भूकंप रोधी कंस्ट्रक्शन वाली बड़ी बड़ी कोठी, बड़े बड़े फ्लैट छोटी छोटी प्राइस में

NO MIDDLE-MEN

कोठी: सिर्फ ₹4700/Sq Ft

फ्लैट: सिर्फ ₹4000/Sq Ft

FIXED PRICE & RENTAL

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	FIXED PRICE	PROPOSED RENTAL (AFTER POSSESSION)
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 LACS	22,000
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 LACS	25,000
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 LACS	28,000
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 CRORE	30,000
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.10 CRORE	40,000
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.50 CRORE	50,000

31 दिसम्बर को 10 लाख रेट बढ़ेगी

KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

पजेशन: 31 दिसम्बर 2025 से शुरु

KEDIA®

1800-120-2323

78770-72737

info@kedia.com

www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in

RERA No. RAJ/P/2023/2387

SCAN QR FOR
- LOCATION
- ROUTE MAP
- SITE 360 TOUR
- E-BROCHURE
- WALKTHROUGH

*T&C Apply

विचार बिन्दु

कल्पना विश्व पर शासन करती है। –नेपोलियन

राजस्थान में बढ़ता प्रदूषण: नियंत्रण के उपाय एवं तात्कालिक आवश्यकता

राजस्थान में बढ़ता प्रदूषण आज केवल पर्यावरणीय चुनौती नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य पर सीधा खतरा बन चुका है। राज्य के कई शहर लगातार खराब वायु गुणवत्ता, बढ़ती धूल, औद्योगिक उत्सर्जन और जल–मिट्टी के प्रदूषण की मार झेल रहे हैं। जयपुर, जोधपुर, कोटा, अलवर और उदयपुर जैसे महानगर राष्ट्रीय स्वच्छ वायु मानकों को पूरा नहीं कर पा रहे हैं और इन्हें सतत प्रदूषित शहरों की सूची में चिह्नित किया गया है। कई निगरानी केन्द्रों के आँकड़ों में पीएम 10 और पीएम 2.5 का स्तर अक्सर मानक सीमा से कहीं अधिक दर्ज होता है, जिससे वायु गुणवत्ता खराब से बेहद खराब श्रेणी तक पहुँच जाती है। एक ताज़ा अध्ययन में राजस्थान के पाँच प्रमुख शहरों में कणीय प्रदूषकों के ऊँचे स्तर के कारण साँस और हृदय संबंधी रोगों में वृद्धि की आशंका जताई गई है, भले ही कुछ गैसीय प्रदूषक (जैसे एसओ2, एनओ2) औद्योगिक मानकों के भीतर हों। इससे साफ है कि धूल और सूक्ष्म कण वर्तमान संकट की मुख्य वजह बन चुके हैं।

राजस्थान की शुष्क–अर्धशुष्क जलवायु के कारण स्वाभाविक रूप से धूल का स्तर अधिक रहता है, लेकिन तेज शहरीकरण, वाहन दबाव और निर्माण गतिविधियों ने इस धूल को खतरनाक प्रदूषण में बदल दिया है। खनन क्षेत्र और औद्योगिक क्लस्टर, विशेषकर जोधपुर व पाली आदि, गंभीर प्रदूषण सूचकांक के दायरे में आए हैं और वहाँ की हवा व आसपास के इलाकों की मिट्टी–जल पर इसका प्रभाव दिख रहा है। वाहन उत्सर्जन, सड़कों पर उड़ती धूल, निर्माण–ध्वस्तीकरण के मलबे, औद्योगिक धुआँ और कचरा जलाना मिलकर शहरों की वायु गुणवत्ता को बिगाड़ रहे हैं। दूसरी ओर, नदियों–तालाबों में औद्योगिक अपशिष्ट, सीवेज और रसायनों के बहाव से जल प्रदूषण को रोकने के लिए अलग से कड़े प्रबंधन की आवश्यकता है, जिसके लिए राज्य स्तर पर जल (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) नियमों में संशोधन किए गए हैं। बढ़ते वायु प्रदूषण के कारण दमा, एलर्जी, सीओपीडी, हृदय रोग और बच्चों–बुजुर्गों में फेफड़ों की क्षमता में कमी जैसे जोखिम स्पष्ट रूप से बढ़ रहे हैं। उच्च पीएम10 और पीएम2.5 वाले क्षेत्रों में लंबे समय तक रहने से फेफड़ों में सूक्ष्म कण जमा होकर कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की संभावना भी बढ़ा सकते हैं। धूल और रासायनिक प्रदूषण से मिट्टी की उर्वरता प्रभावित होती है, जबकि दूषित जल सिंचाई के माध्यम से फसलों और फिर खाद्य श्रृंखला में प्रवेश कर मानव स्वास्थ्य पर 'धीमा ज़हर' जैसा प्रभाव छोड़ सकता है। समाज स्तर पर प्रदूषण के कारण स्वास्थ्य व्यय, कार्यक्षमता में कमी और जीवन की गुणवत्ता गिरने से आर्थिक बोझ भी बढ़ रहा है, जिसका उल्लेख स्वच्छ वायु कार्यक्रम से जुड़े मूल्यांकन अध्ययनों में किया गया है।

राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड वायु, जल और औद्योगिक प्रदूषण नियंत्रण के लिए निगरानी, अनुमति, निरीक्षण और मानकों के अनुपालन का काम कर रहा है, साथ ही ऑनलाइन प्रणालियों के माध्यम से उद्योगों की निगरानी को मजबूत किया गया है। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP) के तहत अलवर, जयपुर, जोधपुर, कोटा और उदयपुर जैसे शहरों के लिए सिटी एक्शन प्लान तैयार किए गए हैं, जिनमें सड़क धूल नियंत्रण, कूड़ा जलाने पर रोक, सार्वजनिक परिवहन सुधार और औद्योगिक उत्सर्जन नियंत्रण की रणनीतियाँ शामिल हैं। राज्य सरकार ने वायु और जल प्रदूषण से संबंधित नियमों में संशोधन करते हुए 2022 और 2023 में जल तथा वायु (प्रिवेंशन एंड कंट्रोल ऑफ पॉल्यूशन) नियमों में बदलाव किए हैं, जिससे उद्योगों पर अनुपालन दबाव और दंडात्मक प्रावधान मजबूत हुए हैं। जोधपुर जैसे औद्योगिक क्लस्टर के लिए विशिष्ट व्यापक पर्यावरण प्रदूषण शमन योजना तैयार की गई है, जिसमें उत्सर्जन, अपशिष्ट जल और ठोस कचरे के बेहतर प्रबंधन पर जोर है। ये प्रयास सराहनीय हैं, किंतु क्रियान्वयन में कमी के कारण प्रदूषण का स्तर अब भी चिंताजनक बना हुआ है। उद्योगों को ज़ीरो लिक्विड डिस्चार्ज और फ्ल्यू गैस ट्रीटमेंट अनिवार्य करने के बावजूद कई इकाइयाँ मानकों का पालन नहीं कर रही हैं, जिसके लिए सख्त निरीक्षण और दंड की आवश्यकता है।

प्रदूषण नियंत्रण के लिए केवल कानून पर्याप्त नहीं, बल्कि प्रशासन, उद्योग और नागरिक-तीनों स्तरों पर ठोस कार्रवाई आवश्यक है। राजस्थान जैसे राज्य के लिए प्रदूषण नियंत्रण केवल पर्यावरणीय मुद्दा नहीं, बल्कि जल-संकट, कृषि, पर्यटन और लोक-स्वास्थ्य से जुड़ा विकास का प्रश्न है; इसलिए योजनाओं में क्लाइमेट रेजिलिएंट और सस्टेनेबल शहरों-गाँवों की सोच को केंद्रीय स्थान देना होगा।

प्रदूषण नियंत्रण के लिए केवल कानून पर्याप्त नहीं, बल्कि प्रशासन, उद्योग और नागरिक–तीनों स्तरों पर ठोस कार्रवाई आवश्यक है। शहरों में सड़क धूल को नियंत्रित करने के लिए नियमित मैकेनिकल रोड स्वेपिंग, निर्माण स्थलों की बैरिकेडिंग व कवरिंग, ग्रीन बेल्ट विकास और खुले भूखण्डों पर वृक्षारोपण जैसे उपाय प्रभावी सिद्ध हो सकते हैं, जिन पर स्वच्छ वायु योजनाओं में जोर दिया जा रहा है। औद्योगिक क्षेत्रों में ईंधन परिवर्तन (कोयले से स्वच्छ ईंधनों की ओर), एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट, फ्ल्यू गैस ट्रीटमेंट और ज़ीरो लिक्विड डिस्चार्ज जैसी तकनीकों को प्रोत्साहित करना होगा, जैसा कि जोधपुर औद्योगिक क्लस्टर की कार्ययोजना में सुझाया गया है। नगर निकाय स्तर पर कचरा प्रबंधन में स्त्रोत पर कचरा पृथक्करण, वैज्ञानिक लैंडफिल, कंपोस्टिंग और खुले में कचरा जलाने पर सख्त कार्रवाई आवश्यक है। खनन क्षेत्रों में धूल नियंत्रण के लिए पानी छिड़काव, ग्रीन कवर और परिवहन मार्गों पर नियंत्रण जैसे उपाय अपनाए जाने चाहिए, क्योंकि थार मरुस्थल के निकट खनन प्रदूषण को कई गुना बढ़ा रहा है। जल प्रदूषण रोकने हेतु नदियों के किनारे बफर ज़ोन, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों का विस्तार और औद्योगिक अपशिष्टों पर जीपीएस ट्रैकिंग अनिवार्य होनी चाहिए। इन उपायों को लागू करने के लिए राज्य सरकार को बजट आवंटन बढ़ाना होगा, साथ ही कॉर्पोरेट सीएसआर फंडिंग को प्रदूषण नियंत्रण पर केंद्रित करना चाहिए।

लंबे समय में प्रदूषण नियंत्रण तभी सफल होगा जब नागरिक स्वयं निजी वाहनों के अत्यधिक उपयोग से बचकर सार्वजनिक परिवहन, कार–पूलिंग और साइकिलिंग को अपनाएँ तथा स्थानीय स्तर पर वृक्षारोपण और जल–मिट्टी संरक्षण अभियानों से जुड़ें। स्कूल–कॉलेजों में पर्यावरण शिक्षा और 'ग्रीन क्लब' जैसी पहलें युवाओं में स्वच्छ हवा के अधिकार और जिम्मेदारी दोनों का बोध पैदा कर सकती हैं, जो भविष्य की नीतियों पर सकारात्मक दबाव बनाएँगी। राजस्थान जैसे राज्य के लिए प्रदूषण नियंत्रण केवल पर्यावरणीय मुद्दा नहीं, बल्कि जल–संकट, कृषि, पर्यटन और लोक–स्वास्थ्य से जुड़ा विकास का प्रश्न है; इसलिए योजनाओं में क्लाइमेट रेजिलिएंट और सस्टेनेबल शहरों–गाँवों की सोच को केंद्रीय स्थान देना होगा। जोधपुर जैसे शहर, जहाँ सीमेंट और निर्माण उद्योग प्रमुख हैं, वहाँ विशेष रूप से धूल नियंत्रण और हरित ऊर्जा पर जोर देकर मॉडल स्थापित किया जा सकता है। यदि नीति, तकनीक और जनचेतना तीनों मिलकर काम करें, तो राजस्थान की हवा, पानी और मिट्टी को फिर से स्वस्थ दिशा में मोड़ा जा सकता है। समय आ गया है कि हम प्रदूषण को विकास का दुश्मन न मानें, बल्कि इसे नियंत्रित कर सतत प्रगति का आधार बनाएँ। राजस्थान की रेतीली धरती पर फिर से हरियाली और स्वच्छता का स्वप्न साकार करने का संकल्प ही हमारा वास्तविक कर्तव्य है।

–अतिथि संपादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार

राशिफल शनिवार 20 दिसम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

पौष मास, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, मूल नक्षत्र रात्रि 1:22 तक, गंड योग सायं 4:17 तक, किस्तुघ्न करण रात्रि 8:12 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–धनु, चन्द्रमा–धनु, मंगल–धनु, बुध–वृश्चिक, गुरू–मिथुन, शुक्र–वृश्चिक, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

आज ज्वालामुखी योग रात्रि 1:22 तक है। शुक्र मूल धनु में प्रात: 7:45 पर प्रवेश करेगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:32 से 9:50 तक, चर 12:24 से 1:41 तक, लाभ–अमृत 1:41 से 4:16 तक।

राहूकाल: 9:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 7:15, सूर्यास्त 5:33 तक

मेष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। मित्रों/रिश्तेदारों से मतभेद हो सकते हैं। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

मिथुन
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ से राहत मिलेगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

सिंह
परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा।

कन्या
घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

वृश्चिक
आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

मकर
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

कुंभ
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

क्या दवा माफिया प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि योजना को निष्फल करने में लगा है?

रोटेरियन सुनील दत्त गोयल

देश में स्वास्थ्य–सुधार और सस्ती दवाओं की उपलब्धता को लेकर प्रधानमंत्री जन औषधि योजना एक ऐतिहासिक पहल मानी गई है। यह योजना उस समय ऐसे वातावरण में शुरू हुई थी, जब भारत में दवाओं की कीमतें लगातार बढ़ रही थीं और गरीब–मध्यमवर्गीय परिवारों पर चिकित्सा व्यय एक असहनीय बोझ बन चुका था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मूल भावना थी – दवा एक विलासिता नहीं, बल्कि हर नागरिक का बुनियादी अधिकार है।

लेकिन जिस विचार और संवेदनशीलता के साथ यह योजना आकार ली थी, वह आज गंभीर चुनौतियों से घिरी दिखाई देती है। एक तरफ जन औषधि केंद्रों के माध्यम से सरकार गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएँ सस्ती कीमतों पर उपलब्ध कराने का दावा करती है, दूसरी ओर बाजार में 80–90 प्रतिशत छूट पर मिलने वाली संदिग्ध जेनेरिक दवाओं की बाढ़ ने पूरे तंत्र पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह संयोग मात्र नहीं लगता; बल्कि एक संगठित प्रयास प्रतीत होता है, जिसका उद्देश्य जन औषधि योजना की विश्वसनीयता को नुकसान पहुँचाना है।

जेनेरिक दवाओं की अंधाधुंध छूट – संदेह की पहली कड़ी

आज लगभग पूरे देश में यह दृश्य आम हो चुका है कि मेडिकल स्टोर एमआरपी से 80 या 90 प्रतिशत कम कीमत पर दवाइयाँ देने का दावा करते हैं। सवाल उठता है –

यदि दवा इतनी सस्ती उपलब्ध हो सकती है, तो फिर एमआरपी पर इतना भारी–भरकम मूल्य क्यों अंकित किया जाता है?

क्या यह व्यापारिक असंतुलन है, या एक सुनियोजित धोखाधड़ी?

दिवाली के पटाखों की तरह, जिनका एमआरपी और वास्तविक मूल्य में भारी अंतर होता है, दवाओं का ऐसा व्यवहार गहरी चिंता का विषय है। लेकिन पटाखों से भिन्न, दवा कोई मनोरंजन का साधन नहीं – यह जीवन और मृत्यु के बीच की रेखा है। इस क्षेत्र में इस तरह का अव्यवस्थित मूल्य–निर्धारण न केवल अनैतिक है बल्कि खतरनाक भी है।

जब सरकारी केंद्रों पर निजी दवाओं की घुसपैठ होने लगे

प्रधानमंत्री जन औषधि योजना के केंद्रों पर केवल सरकार द्वारा आपूर्ति की गई दवा ही बेचे जाने का प्रावधान है। लेकिन हाल के महीनों में लगातार शिकायतें सामने आई हैं कि कई जन औषधि केंद्रों पर निजी जेनेरिक दवाएँ बेची जा रही हैं – वह भी ऐसी दवाएँ जो किसी प्रकार की गुणवत्ता जाँच के मानक पर खरी नहीं उतरतीं।स्थिति यह है कि – ब्रांड का मालिक कोई और, निर्माता कोई और, मार्केटर कोई तीसरा, और दुकानदार पूरी व्यवस्था से अनभिज्ञ। ग्राहक प्रधानमंत्री के नाम पर भरोसा करके जन औषधि केंद्र पर पहुँचता है, लेकिन उसे ऐसी दवा थमा दी जाती है जिसका न स्त्रोत स्पष्ट है और न गुणवत्ता। यह न केवल योजना की भावना का अपमान है, बल्कि आम लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ भी है।

प्रधानमंत्री की भावना, प्रशासन की जिम्मेदारी और व्यवस्था की चूक

यह उल्लेखनीय है कि इस योजना की शुरुआत में बीफार्मा– और डीफार्मा– युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य भी जुड़ा था। सरकार ने नाममात्र की राशि लेकर दुकानों का पूरा ढांचा उपलब्ध कराया – कंप्यूटर, सॉफ्टवेयर, दवा स्टॉक और केंद्रीकृत सप्लाई।

मैं स्वयं उदयपुर में इस योजना के प्रारंभ का साक्षी रहा हूँ। उस समय राजस्थान के पूर्व मुख्य सचिव श्री सुधांशु पंत जी, जो तब दिल्ली में फार्मा विभाग में जॉइंट सेक्रेटरी थे, ने अत्यंत ईमानदार नीयत और कठोर गुणवत्ता मानकों के साथ यह परियोजना आगे बढ़ाई थी। लेकिन आज जो हालात बन गए हैं, वे उनकी मूल भावना के बिल्कुल विपरीत हैं। जिला ड्रग कंट्रोल कार्यालयों की उदासीनता व अकर्मण्यता इस समस्या को और गहरा कर रही है। और उनकी मिलिभगत से इंकार नही किया जा सकता।

दवा माफिया का फैलता प्रभाव – संगठित नेटवर्क का संकेत

सवाल यह है कि निजी कंपनियों की दवाएँ जन औषधि केंद्रों तक पहुँच कैसे रही हैं? इसका उत्तर स्थानीय स्तर पर फैली मिलीभगत में छिपा है। कुछ शहरों में तो यह भी देखा गया है कि – एक ही व्यक्ति ने 20–25 जेनेरिक दवाओं की दुकानों का नेटवर्क खड़ा कर रखा है, जहां – अयोग्य स्टाफ, दवा पढ़ने तक का ज्ञान नहीं, ग्राहक पर गलत दवा थोपने की प्रवृत्ति, और अधिक मुनाफे के लिए संदिग्ध उत्पादों का व्यापार – जैसे गंभीर मामले सामने आए हैं। यह केवल प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि एक गहरे जड़ जमाए माफिया–तंत्र की ओर संकेत है। यह केवल आर्थिक भ्रष्टाचार नहीं – यह सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा है। दवाओं की दुनिया में कोई भी गलती मजाक नहीं होती। गलत सॉल्ट, घटिया गुणवत्ता, या अप्रमाणित निर्माण–स्थल वाली दवाएँ मरीज की हालत सुधारने के बजाय बिगाड़ देती हैं। जब प्रधानमंत्री जन औषधि योजना जैसे राष्ट्रीय महत्व की परियोजना को ही कमजोर किया जाने लगे, तो यह समझना होगा कि समस्या केवल व्यापारिक प्रतिस्पर्धा का प्रश्न नहीं है –

यह राष्ट्रीय स्वास्थ्य–सुरक्षा का मुद्दा है। सरकार को क्या करना चाहिए? – स्पष्ट और कठोर नीतिगत हस्तक्षेप की आवश्यकता

इस स्थिति में सिर्फ सलाह या अपील पर्याप्त नहीं। अब कठोर प्रशासनिक और संरचनात्मक कदम आवश्यक हैं:–

1. जन औषधि केंद्रों पर निजी जेनेरिक दवाओं की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध

किसी भी दुकान पर निजी दवा पाए जाने पर उसका लाइसेंस तत्काल निलंबित होना चाहिए। यह योजना तभी सुरक्षित रह सकती है, जब इसकी परिधि में निजी आपूर्ति शून्य हो।

2. एमआरपी को फैक्ट्री स्तर पर नियंत्रित किया जाए

दवाओं का एमआरपी उत्पादन लागत के अनुरूप और पारदर्शी हो। बाजार में 80 प्रतिशत डिस्काउंट का खेल तभी खत्म होगा, जब एमआरपी वास्तविकता आधारित हो।

3. सप्लाई चेन का रियल–टाइम डिजिटलीकरण

सरकारी पोर्टल पर हर दवा की एंट्री, निकासी, बैच नंबर और खरीद–बिक्री का रिकॉर्ड अनिवार्य हो। यह पारदर्शिता निजी दवाओं की घुसपैठ स्वत: रोक देगी।

4. जिला ड्रग कंट्रोल विभाग की जवाबदेही तय हो

निरीक्षण, कार्रवाई और शिकायतों का सार्वजनिक रिपोर्ट कार्ड जारी हो। जहाँ लापरवाही दिखे – वहाँ तत्काल प्रशासनिक कार्रवाई हो।

5. निजी कंपनियों की अवैध सप्लाई पर आपराधिक मुकदमे दर्ज किए जाएँ

यह महज नियम उल्लंघन नहीं – यह सरकारी योजना को निष्प्रभावी करने की साजिश है। इस पर दंडात्मक कार्रवाई अनिवार्य होनी चाहिए।

6. दवा बिक्री के लिए योग्य फार्मासिस्ट अनिवार्य हों

दवा जनता की जान से जुड़ा विषय है;

अयोग्य स्टाफ के हाथों इसे सौंपना अपराध की श्रेणी में आना चाहिए।

7. अमानक या नकली दवा के कारोबार में लिप्त या उनको संरक्षण देने वालों या उनको बचाने वालों को मृत्युदंड का कानून बनाना चाहिए क्युकी वो लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। प्रधानमंत्री जन औषधि योजना को बचाना केवल सरकार नहीं – पूरे समाज की जिम्मेदारी है। यह योजना उस समय एक आशा का दीपक बनी थी, जब देश का आम नागरिक दवा के लिए आर्थिक संघर्ष झेल रहा था।

आज जब निजी कंपनियों की मिलीभगत, प्रशासनिक लापरवाही और माफिया–तंत्र इस योजना की जड़ों को कमजोर कर रहे हैं, तो यह आवश्यक हो जाता है कि सरकार निर्णायक कदम उठाए और व्यवस्था में कठोर पारदर्शिता सुनिश्चित करे।

प्रधानमंत्री जन औषधि योजना केवल सस्ती दवाओं की योजना नहीं है – यह जनता की स्वास्थ्य–सुरक्षा, पारदर्शिता और विश्वास का प्रतीक है।

इसे बचाना, सुदृढ़ करना और माफिया–प्रभाव से मुक्त रखना हम सभी का सामूहिक दायित्व है।

–रोटेरियन सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री।

भांकरोटा हादसे का एक वर्ष

कई परिवारों को दे गया जीवनभर के जख्म

आज भांकरोटा हादसे को एक वर्ष बीत चुका है, किन्तु उस की भयावहता को याद कर आज भी सिरहन महसूस होती है। 20 दिसम्बर, 2024 के दिन की वो स्याह, सर्द अलसुबह हमसे हमारा सब कुछ छीन ले गई। समय के पाबंद हमारे पापा अपनी नियमित दिनचर्यानुसार गुरुवार, 19 दिसम्बर को प्रात: पांच बजे घर से अजमेर रोड स्थित कृषि फार्म के लिए निकले थे 20 दिसम्बर की सुबह लौटना था पर वे कभी नहीं लौटे और हमें दे गए जीवन भर का इंतजार। जो व्यक्ति जीवन भर किसी पहचान का मोहताज नहीं रहा उनके शव की शिनाख्त डीएनए, कार के चैसिस से करनी पड़ी। हमारे पिता, हमारे पथ प्रदर्शक एवं आदर्श जो अपने समस्त सेवा काल में व्यवस्था को सुधारने का प्रयास करते रहे, अंत मे उसी व्यवस्था की भेंट चढ़ गए, यह बात उम्रभर कचोटती रहेगी।

हमारे पिता करणी सिंह राठौर एक ईमानदार, दबंग, तत्परता से निर्णय लेने वाले, संजीदा और कर्मठ आईएएस ऑफिसर थे। श्रीगंगानगर और अजमेर कलैक्टर रहते हुए आम आदमी एवं किसानों के लिए एतिहासिक कार्य करके अत्यंत दूर दराज के इलाकों मे रेवन्यू शिविर लगाकर किसानों को जमा बंदियां सुलभ करवाई और वर्षों के दबे उनके अधिकार दिलवाकर उनके कष्टों का निवारण किया। अजमेर डिस्कॉम और जयपुर नगरपरिषद में कार्य करते हुए उन्होंने कर्मचारियों और आमजन सभी के कल्याण के लिए ऐतिहासिक फैसले लिये और उन्हें तत्परता से लागू करवाया था।

बिल्कुल अलग तरह से लोगों के लिए जीने वाले हमारे पिता अपने आखिरी समय में भी इस व्यवस्था की खामियों की भेंट चढ़ने वालों की कतार में सबसे आगे खड़े थे। काश व्यवस्था के जिम्मेदार उस दर्द का एक अंश भी समझ पाए जो हम भोग रहे हैं 20 दिसम्बर, 2024 की सुबह से। काश इस तरह के घर उजाड़ने वाले हादसे किसी की लापरवाही का परिणाम न हो। काश ऐसा दिन कभी किसी के जीवन में न आए लेकिन निकट भविष्य में ऐसा होना सम्भव नहीं दिख रहा। हमारे देश में सड़क दुर्घटनाओं में प्रतिवर्ष 1 लाख 80 हजार व्यक्ति जान गंवाकर इतने ही परिवारों को जीवनभर के लिए हमारे परिवार जैसी त्रासदी सहन करने के लिए छोड़ जाते हैं। न तो समाज और न सरकार उनकी व्यथा और दर्द समझ सकते हैं।

–सुमन राठौर

धोधलिया गांव में लेपर्ड ने दो युवकों पर हमला किया

चूरू, (निसं)। जिले के रतननगर थाना क्षेत्र के गांव धोधलिया में शुक्रवार सुबह खेत में सरसों की फसल में छिपकर बैठे एक लेपर्ड ने दो युवकों पर हमला कर दिया। हमले में एक युवक के सिर में गंभीर चोट आई है। घायल युवकों को डीबी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। गौरतलब है कि घटना सुबह करीब 7:30 बजे की है, जब धोधलिया निवासी 27 वर्षीय राकेश और 25 वर्षीय गोविंदराम अपने खेत में सरसों की फसल में पानी की लाइन बदलने गए थे। वे अलसुबह करीब चार बजे खेत पहुंचे थे। इस दौरान तेंदुए ने गोविंद और राकेश पर हमला बोल दिया, जिससे राकेश के सिर में गंभीर चोट आई। युवकों के शोर मचाने पर आस–पास के खेतों से ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने तुरंत दोनों घायलों को निजी वाहन से डीबी अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड पहुंचाया। अस्पताल में मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. एम.एम. पुकार के नेतृत्व में डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ ने उनका उपचार किया। गांव के लोगों ने बताया कि तेंदुए के हमले से इलाके में दहशत का माहौल है।

■ खेत में सरसों की फसल में छिपकर बैठा था, खेत में काम कर रहे युवकों पर किया हमला

घायल युवक को उपचार के लिसे अस्पताल में भर्ती कराया।

राजस्थान न्यायिक सेवा परीक्षा का रिजल्ट जारी

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान न्यायिक सेवा परीक्षा 2025 का रिजल्ट जारी हो गया है। कुल 44 पदों पर रिजल्ट जारी किया गया है। इस बार भी नतीजों में महिलाओं का दबदबा देखने को मिला है। कुल 28 महिला जज बनी हैं। मेरिट लिस्ट के टॉप–5 स्थानों पर सिर्फ महिलाओं ने जगह बनाई है, जबकि टॉप–10 में सिर्फ 1 पुरुष है।

हाईकोर्ट प्रशासन द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, मधुलिका यादव ने 205.5 अंक हासिल कर पूरे प्रदेश में टॉप किया है। वहीं, प्रज्ञा गांधी 204 अंकों के साथ दूसरे और अंबिका राठौड़ 196 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रही हैं। सिविल जज भर्ती प्रक्रिया के तहत मुख्य परीक्षा में सफल हुए 136 अभ्यर्थियों के इंटरव्यू लिए गए थे। इन सभी के मार्क्स की कंपोजिट लिस्ट जारी करने के साथ ही फाइनल मेरिट लिस्ट (44 चयनित अभ्यर्थी) जारी कर दी गई है।

गौरतलब है कि इस साल फरवरी के अंतिम सप्ताह में न्यायिक सेवा में सिविल जज के 44 खाली पदों को भरने के लिए अधिसूचना निकाली गई थी। इसके बाद 27 जुलाई को प्रारंभिक चरण की परीक्षा हुई थी, जिसका परिणाम अगस्त के तीसरे सप्ताह में घोषित किया गया था। योग्य अभ्यर्थियों के लिए मुख्य लिखित परीक्षा का आयोजन 11 और 12 अक्टूबर को राज्य के दो प्रमुख केंद्रों–जोधपुर और जयपुर में करवाया गया था।

■ मधुलिका यादव ने 205.5 अंक हासिल कर पूरे प्रदेश में टॉप किया, इस बार भी नतीजों में महिलाओं का दबदबा देखने को मिला है, कुल 28 महिला जज बनी हैं

विद्युत आपूर्ति में गड़बड़ी को लेकर किसान यूनियन ने किया प्रदर्शन

चूरू, (निसं)। ग्राम बालरासर आथुणा के किसानों ने भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष रामरतन सिहाग के नेतृत्व में शुक्रवार को वोल्टेज कम आने, बार–बार ट्रिपिंग को लेकर और ग्राम बालरासर आथुणा में जीएसएस स्वीकृत करवाने को लेकर जोधपुर डिस्कॉम निगम कार्यालय में विरोध प्रदर्शन कर नारेबाजी की। प्रदर्शन के बाद अधीक्षण अभियंता आरपी वर्मा ने किसानों के प्रतिनिधिमंडल से वार्ता की। यूनियन के जिलाध्यक्ष रामरतन सिहाग की अगुवाई में किसानों के प्रतिनिधिमंडल ने अधीक्षण अभियंता को ज्ञापन सौंपा।

■ किसानों के प्रतिनिधिमंडल ने अधीक्षण अभियंता को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया कि कम वोल्टेज आने व बार बार ट्रिपिंग के चलते किसानों के कुओं की मोटरें जलने से किसानों को आर्थिक नुकसान हो रहा है और पर्याप्त विद्युत आपूर्ति नहीं होने से किसानों की फसलें खराब हो रही है। जिलाध्यक्ष रामरतन सिहाग ने बताया कि अधीक्षण अभियंता ने मौके पर ही अधिकारियों को निर्देश देकर आज ही पीथीसर जीएसएस पर फीडर अलग करने, घंटेल से अलग विद्युत लाईन खिंचवाने तथा बालरासर आथुणा में नया जीएसएस स्वीकृत करवाने का प्रस्ताव बनाने की बात कही। इस दौरान किसानों के प्रतिनिधि मण्डल में भारतीय किसान यूनियन के ओमप्रकाश, जयलाल, सुनील, सुशील, सीताराम, महेंद्र, रामूराम, ओमप्रकाश, दीपचंद, भगताराम, सुरेश कुमार, जगदीश, सुभाष, बाबूलाल, भालाराम, श्रवण, राजूराम, धर्मचंद और मांगीलाल सहित बड़ी संख्या में किसान यूनियन के पदाधिकारी उपस्थित थे।

उर्स मेले के लिए विशेष रेल सेवाओं का संचालन

अजमेर, (निसं)। रेलवे द्वारा उर्स मेले के दौरान अतिरिक्त यात्री यातायात को ध्यान में रखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु बरेली–दौराई (अजमेर)–बरेली अनारक्षित स्पेशल एवं आजमगढ़–अजमेर–आजमगढ़ उर्स स्पेशल रेल सेवाओं का संचालन किया जा रहा है।

गाड़ी संख्या 04398 बरेली–दौराई (अजमेर) अनारक्षित स्पेशल 22 से 28 दिसंबर तक प्रतिदिन बरेली से शाम 4.50 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 7.55 बजे दौराई पहुंचेगी। वहीं गाड़ी संख्या 04397 दौराई–बरेली स्पेशल 23 से 29 दिसंबर तक प्रतिदिन दोपहर 12.15 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 6.45 बजे बरेली पहुंचेगी।

यह रेल सेवा मार्ग में दिल्ली, जयपुर, फुलेरा, किशनगढ़ एवं अजमेर सहित प्रमुख स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इसमें कुल 14 डिब्बे होंगे। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 05105 आजमगढ़–अजमेर उर्स स्पेशल 24 दिसंबर को शाम 5.30 बजे रवाना होकर अगले दिन रात 9.05 बजे अजमेर पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 05106 26 दिसंबर को रात 9 बजे अजमेर से रवाना होकर अगले दिन रात 11.15 बजे आजमगढ़ पहुंचेगी। इस ट्रेन में कुल 20 डिब्बे लगाए जाएंगे।

■ रेलवे द्वारा उर्स मेले के दौरान अतिरिक्त यात्री यातायात को ध्यान में रखते हुए निर्णय लिया

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 17 संख्याः 233 प्रभात चूरू, शनिवार 20 दिसम्बर, 2025 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

राहुल गांधी ने जी राम जी स्कीम पर प्रहार ही प्रहार किये

'सरकार ने केवल नाम ही नहीं बदला मनरेगा का, बल्कि अधिकार व मांग पर आधारित स्कीम को एक ''राशन'' स्कीम बना दिया, जिसका नियंत्रण दिल्ली के हाथ में है'

- राहुल के अनुसार, मनरेगा ने ग्रामीण मेहनतकश को ''बारगेनिंग पावर'' (बातचीत कर अपनी बात मनवाने का अधिकार) दिया था। सरकार ने ''बारगेनिंग पावर'' खत्म कर दिया।
- राहुल के अनुसार, कोविड के समय हमने देखा था, जब इकॉनमी ठप्प हो गई थी, मनरेगा ने करोड़ों को भूख व कर्ज़े से बचाया था। पर, अब कितना काम उपलब्ध होगा, उसकी सीमा बांध कर सरकार ने काम न देने का नया बहाना दे दिया सरकार को।
- राहुल गांधी ने अंत में सरकार को चुनौती दी कि, मनरेगा गरीबी हटाने व ग्रामीण जनता के सशक्तिकरण का विश्व में सबसे सफल प्रोग्रामों में से एक है और वे सरकार को गरीबों के अंतिम हथियार को खत्म नहीं करने देंगे तथा सभी राज्यों में पंचायत स्तर तक आंदोलन खड़ा कर, सरकार को बाध्य करेंगे कि वह जी जी राम जी विधेयक वापस ले।

- डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 दिसंबर। लोकसभा में विपक्षी नेता राहुल गांधी ने आज मोदी सरकार पर आरोप लगाया कि 20 साल पुरानी मनरेगा योजना को एक दिन में नष्ट कर दिया गया है, उन्होंने नए वीबी जी राम जी विधेयक को ''गांव विरोधी'' करार दिया।

राहुल गांधी ने एक्स पर लिखी एक पोस्ट में कहा, वीबी जी राम जी मनरेगा का काया पलट नहीं है, बल्कि ''बीती रात, मोदी सरकार ने एक ही दिन में 20 साल की मनरेगा को खत्म कर दिया...''

उन्होंने कहा, ''यह अधिकार आधारित, मांग से प्रेरित गारंटी को नष्ट करता है और इसे एक राशनिंग योजना में बदलता है, जिसे दिल्ली से नियंत्रित किया जाता है। इसका डिज़ाइन राज्य और गांव विरोधी है।''

विपक्ष के नेता ने यह भी कहा कि मनरेगा ने ग्रामीण श्रमिकों को सशक्त किया था और उन्हें मोल-भाव की ताकत दी थी।

गांधी ने कहा, ''जब (ग्रामीण लोगों को) वास्तविक विकल्प मिले तो शोषण और परेशानी से हो रहे पलायन में कमी आई, मजदूरी बढ़ी, कार्य स्थितियाँ बेहतर हुईं, और यह सब ग्रामीण बुनियादी ढांचे के निर्माण और पुनरुद्धार के साथ हुआ। यही वो ताकत है, जिसे यह सरकार तोड़ना चाहती है।''

लोकसभा में विपक्षी नेता ने कहा कि काम की सीमा तय कर और उसे अस्वीकार करने के और तरीके बनाकर, वीबी जी राम जी विधेयक ग्रामीण गरीबों को जो एकमात्र ताकत मिली थी, उसे कमज़ोर कर देता है।

गांधी ने कहा, हमने देखा कि कोविड के दौरान मनरेगा का क्या फायदा हुआ। जब अर्थव्यवस्था बंद हो गई और आजीविका संकट में आ गई, तो इसने करोड़ों लोगों को भूख और कर्ज़ में डूबने से बचाया।''

उन्होंने कहा कि इसने महिलाओं को सबसे अधिक लाभ पहुँचाया। हर साल, महिलाएं आधे से अधिक व्यक्ति दिवसों में योगदान करती थीं।

उन्होंने लिखा, ''जब आप एक रोजगार योजना को राशन करते हैं, तो सबसे पहले महिलाएं, दलित, आदिवासी, भूमिहीन श्रमिक और गरीब तथा ओबीसी समुदाय बाहर हो जाते हैं।''

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'विभागीय पदों पर आरएएस भर्ती-2023 में नियुक्ति नहीं दें'

- हाई कोर्ट ने एक याचिका की सुनवाई करते हुए रोक लगाई।

जयपुर, 19 दिसंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने आरएएस भर्ती-2023 में विभागीय कर्मचारियों के लिए आरक्षित पदों पर नियुक्ति करने पर रोक लगा दी है। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने रोहित कुमार व अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। अदालत ने माना कि प्रकरण में विभागीय पदों पर जातिगत आरक्षण का बिंदु विचारणीय है। ऐसे में यदि सरकार द्वारा इन पदों पर नियुक्ति दी जाती है तो पक्षकारों के हित प्रभावित होंगे।

याचिका में अधिवक्ता मोहित खंडेलवाल ने अदालत को बताया कि आरएएस भर्ती-2023 में कुल पदों में से 12.5 फीसदी पद अधीनस्थ कर्मचारियों के लिए आरक्षित रखे गए थे। आरपीएससी की ओर से भर्ती का परिणाम जारी करते समय, विभागीय पदों पर सामान्य कट ऑफ ही जारी की गई, जबकि आयोग को विभाग के आरक्षित वर्ग के कर्मचारियों के लिए अलग से कट ऑफ जारी करनी चाहिए थी। ऐसा नहीं करने से याचिकाकर्ताओं को जातिगत आरक्षण से वंचित किया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संसद में बहस होती तो प्रदूषण पर नियंत्रण के सख्त उपाय किए जा सकते थे

प्रियंका गांधी, कनिमोई करुणानिधि और बांसुरी स्वराज आदि महिला सांसद इस बात से काफी निराश थीं कि हवा की गुणवत्ता पर बहस नहीं हुई, जबकि अंतिम दिन यह बहस होनी शिड्यूल्ड थी

- दिल्ली पुलिस ने कहा, 12,164 मीट्रिक टन से ज्यादा कचरा उठा है और 2068 किलोमीटर तक सड़कें साफ हुई हैं। पर, विशेषज्ञों का कहना है कि ये उपाय पर्याप्त नहीं हैं।
- विशेषज्ञों का यह भी कहना है, प्रदूषण का स्तर इतना अधिक है कि कठोर कदम उठाने होंगे, जैसे वाहनों, उद्योगों और विद्युत संयंत्रों में बड़े पैमाने पर एमिशन कंट्रोल के उपाय करने होंगे।
- उन्होंने कहा, कुछ सौ वाहनों को कम करने की बजाय दिल्ली में पूरे वर्ष भर प्रदूषण नियंत्रण के गंभीर उपाय करने की जरुरत है। यह तभी संभव था, जब संसद में बहस होती है और इसके पक्ष में वातावरण बनता।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर। नई दिल्ली की हवा की गुणवत्ता खतरनाक स्तर की ओर बढ़ती जा रही है, लेकिन इसके बावजूद संसद में इस मुद्दे पर चर्चा नहीं हो सकी। शुक्रवार को शीतकालीन सत्र अचानक समाप्त हो जाने के कारण यह बहस हो ही नहीं पाई।

पिछले कुछ हफ्तों से दिल्ली में वायु गुणवत्ता ''बहुत खराब'' श्रेणी में बनी हुई है, जिसके कारण प्रियंका गांधी, कनिमोई करुणानिधि और बांसुरी स्वराज सहित, कई लोकसभा सांसदों ने इस विषय पर बहस की मांग की थी। उम्मीद थी कि शीतकालीन सत्र के आखिरी दिन इस पर बहस होगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इससे पर्यावरण कार्यकर्ताओं और विशेषज्ञों ने सरकार पर हमला बोला है, क्योंकि संसद में चर्चा से प्रदूषण कंट्रोल के लिए सख़्त कदम उठाए जा सकते थे।

दिल्ली ने दिसंबर महीने सन् 2015 में स्टैण्डर्ड मॉनिटरिंग शुरु होने के बाद से अब तक का दूसरा सबसे खराब प्रदूषण देखा है।

हालांकि, दिल्ली सरकार ने ''नो पीयूसी (पोल्यूशन अण्डर कंट्रोल), नो फ्यूल'' जैसे सख्त अभियान चलाए हैं और दिल्ली के बाहर के नॉन बी एस-6 स्टैण्डर्ड वाले वाहनों पर बैन लगाया,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तमिलनाडु में 97 लाख मतदाताओं के नाम कटे

चुनाव आयोग ने तमिलनाडु की एसआईआर ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी की

- इस वोटर लिस्ट से तमिलनाडु में भारी राजनैतिक विवाद शुरु होने की संभावना है, क्योंकि, सत्तारुढ़ पार्टी द्रमुक पहले से ही एसआईआर का भारी विरोध कर रही थी।
- एसआईआर से पहले तमिलनाडु में 6.41 करोड़ मतदाता थे जो घटकर 5.43 करोड़ ही रह गए हैं। जिन 97 लाख लोगों के नाम काटे हैं उनमें से 27 लाख को चुनाव आयोग ने मृत बताया और 66 लाख के बारे में कहा, ये राज्य से पलायन कर गए हैं तथा 3.4 लाख के नाम अन्य राज्यों में रजिस्टर्ड बताए हैं।
- तमिलनाडु के साथ चुनाव आयोग ने गुजरात की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट भी जारी की, जहां 73 लाख नाम कटे हैं।

चेन्नई/गांधीनगर, 19 दिसंबर। चुनाव आयोग ने आज शुक्रवार, 19 दिसंबर 2025 को तमिलनाडु की स्पेशल इंटेसिव रिवीज़न (एसआईआर) की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी की। इस प्रकिया से पहले तमिलनाडु में 6.41 करोड़ वोटर थे, लेकिन प्रकिया के समाप्त होने के बाद लिस्ट के सामने आने से पता चला कि तमिलनाडु में अब 5.43 करोड़ वोटर रह गए हैं।

एसआईआर वोटर लिस्ट की नई सूची से तमिलनाडु में 97 लाख से ज्यादा नाम हटा दिए गए हैं। अब तमिलनाडु के अगले विधानसभा चुनाव में 5.43 लाख करोड़ मतदाता वोट डालेंगे। चुनाव आयोग ने गुजरात की वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट भी जारी किया। गुजरात की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से 73 लाख लोगों के नाम काटे गए हैं।

चुनाव आयोग ने बताया कि एसआईआर की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से उन लोगों के नाम हटा दिए हैं, जिनकी मौत हो चुकी है, इन लोगों के नाम पिछली वोटर लिस्ट में शामिल थे। वहीं, तमिलनाडु और गुजरात की वोटर लिस्ट से उन लोगों के नाम भी कट चुके हैं, जो ये राज्य छोड़कर कहीं और जाकर बस गए हैं। इसके साथ ही, उन लोगों के नाम भी इस लिस्ट में नहीं हैं, जिनके नाम दो राज्यों की वोटर लिस्ट में रजिस्टर थे।

चुनाव आयोग द्वारा जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक, तमिलनाडु की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ग्राम पंचायत व निकायों के चुनाव 25 अप्रैल तक होंगे

- सुप्रीम कोर्ट ने इस विषय पर हाई कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा।

जयपुर, 19 दिसंबर। सुप्रीम कोर्ट ने प्रदेश की ग्राम पंचायतों व निकायों के चुनाव 15 अप्रैल 2026 तक कराए जाने के संबंध में राजस्थान हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा है और परिसीमन की कार्रवाई व प्रशासकों की नियुक्ति को चुनौती देने वाली एसएलपी को खारिज कर दिया है। जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की खंडपीठ ने ये आदेश संयम लोढ़ा की एसएलपी (स्पेशल लीव पिटिशन) पर दिए।

एसएलपी में राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ के 14 नवंबर 2025 के उस फैसले को चुनौती दी गई थी, जिसमें परिसीमन की प्रक्रिया को 31 दिसंबर तक पूरा करने और ग्राम पंचायत व निकायों के चुनाव एक साथ 15 अप्रैल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

5 राज्यों को नए चीफ जस्टिस मिलेंगे

सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने 5 वरिष्ठ जजों की हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस पद पर नियुक्ति की सिफारिश केन्द्र सरकार को भेजी

- सुप्रीम कोर्ट के नए मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्य कांत का यह पहला बड़ा ''लीडरशिप'' फैसला है।
- उन्होंने उत्तराखंड, मेघालय, झारखंड, सिक्किम और पटना हाई कोर्ट के नए चीफ जस्टिस के लिए नामों की सिफारिश की ताकि समय रहते नियुक्ति हो जाए और न्यायिक कार्यों में निरंतरता बनी रहे।
- जिन न्यायाधीशों के नामों की सिफारिश की गई है, वो हैं, जस्टिस मनोज कुमार गुप्ता, जस्टिस रेवती पी मोहिते डेरे, जस्टिस एम एस सोनक, जस्टिस मुहम्मद मुश्ताक, जस्टिस संगम कुमार साहू।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर। सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने गुरुवार को उत्तराखंड, मेघालय, झारखंड, सिक्किम और पटना उच्च न्यायालयों में पाँच वरिष्ठ न्यायाधीशों को मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति दिये जाने की सिफारिश की है। महत्वपूर्ण न्यायिक नेतृत्व से सम्बन्धित यह कदम न्यायिक ढांचे को मजबूत करने और सेवानिवृत्तियों के बाद निरंतरता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

कोलीजियम के इन निर्णयों को सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर आधिकारिक रूप से जारी किया गया और औपचारिक कार्रवाई के लिए केन्द्र सरकार को भेजा गया।

यह सुप्रीम कोर्ट के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश, सूर्यकांत के कार्यकाल के दौरान लिया गया एक महत्वपूर्ण न्यायिक नेतृत्व निर्णय है, जिन्होंने नवम्बर 2025 में पदभार ग्रहण किया था और अपने पूर्ववर्ती से कार्यभार सँभालने के बाद, न्यायपालिका की कार्यक्षमता और संविधानिक अखंडता को सुनिश्चित करने के लिए सुधारों की दिशा में काम कर रहे हैं।

कोलीजियम ने हाईकोर्ट के इन मुख्य न्यायाधीशों की नियुक्ति की सिफारिश की है:

न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता, जो वर्तमान में इलाहाबाद उच्च न्यायालय में सेवा दे रहे हैं, को उत्तराखंड उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की गई है। पदोन्नति की यह सिफारिश उत्तराखंड उच्च न्यायालय के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश के जनवरी 2026 में सेवानिवृत्त होने की संभावना को देखते हुए की गई है।

बॉम्बे उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति रेवती पी. मोहिटे देरे को मेघालय उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की गई है। उनकी नियुक्ति मौजूदा मुख्य न्यायाधीश के स्थानांतरण के कारण की गई है।

बॉम्बे उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एम.एस. सोनक को झारखंड उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की गई है। यह निर्णय जनवरी 2026 में रिक्त हो रहे पद को देखते हुए लिया गया है।

केरल उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति ए. मुहम्मद मुस्ताक को सिक्किम उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश बनाने की सिफारिश की गई है।

उड़ीसा उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति संगम कुमार साहू को पटना उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की गई है।

ये सिफारिशें पूर्वी, उत्तरी और उत्तर-पूर्वी न्यायिक क्षेत्रों में नेतृत्व के संतुलित बदलाव को दर्शाती हैं।

इस बार रविवार को पेश होगा केन्द्रीय बजट

- असल में बजट हर बार एक फरवरी को पेश होता है इस बार एक फरवरी को रविवार है और रविवार को संसद में अवकाश होता है। पर, संसदीय कार्य मंत्री ने कहा, रविवार से कोई फर्क नहीं पड़ेगा, बजट एक फरवरी को ही पेश होगा।

नयी दिल्ली, 19 दिसंबर। आगामी एक फरवरी को रविवार होने के बावजूद वित्त वर्ष 2026-27 का बजट लोक सभा में उसी दिन पेश किया जाएगा।

रिजिजू ने संसद का शीतकालीन सत्र समाप्त होने के बाद संसद परिसर में शुक्रवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बजट एक फरवरी को ही

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'क्या 100 दिन काम देने की गारंटी के स्थान पर 125 दिन काम देने की गारंटी गलत है'

भाजपा ने जी राम जी विधेयक का विरोध करने वाले राजनीतिक दलों पर ग्रामीण जनता व श्रमिक के हित के बहाने केवल राजनीति करने का आरोप लगाया

- ''क्या अधिक दिन काम देने का वादा, ग्रामीण परिप्रेक्ष्य में खेतों में मजदूरी करने वाले लोगों के खिलाफ हो सकता है।''
- भाजपा नेताओं ने, विशेषकर तृणमूल कांग्रेस पार्टी के, जी राम जी विधेयक के पारित होने पर 12 घंटे के लिए धरने पर बैठे सांसदों को लक्ष्य बनाया और कहा, उनकी ''गुंडागर्दी'' के कारण सदन नहीं चल पाया और दिल्ली में प्रदूषण पर होने वाली सारगर्भित बहस को भी टालना पड़ा।

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 दिसंबर। भारतीय संसद का शीतकालीन सत्र समाप्त हो गया है। लोकसभा और राज्यसभा, दोनों सदन अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिये गये हैं।

सबसे पहले लोकसभा को, तथा इसके बाद राज्यसभा को स्थगित किया गया।

राज्यसभा की बैठक गत आधी रात के बाद तक चली और वीबी-जी राम-जी विधेयक को ध्वनिमत से पारित किया, जिसे इससे पहले, दिन में लोकसभा द्वारा मंजूरी दी जा चुकी थी।

शुक्रवार को कार्यवाही दोबारा शुरू होने के कुछ ही समय बाद लोकसभा को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। निचले सदन में वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर पर चर्चा हुये बिना ही शीतकालीन सत्र समाप्त हो गया।

वीबी-जी राम-जी विधेयक पर बहस के बाद केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसने महात्मा गांधी के आदर्शों की इससे पहले भी कई बार हत्या की है।

चौहान ने कहा कि यूपीए शासन के दौरान मनरेगा भ्रष्टाचार से ग्रस्त था और निर्धारित कार्यों के लिए सामग्री की खरीद पर अपेक्षित धनराशि खर्च नहीं की गई।

एक अज्ञात व्यक्ति ने प्रधानमंत्री और विपक्षी सदस्यों के बीच हुई बैठक की जानकारी दी। चर्चा में निर्वाचन क्षेत्र से जुड़े मुद्दे और नए संसद भवन में एक अलग हॉल की मांग शामिल थी। एक वरिष्ठ मंत्री ने स्पष्ट किया कि पुराने संसद भवन में ऐसी ही एक सुविधा थी, जिसका उपयोग यदा-कदा ही होता था।

वीबी-जी राम-जी विधेयक के पारित होने के बाद, तृणमूल कांग्रेस के सांसदों ने संसद में 12 घंटे के धरना-प्रदर्शन की घोषणा की। विरोध प्रदर्शन जारी है और सांसद ''हम होंगे कामयाब'' गीत गा रहे हैं।

कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि गुरुवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी सरकार द्वारा महात्मा गांधी की एक बार फिर हत्या की गई।

भगत ने कहा, ''उनके (भाजपा) मातृ संगठन ने 1948 में गांधी जी की हत्या की थी और कल मोदी जी की सरकार ने गांधी जी के नाम की हत्या कर दी। सरकार ने ऐसा इसलिए किया है कि उसे उन चीज़ों से चिढ़ (एलर्जी) है, जिनमें गांधी जी और नेहरू जी का नाम आता है। वे उन नामों को मिटा देना चाहते हैं। स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भूमिका नकारात्मक रही। इसलिये उन्होंने (भाजपा) ऐसा किया। ग्रामीण अर्थव्यवस्था इस (मनरेगा) पर बहुत निर्भर थी... अगर सरकार चाहती तो खामियों को दूर कर, सुधार कर सकती थी... लेकिन वे तो गांधी जी का नाम हटाना चाहते थे, इसलिए उन्होंने ऐसा किया।

केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने वीबी-जी राम-जी विधेयक को लेकर तृणमूल कांग्रेस के धरना-प्रदर्शन पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, ''जिनका मजदूरों से कोई लेना-देना नहीं है, केवल वही वीबी-जी राम-जी विधेयक 2025 का विरोध करेंगे। जो सिर्फ राजनीति करना चाहते हैं, वही इसका विरोध करेंगे। क्या 100 दिन की जगह, 125 दिन की गारंटी देना गलत है? यह मजदूरों के हित में है। जो इसका विरोध कर रहे हैं, वे मजदूरों के दुश्मन हैं।''

जर्मनी के पूर्व चांसलर ओलाफ से मिले राहुल

- दोनों नेताओं ने बदलते वैश्विक माहौल में भारत व जर्मनी के संबंध मजबूत करने पर चर्चा की।

नयी दिल्ली, 19 दिसंबर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को जर्मनी के पूर्व चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ के साथ मुलाकात कर वैश्विक मामलों, व्यापार और बदलती दुनिया में भारत-जर्मनी संबंधों को मजबूत करने पर विस्तार से चर्चा की।

गांधी ने बर्लिन के हर्टी स्कूल में छात्रों, विद्वानों और शिक्षाविदों को संबोधित करते हुए बदलते विश्व में नेतृत्व, लोकतंत्र और वैश्विक जिम्मेदारी पर चर्चा की। उन्होंने मौजूदा राजनीतिक स्थितियों के साथ ही भारतीय लोकतंत्र की स्थिति पर अपने विचार भी रखे। उन्होंने अपने व्यक्तिगत और राजनीतिक अनुभवों को भी साझा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भोमपुरा गांव की गौशाला में तीन माह में 100 से ज्यादा गौवंश की मौत

दानदाता और रक्षक दलों का आरोप है कि 100 गायों की मौत हुई है, प्रशासन ने 70 की पुष्टि की

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के रायसिंहनगर क्षेत्र के भोमपुरा गांव की गौशाला में 100 से ज्यादा गाय पिछले तीन महीने में मर चुकी हैं। अब भी 60 गायें तड़प रही हैं, जो जहां है वहीं पड़ी हैं, गर्दन तक नहीं उठा पा रहीं हैं। ठंड, दूषित भोजन और गीला चारा वजह बताई जा रही है।

- **मामले में समेजा कोठी पुलिस थाने में गौशाला अध्यक्ष, मैनेजर व गौशाला कमेटी के अन्य सदस्यों के खिलाफ गौ हत्या के आरोप में मामला दर्ज कराया**

गौशाला के पीछे पहुंचते ही प्रबंधन की लापरवाही नजर आई, यहां एक के ऊपर एक 70 गायों के शव पड़े मिले। पूछने पर पता चला इन्हें दफनाया जा रहा था। गौसेवकों ने जब मामले का खुलासा किया तो ये काम रोक दिया गया। यहीं कुछ दूर गायों के दफन शव जमीन से झांकते हुए नजर आए। अध्यक्ष बीमारी और घर में बेटे की शादी का बहाना बना कर अपने पद से इस्तीफा दे चुके हैं। दानदाता और जो रक्षक दलों का आरोप है कि यहां 100 गायों की मौत हुई है। जबकि प्रशासन ने 70 की पुष्टि की है। मामला भोमपुरा गांव की इच्छापूर्ण गोकुल गौशाला का है।

मुक्तिधाम मुकाम (नोखा) के कथावाचक और दानदाता राजन प्रकाश (36) ने इस मामले में समेजा कोठी पुलिस थाने में आरोपी गौशाला अध्यक्ष पालाराम बिश्नोई, मैनेजर सुनील व गौशाला कमेटी के अन्य सदस्यों के खिलाफ गौ हत्या के आरोप में मामला दर्ज कराया है। दानदाता राजन प्रकाश ने कहा कि गौशाला को साल में 2 बार अनुदान मिलता है। इस बार भी अनुदान मिला है। मैं खुद इस गौशाला से काफी समय से जुड़ा हूं और 10 महीने पहले मैं यहां व्यक्तिगत 10 लाख रुपए दान दिया था। इसके अलावा मेरे भक्तों ने भी ढाई लाख रुपए गौशाला में डोनेट किए थे। अगर इसमें से आधा पैसा भी गौशाला में लगता तो गौशाला की ऐसी स्थिति नहीं होती और गोवंश की मौत नहीं होती। गौशाला का पूरा पैसा व्यक्तिगत खर्च किया गया है। दोषियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

गौ रक्षा दल, रायसिंहनगर के अध्यक्ष बबलू भाटी ने बताया कि अक्टूबर महीने में हमने गौशाला की शिकायत की थी। इस दौरान पशुपालन विभाग ने यहां दौरा किया था और अव्यवस्थाएं देख प्रबंधन को 15 दिनों में सुधार के निर्देश दिए गए थे। इसके बाद भी प्रबंधन ने कोई ध्यान नहीं दिया। इसके बाद सूचना मिली कि बड़ी संख्या में यहां मृत गायों को दफनाया जा रहा है। तब गोरक्षा दल की टीम यहां तहसीलदार हर्षिता और एसडीएम सुभाष चंद्र चौधरी मौके पर पहुंचे। गायों को दफनाने और गौशाला की हालत देख चौंक गए।

बबलू भाटी ने बताया कि यहां 60 गाय मरने की हालत में थी, 100 को दफनाने की तैयारी थी। सर्दी के मौसम में न तो गायों के लिए सूखे चारे की व्यवस्था थी न ही साफ-सफाई। इतनी भयंकर बदबू आ रही थी कि खड़ा रहना भी मुश्किल था।

मामले को लेकर कलैक्टर डॉ. मंजू चौधरी ने कहा कि मामला संज्ञान में आते ही तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित की, जिसमें अतिरिक्त जिला कलेक्टर अशोक कुमार, एसडीएम सुभाष चौधरी और पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक शामिल हैं। माहौल शांत रखने के लिए गौशाला में पुलिस तैनात कर दी गई। नए प्रबंधन की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत प्रशासक रिछपाल बावरी को सौंपी गई है।

कलैक्टर ने बताया कि इसके अध्यक्ष पालाराम बिश्नोई ने स्वास्थ्य और पारिवारिक कारणों का हवाला देकर अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। प्रथम दृष्टया ठंड और दूषित चारे से गायों की मौत होना सामने आया है। कलैक्टर ने कहा कि हमने गौशाला का निरीक्षण किया है। जिसमें गौशाला प्रबंधन समिति और उसके अध्यक्ष की घोर लापरवाही सामने आई है। जिसके कारण 60 से अधिक गोवंश की मौत हो चुकी है। इसके अलावा कुछ गोवंश बीमार भी हैं। हमने एडीएम अनूपगढ़ की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई है जो पूरे मामले की जांच कर रही है। डॉक्टरों की टीम भी यहां पर मौजूद है। गौवंश का पोस्टमॉर्टम कराया गया है और सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं।

कलैक्टर ने बताया कि राज्य सरकार से इस गौशाला को इस वित्तीय वर्ष में 64 लाख का अनुदान भी मिला है। 2 किस्तों में अनुदान दिया गया है। इस मामले में सरकार की ओर कोई कोताही नहीं है। इस मामले में कमेटी जांच करेगी और जो भी कोई अधिकारी या कर्मचारी भी दोषी पाया गया तो उस पर भी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल गौशाला में अब पशुओं को हरे-चारे की व्यवस्था करवा दी है। पुराना चारा या तूड़ी वगैरा है उसको भी नष्ट करवा दिया गया है। साथ ही खराब चारे के उसके सैंपल भी लिए जा चुके हैं जो जांच के लिए भेजे जाएंगे। गौशाला के अंदर गीली मिट्टी व कीचड़ को भी साफ कराया गया है।

गौशाला 2014 से चल रही थी 2016 से पालाराम बिश्नोई अध्यक्ष थे। उन्होंने मामले को लेकर कहा कि मेरा स्वास्थ्य खराब है, घर में बेटे की शादी में व्यस्त था, इसलिए गौशाला में समय नहीं दे पाया। चारे की व्यवस्था भी थी। यहां करीब 75 गोवंश की मौत हुई है। इसकी वजह ठंड हो सकती है। मामला गरमाने पर इस्तीफा दिया है।

पशुपालन विभाग के डिप्टी डायरेक्टर संजीव मलिक ने कहा कि पशुओं की मौतें शरीर में वीकनेस और ठंड की वजह से हुई है। इसके साथ ही इन्हें दूषित चेहरा देने की बात भी सामने आ रही है। मृत पशुओं के सैंपल लिए गए हैं। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट की रिपोर्ट आने के बाद ही मामले का खुलासा हो पाएगा। कलेक्टर की ओर से टीमें भी लगाई हैं। पशु चिकित्सकों की टीम गोवंशों की देखभाल कर रही है।

दो पक्षों में हुए झगड़े में एक नाबालिग की हत्या

डीग/भरतपुर, (निसं)। जुरहरा थाना क्षेत्र के ग्राम अहलवाड़ी में शुक्रवार को दो पक्षों में हुए झगड़े में एक नाबालिग लड़के की जान चली गई। गांव के दो पक्षों में बिजली की टंकी को लेकर शुरू हुए विवाद ने इतना बड़ा रुप ले लिया कि एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष के नाबालिग लड़के के सिर में कुल्हाड़ी से वार कर उसकी हत्या कर दी। मृतक के शव का जुरहरा के राजकीय किरोड़ीलाल स्वर्णकार अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर शव को परिजनों को सौंप दिया गया है। वहीं मृतक के पिता ने नामजद लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया है। घटना की सूचना पर एएसपी कामां व सीओ कामां ने ग्राम अहलवाड़ी का दौरा कर घटना के संबंध में जानकारी लेकर जुरहरा थाना पुलिस को निर्देश दिए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम अहलवाड़ी में दो दिन पहले गुम हुए चार साल के बच्चे की हत्या का मामला अभी शांत नहीं हुआ है और शुक्रवार को फिर से गांव में एक और नाबालिग की हत्या ने सभी को चौंका दिया है। जुरहरा कस्बा सहित ग्रामीणांचल में ग्राम अहलवाड़ी में हुए दोनों हत्याकांडों की चर्चा आम हो गई है। शुक्रवार को कुल्हाड़ी के वार से हुई हत्या के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है। मृतक के पिता शाकिर पुत्र रमजानी मेव निवासी ग्राम अहलवाडी ने जुरहरा थाने में मामला दर्ज कराकर बताया कि वह व उसका भतीजा आदिल बिजली कनेक्शन की फाईल लगाकर बिजली कनेक्शन लेने व बिजली टंकी को सही कराने के बारे में बात कर रहे थे तभी गांव के ही अख्तर पुत्र कालू ने वहां आकर बेवजह उनके साथ गाली-गलौच करनी शुरू कर दी। इसके कुछ देर बाद ही अख्तर व उसके परिजन लाठी-डंडा, कुल्हाडी एवं सरिया लेकर उनके घर आ गए। जिन्होंने घर के बाहर बैठे उसके 16 वर्षीय नाबालिग पुत्र दानिश पर जानलेवा हमला कर दिया, जिसमें उसके सिर में गम्भीर चोट आ गई। इस दौरान आरोपी पक्ष ने पथराव भी किया जिससे उसके और भी परिजनों को चोटें आई हैं। शिकायत में बताया गया है कि गम्भीर हालत के कारण दानिश को जुरहरा चिकित्सालय से भरतपुर रैफर किया गया, लेकिन भरतपुर ले जाते समय उसने रास्ते में ही दम तोड दिया।

जुरहरा थानाधिकारी अमित चौधरी ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपी मौके से फरार हैं, जिनकी तलाश के लिए टीम गठित कर दी गई है। गांव में एहतियात के तौर पर पुलिस जाप्ता तैनात किया गया है। जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी की जायेगी।

अहलवाड़ी हत्याकांड में मृतक के पिता के द्वारा पुलिस में दर्ज कराये गये मामले में अख्तर पुत्र कालू, इसलाम पुत्र कालू, जाबिदा पत्नी अख्तर, फरमान पुत्र मुस्तुफ, अरसीदा पत्नि मुसद्दी, सकूनत पुत्री इस्लाम, असलम पुत्र भूरू, मुबीन पुत्र हमीदा, धौली पत्नी शैकुल, साहिदा पत्नी जुबेर, सहवाना पुत्री अख्तर, आईफा पुत्री मुसद्दी व बरफीना पत्नी मुबारिक को आरोपी बनाया गया है।

अवैध रूप से रह रहे नाइजीरियाई नागरिक को डिटेंशन सेंटर भेजा

अजमेर, (निसं)। राज्य सरकार एवं पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार अवैध रूप से निवास करने एवं ओवरस्टे कर रहे विदेशी नागरिकों के विरुद्ध चलाए जा रहे संयुक्त अभियान के तहत सीआईडी (विशेष शाखा) अजमेर द्वारा एक नाइजीरियाई नागरिक के खिलाफ कार्रवाई की है। कार्रवाई के तहत संबंधित विदेशी नागरिक को डिटेंशन सेंटर, अलवर भेजा गया।

- **नाइजीरियाई नागरिक अब्दुल बासित अयूबा मुहम्मद ने वर्ष 2023 में भगवंत विश्वविद्यालय, अजमेर में बीएससी आईटी पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया था**
- **जांच में सामने आया कि वह नियमित रूप से विश्वविद्यालय में उपस्थित नहीं रहा, न ही परीक्षाओं में शामिल हुआ**

सीआईडी (विशेष शाखा) अजमेर के एएसपी राजेश मीना ने बताया कि नाइजीरियाई नागरिक अब्दुल बासित अयूबा मुहम्मद ने वर्ष 2023 में भगवंत विश्वविद्यालय, अजमेर में बीएससी आईटी पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया था। जांच में सामने आया कि वह नियमित रूप से विश्वविद्यालय में उपस्थित नहीं रहा, न ही परीक्षाओं में शामिल हुआ। इसके बावजूद वीजा की वैधता समाप्त होने के बाद भी वह लगातार ओवरस्टे करता रहा, जो वीजा नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। विदेशी छात्र की अनियमित गतिविधियों एवं वीजा नियमों के उल्लंघन को देखते हुए सीआईडी द्वारा प्रकरण की जांच की गई। जांच में आरोप प्रमाणित पाए जाने पर गृह विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा संबंधित नाइजीरियाई नागरिक को उसके देश डिपोर्ट किए जाने तक डिटेंशन सेंटर में निरुद्ध रखने के आदेश जारी किए गए। इन आदेशों की पालना में शुक्रवार को पुलिस गार्ड के साथ उक्त नाइजीरियाई नागरिक को डिटेंशन सेंटर, अलवर भेजा गया।

पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी वीजा नियमों का उल्लंघन करने एवं ओवरस्टे पाए जाने वाले विदेशी नागरिकों की पहचान कर उन्हें भारत से डिपोर्ट किया जाएगा तथा ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही अवैध या ओवरस्टे विदेशी नागरिकों को शरण देने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध भी विधिक कार्रवाई की जाएगी। यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, सीआईडी (विशेष शाखा) एवं विदेशी पंजीकरण अधिकारी, अजमेर शहर एवं पुष्कर के निर्देशन में की गई।

थाईलैंड से पार्सल में आया अवैध नशीला पदार्थ जब्त

कोटा, (निसं)। मादक पदार्थ विरोधी अभियान को जारी रखते हुए मुखबिर की सूचना पर कार्यवाही करते हुए केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सी.बी.एन) जयपुर सेल के अधिकारियों ने एफपीओ कस्टम्स जयपुर में थाईलैंड से आए एक इंटरनेशनल पार्सल की तलाशी ली तो तलाशी के दौरान टीम को पार्सल में 0.650 किलोग्राम अवैध हाइड्रोपोनिक वीड बरामद हुआ।

उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि थाईलैंड से एफपीओ कस्टम्स में आए एक पार्सल में खाने की चीजों के साथ छिपाकर अवैध हाइड्रोपोनिक वीड होने का शक है। उक्त सूचना पर केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सी.बी.एन) जयपुर सेल के अधिकारियों की एक टीम गठित की गई और उस पार्सल की तलाशी के लिए एफपीओ जयपुर भेजा गया।

- **जब्त हाइड्रोपोनिक वीड की कीमत करीब एक करोड़ रुपये बताई**

उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि तलाशी के दौरान टीम को हाइड्रोपोनिक वीड की तीन अलग-अलग पैकेट मिले, जिनका नाम सुपरबूफ (कैलिफोर्निया, यूएस का ओरिजिन) जिसका वजन 0.320 किलोग्राम, द किलर क्वीन (ब्रिटिश कोलंबिया का ओरिजइन) जिसका वजन 0.110 किलोग्राम और द आइसक्रीम केक (वेस्ट कोस्ट, यूएस का ओरिजिन) जिसका वजन 0.220 किलोग्राम था, यानी कुल 0.650 किलोग्राम अवैध हाइड्रोपोनिक वीड पार्सल चिप्स के पैकेट के नीचे छिपा हुआ बरामद किया गया।

उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि जब्त किए गए हाइड्रोपोनिक वीड की अवैध बाजार में कीमत लगभग 1 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। कानूनी औपचारिकताएँ पूरी करने के बाद बरामद हाइड्रोपोनिक वीड को एनडीपीएस अधिनियम के तहत जब्त कर लिया गया है। आगे की जांच प्रक्रिया जारी हैं।

जयपुर निवासी छात्र की नहर में गिरने से मौत

कोटा, (निसं)। कुन्हाड़ी थाना इलाके में गुरूवार शाम को नहर में डूबे छात्र का शव शुक्रवार को नान्ता क्षेत्र में मिला। छात्र की तलाश में जुटी निगम गोताखोर टीम व एसडीआरएफ टीम ने नान्ता इलाके से नहर में शव को बरामद कर नान्ता पुलिस को सौंपा।

- **कोटा में रहकर सेल्फ स्टडी कर नीट की तैयारी कर रहा था छात्र**

गुरूवार शाम को छात्र दोस्तों के साथ घूमने निकला था और कुन्हाड़ी इलाके में नहर में हाथ धोने के लिये उतरा था, लेकिन पैर फिसलने से छात्र नहर में बह गया। सूचना पर कुन्हाड़ी पुलिस व नगर निगम की गोताखोर टीम मौके पर पहुंची। सूचना पर एसडीआएफ टीम भी पहुंची और छात्र की तलाश के लिये रेसक्यू अभियान चलाया। कुन्हाड़ी थानाधिकारी मांगेलाल यादव ने बताया कि नहर में डूबे छात्र की तलाशी के लिये गोताखोर और एसडीआरएफ टीम द्वारा अभियान चलाया गया। थानाधिकारी ने बताया कि रात्रि को अभियान बंद कर शुक्रवार सुबह से छात्र की तलाश के लिये रेसक्यू अभियान चलाया गया और नान्ता क्षेत्र में छात्र का शव बरामद हुआ। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक छात्र जयपुर निवासी लोकेश कुमावत था, सूचना पर परिजन भी कोटा पहुंच गये थे। छात्र कोटा में रहकर सेल्फ स्टडी कर नीट की तैयारी कर रहा था। नान्ता थानाधिकारी चेतन कुमार ने बताया कि नहर में डुबे छात्र का शव बरामद हुआ। मृतक छात्र के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया।

ट्रक यूनियन की जमीन पर जेसीबी से अवैध प्लॉटिंग तोड़ी

अलवर, (निसं)। अलवर यूआईटी ने एक बार फिर शुक्रवार को दिवाकरी के निकट साकेत नगर योजना से लगती ट्रक यूनियन की करीब 25 से 30 बीघा जमीन पर अवैध प्लॉटिंग तोड़ दी। 4-4 जेसीबी ले जाकर दीवारों को ढहाया गया। ग्रेवल रोड भी उखाड़ी। पहले भी इसी जगह पर अवैध प्लॉटिंग को यूआईटी ध्वस्त कर चुकी है।

- **साकेत नगर योजना से लगती ट्रक यूनियन की करीब 25 से 30 बीघा जमीन पर कार्रवाई की**

अलवर यूआईटी ने ट्रक यूनियन की जमीन पर अवैध प्लॉटिंग को जेसीबी तोड़ दिया।

अलवर यूआईटी के अतिक्रमण निरोधक अधिकारी मानवेंद्र जायसवाल ने बताया कि अलवर में दिवाकरी के निकट चंद्रमोली मोटर्स के पीछे बड़ी जमीन पर अवैध प्लॉटिंग की जा रही थी। मौके पर करीब 25 से 30 बीघा जमीन पर ग्रेवल रोड डाल दी थी। इसके अलावा काफी प्लॉट की बाउंड्री हो चुकी थी।

इसे पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। यहां पहले भी यूआईटी के दस्ते ने अतिक्रमण हटाया था। यहां मौके पर तसीलदार मानवेंद्र जायसवाल, जेईएन दौलत, अमीचंद व रोहित सहित यूआईटी की टीम पुलिस जाब्ते के साथ पहुंची थी।

अलवर जिला परिषद की ओर से की गई लिपिक भर्ती में बड़ा खुलासा

अलवर, (निसं)। अलवर जिला परिषद की ओर से करीब तीन साल पहले की गई 134 लिपिकों की भर्ती में एक और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। दो केस ऐसे सामने आए हैं, जिन्होंने लिपिक बनने के लिए आवेदन तो किया, लेकिन उनका नाम न प्रतीक्षा सूची में था और न ही उन्होंने अपने दस्तावेज जमा कराए। नौकरी मिलने के तीन साल बाद अब इस मामले का खुलासा हुआ है, जो जांच अधिकारी एडीएम सिटी बीना महावर के पास पहुंचा है। बताते हैं कि उन्होंने दस्तावेज तलब किए हैं।

- **न वेटिंग लिस्ट में नाम, न दस्तावेज जमा कराए, फिर भी बन गए लिपिक**

लिपिक भर्ती के तहत प्रतीक्षा सूची में नाम जोड़ने के लिए कुल 286 लोगों की तरफ से आपत्ति दायर की गई थी। आपत्ति निराकरण सूची में शामिल 189 और 224 नंबर पर दर्ज आपत्ति को आपत्ति निराकरण समिति ने इनके प्रतीक्षा सूची में नाम जोड़ने की आपत्ति को यह कहकर खारिज कर दिया कि इनके प्राप्तांक तीन गुना कट ऑफ में नहीं आते। इसी वजह से इन दोनों अभ्यर्थियों को प्रतीक्षा सूची में शामिल नहीं किया गया और न ही दस्तावेज सत्यापन का मौका दिया गया। इसके बाद जिला परिषद की ओर से 24 नवंबर 2022 को जारी आदेश में एक महिला अभ्यर्थी को मालाखेड़ा और 30 दिसंबर को जारी आदेश में पुरुष अभ्यर्थी को रामगढ़ पंचायत समिति में लिपिक पद पर नियुक्ति दे दी गई।

एडीएम सिटी को जिला परिषद की अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी (एसीईओ) आरती गुप्ता की ओर से करीब दो माह पहले भेजी गई रिपोर्ट में यह बताया गया है कि इन दोनों ने प्रतीक्षा सूची में नाम जोड़ने के लिए आपत्ति दी थी, लेकिन अपात्र होने के कारण इनका नाम दस्तावेज सत्यापन की सूची में नहीं था और इन्होंने अपने दस्तावेज इस कार्यालय में जमा भी नहीं कराए। सबसे खास बात यह है कि जिस आवेदन क्रमांक पर महिला अभ्यर्थी की आपत्ति खारिज की गई, उस आवेदन क्रमांक के स्थान पर दूसरे आवेदन क्रमांक को बदलकर महिला को नौकरी दे दी गई। दोनों आवेदन पर आवेदक का नाम, पिता का नाम, जन्मतिथि और प्राप्तांक समान हैं। जांच अधिकारी एडीएम सिटी बीना महावर की ओर से इनके दस्तावेज तलब किए गए हैं। ऐसे ही करीब 15 और अभ्यर्थी हैं, जिनके दस्तावेज एडीएम सिटी ने मंगवाए हैं। इनको ज्यादा नंबर होने के बावजूद नौकरी नहीं दी गई।

डीडवाना : अज्ञात कारणों से दर्जनों गौवंश की मौत

डीडवाना, (निसं)। डीडवाना जिला मुख्यालय स्थित श्री गोपाल गौशाला में एक बार फिर गौवंश की मौत का मामला सामने आया है। गौशाला में अब तक दर्जनों गोवंश की अकाल मौत हो चुकी है। हैरत की बात तो यह है कि गौशाला प्रबंधन द्वारा गौवंश की मौत का कारण जाने बिना ही मृत गायों को खेत में ही गड्ढा खोदकर गुपचुप दफन किया जा रहा है।

- **गौशाला प्रबंधन की ओर से खेत में ही गड्ढा खोदकर गायों को दफन किया जा रहा है**

यह गौशाला शहर से बाहर स्थित होने की वजह से गौवंश की मौत का लोगों को पता नहीं चल पाया, लेकिन मृत गौवंश की आसपास के क्षेत्र में बदबू फैली तब लोगों को गौवंश की मौत का पता चला। इसके बाद आसपास के लोगों ने गौशाला में जाकर देखा, तो खेत में जगह जगह गाय बछड़ा और नंदी मरे पड़े मिले। वहीं कई गौवंश को अलग-अलग जगह गड्ढे खोदकर दफन कर दिया गया। हालांकि मौत के कारण अब तक अज्ञात है। गायों में मौत की वजह कोई अज्ञात बीमारी है या भूख की वजह से गाये मर रही है। आरोप है कि गौशाला प्रबंधन द्वारा इन मौतों की सूचना समय पर पशुपालन विभाग को नहीं दी गई और मृत गौवंश को जेसीबी से गड्ढे खुदवाकर खेतों में चुपचाप दफनाया गया।

स्थानीय लोगों का दावा है कि अब तक सैकड़ों गौवंश को गुपचुप तरीके से दफनाया जा चुका है, सितंबर माह में भी अज्ञात कारणों से सैकड़ों गौवंश की मौत हुई थी। गौवंश की मौत किन कारणों से हुई, यह फिलहाल जांच का विषय बना हुआ है।

तीन भाइयों व भतीजे की मौत की खबर से मातम पसरा

टोंक, (निसं)। शहर में सभी की आंखें उस समय नम हो गई, जब तीन भाइयों और उनके भतीजे की मौत की खबर मिली, सूचना के बाद मृतकों के घरों में चीख-पुकार मच गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मुख्यालय के बड़ा कुआं क्षेत्र में राज टॉकीज रोड स्थित विवेकानंद स्कूल के पीछे रहने वाले एक ही परिवार के पांच लोग गुरुवार शाम क्रेटा कार से कोटा अपने रिश्तेदार के पोते के जन्मदिन की पार्टी में जा रहे थे। घटना बूंदी स्थित जयपुर-कोटा नेशनल हाईवे 52 के सिलोर पुलिया पर गुरुवार की शाम को हुई, हादसे के दौरान कार पर बजरी से भरा डंपर पलट गया।

इससे एक भाई ने तो खिड़की से कूदकर अपनी जान बचा ली जबकि तीन भाई और उनके एक भतीजे की डंपर के नीचे दबने से कार में ही मौत हो गई। बाद में देर रात्रि को तीनों भाई और भतीजे का शव घर आया तो चीख-पुकार मच गई। मृतकों में फरीउद्दीन, अजीरूद्दीन, मोइनुद्दीन तीन भाई व भतीजा सेफुद्दीन थे। इनमें सेफुद्दीन का पिता वसीउद्दीन सड़क हादसे में कार की खिड़की खुलने से बच गया। शुक्रवार की सुबह पूरे मोहल्लेवासी मृतकों के घर पहुंचे और परिजनों को संभाला तथा इसके बाद जनाजा निकाला गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हादसा तेज रफ्तार से आ रहे डंपर का आगे का टायर अचानक फटने डंपर असंतुलित होकर कार पर पलट गया, जिससे एक व्यक्ति को छोड़कर चारों लोग डंपर और बजरी के नीचे दब गए, जिससे उनकी मौत हो गई। बाद में मौके पर मौजूद राहगीरों व थाना पुलिस द्वारा सभी को बाहर निकाला जा सका।

यूरिया संकट पर कृषि मंत्री को पत्र लिखा

भीलवाड़ा, (निसं)। प्रदेश में पिछले छह माह से गहराए यूरिया खाद के संकट और किसानों को हो रही भारी असुविधा को लेकर भीलवाड़ा विधायक अशोक कोठारी ने प्रदेश के कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा को पत्र लिखकर ठोस कदम उठाने की मांग की है। विधायक कोठारी ने पत्र के माध्यम से खाद वितरण प्रणाली में व्याप्त विसंगतियों को दूर करने के लिए सात महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं, जिसमें खाद की सब्सिडी सीधे किसानों के बैंक खातों में भेजने का प्रस्ताव प्रमुख है।

विधायक कोठारी ने कृषि मंत्री का ध्यान आकर्षित करते हुए बताया कि सहकारी समितियों और विक्रेताओं के पास लंबी कतारों के बावजूद पात्र किसानों को खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि कम भूमि वाले लोग लाइनों में लगकर खाद ले लेते हैं और बाद में उसे ऊंची दरों पर बेच देते हैं। इससे वास्तविक किसान खाद से वंचित रह जाते हैं और कालाबाजारी को बढ़ावा मिल रहा है। विधायक कोठारी ने समाधान के लिए सुझाव दिए,जिनमें खाद की बिक्री को किसान की फार्मर आईडी से जोड़ा जाए, जो मोबाइल और आधार लिंक हो। इससे विक्रेता को पता चल सकेगा कि किसान के पास कितनी भूमि है और उसे पहले कितना खाद मिल चुका है। जिन किसानों की आईडी बनी हुई है, उन्हें खाद खरीदने में प्राथमिकता दी जाए।

मवेशी काटने का वीडियो वायरल, पोटला ग्राम में बवाल

हिंदू संगठनों और ग्रामीणों ने दुकानें बंद करा दी और सड़कों पर प्रदर्शन किया

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के पोटला गांव में बागरिया समुदाय के लोगों द्वारा मवेशी काटने का आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने से तनाव चरम पर पहुंच गया। हिंदू संगठनों और ग्रामीणों ने बाजार और दुकानें बंद करा दी और सड़कों पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोपी परिवारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और तत्काल गिरफ्तारी की मांग उठाई है।

आक्रोशित लोगों ने पोटला ग्राम के बाजार बंद करवा दिये।

घटना की शुरुआत पोटला निवासी गोवर्धन बागरिया के घर पर एक शादी समारोह से हुई। परिवार के सदस्यों ने बताया कि घरेलू कार्यक्रम के दौरान भैंस (मवेशी) काटा गया था। गोवर्धन के भांजे रतनलाल बागरिया ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया, जिसमें मवेशी की गरदन लहराते हुए दिखाया गया। वीडियो वायरल होते ही गांव में आक्रोश फैल गया। पोटला में बागरिया समुदाय के मात्र 15 से 25 परिवार निवास करते हैं, लेकिन इस वीडियो ने पूरे इलाके का माहौल गरमा दिया। ग्रामीणों और हिंदू संगठनों ने सुबह से ही सड़कों पर उतरकर नारेबाजी शुरू कर दी।

बाजार पूरी तरह ठप हो गया, जबकि भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है। गंगापुर एसडीएम, पुलिस उपाधीक्षक सहित जाब्ता मौके पर पहुंचा और प्रदर्शन को शांतिपूर्ण ढंग से नियंत्रित करने का प्रयास कर रहा है। प्रशासन ने स्थिति पर नजर रखी हुई है।

मुख्यमंत्री आज मांडलगढ़ का दौरा करेंगे

भीलवाड़ा, (निसं)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा 20 दिसंबर को भीलवाड़ा जिले के मांडलगढ़ का दौरा करेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, माँडलगढ़ में आयोजित ग्रामीण समस्या समाधान शिविर का अवलोकन करेंगे। मुख्यमंत्री शर्मा हेलीकॉप्टर द्वारा मांडलगढ़ पहुंचेंगे और ग्रामीण समस्या समाधान शिविर में भाग लेंगे। मुख्यमंत्री शर्मा के इस दौरे से जिले के लोगों में काफी उत्साह है। मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान जिले के अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहेंगे। इस दौरे के दौरान मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा जिले के विकास कार्यों की समीक्षा भी करेंगे।

- **ग्रामीण समस्या समाधान शिविर का अवलोकन करेंगे सीएम**

तीन बूथ लेवल अधिकारी निलम्बित

टोंक, (निसं)। विधानसभा क्षेत्र टोंक (96) में कार्य में लापरवाही बरतने, कर्तव्य पर उपस्थित नही होने व आदेशों की अवहेलना करने के कारण तीन बूथ लेवल अधिकारी को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी, उपखण्ड अधिकारी टोंक हुक्मीचन्द रोहलानिया ने निलम्बित कर दिया।

उपखण्ड अधिकारी टोंक ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र टोंक में नव सृजित मतदान केन्द्रो पर नियुक्त किये गये 3 बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा कर्तव्य पर उपस्थित नहीं होने पर राजकीय दरबार उमावि टोंक के सहायक प्रशासनिक अधिकारी सौरभ जैन, राउमावि मालियों की झोपड़िया मेहन्दवास के कनिष्ठ सहायक लोकेश झारोटिया व राउप्रावि शुक्लपुरा हथोना प्रबोधक इसरार अहमद को निलम्बित किया गया है। निलम्बन उपरान्त तीनों कार्मिकों का मुख्यालय तहसील कार्यालय टोंक रखा गया है।

160 करोड़ की ऑनलाइन ठगी का पर्दाफाश, आरोपी को गुजरात से पकड़ा

बदमाश को पकड़ने के लिए पांच पुलिसकर्मी सिर पर साफा और पगड़ी पहनकर शादी में पहुंचे थे

- दोस्त की शादी के बाद विदेश भागने वाला था बदमाश, लोगों को झांसे देकर 450 से ज्यादा फर्जी बैंक खाते खुलवाए
- दूसरे साथी इलेश पटेल उर्फ निलेश कलाल को पुलिस ने सागवाड़ा में उसके घर से दबोचा

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर पुलिस ने देशभर में 160 करोड़ की ऑनलाइन ठगी के रैकेट का भंडाफोड़ किया है। लोगों को झांसे में लेकर 450 लोगों के फर्जी खाते खुलवाने वाले शातिर बदमाश कौशल कुम्हार को गुजरात के दाहोद में एक मैरिज गार्डन से दबोचा। उसे पकड़ने के लिए 5 पुलिसकर्मी सिर पर साफा और पगडी पहनकर शादी में पहुंचे थे। दूसरे साथी इलेश पटेल उर्फ निलेश कलाल को सागवाडा में उसके घर से दबोचा। इन दोनों आरोपियों ने फर्जी खाते खुलवाकर दुबई बैठे 3 शातिर ठगों को दिए। दुबई और जॉर्जिया बैठे ठगों ने देशभर में 160 करोड़ रुपए ठगी की वारदात को अंजाम दिया। यह शातिर ठग देश से बाहर दुबई में बैठे हैं। ऐसे में विदेशों में बैठे महाठगों को पकड़ने के लिए पुलिस मुख्यालय से संपर्क कर प्रयास किए जा रहे हैं। डूंगरपुर साइबर सेल की एक स्पेशल टीम जिसमें 5 पुलिसकर्मी शामिल थे, ये सभी शेरवानी, सिर पर साफा और पगड़ी पहनकर गुजरात के दाहोद लिमडी में एक बारात में पहुंचे। वहां शातिर ठग कौशल कुम्हार को दबोच लिया।

जिला पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने बताया कि सायबर ठगी की जांच के दौरान एक शातिर आरोपी कौशल कुम्हार के गुजरात में एक शादी समारोह में जाने की सूचना मिली। इस पर साइबर सेल की एक स्पेशल टीम को गुजरात के लिए भेजा। आरोपी कौशल गुजरात के दाहोद लिमडी में एक दोस्त की शादी में था। कौशल कुम्हार को वहां देखते ही पुलिस ने उसे दबोच लिया। पुलिस को देखते ही कौशल और बारातियों के होश उड़ गए। जिला पुलिस अधीक्षक ने बताया कि कौशल भी अपने दूसरे साथियों की तरह शादी के बाद विदेश भागने के फिराक में था। पुलिस ने उससे पूछताछ की तो उसने अपने साथ इलेश पटेल उर्फ निलेश कलाल निवासी सागवाड़ा के बारे में बताया। पुलिस ने भी उसे पकड़ लिया। कौशल कुम्हार और इलेश पटेल ने पुलिस को बताया कि दोनों मिलकर देशभर में लोगों को झांसे में लेकर 450से ज्यादा फर्जी बैंक खाते खुलवाए हैं। ये बैंक खाते उन्होंने विदेश दुबई में बैठे महाठग साथी घनश्याम, वरुण और उपेंद्र को दिए। उन्होंने दुबई में बैठकर देशभर में लोगों से 160 करोड़ रुपए से ज्यादा की ठगी की वारदातों को अंजाम दिया है। इनका एक साथी जॉर्जिया में है। एसपी मनीष कुमार ने गुजरात में कार्रवाई करने वाली डूंगरपुर साइबर सेल की स्पेशल टीम को सम्मानित भी किया।

एसपी ने बताया कि आरोपी कौशल कुम्हार डूंगरपुर के एक प्राइवेट बैंक में नौकरी करता था। वह बैंक खाते खुलवाता था। शहर में सार्वजनिक जगहों पर, कॉलेज के सामने और सडक किनारे केनोपी लगाकर बैंक खाते खुलवाए। इलेश पटेल उर्फ निलेश कलाल भी बैंक के खाते खुलवाने का ही काम करता था। गरीब, मजदूर और स्कूल कॉलेज के छात्रों को सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलानेए पेन कार्ड बनवाने, छात्रवृत्ति का झांसा देकर उनके डॉक्यूमेंट ले लिए। इसमें सबसे ज्यादा कॉलेज छात्र छात्राओं के खाते खुलवाए। उनके नाम से इंडसइंड बैंक एचडीएफ सी बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, स्टेट बैंक, बैंक ऑफ बडौदा ओर अन्य कई बैंकों में फर्जी खाते खुलवाए। जिनसे बाद में ऑनलाइन फर्जी लेनदेन हुआ। खुद बैंककर्मी होने का फायदा उठाकर उनके खाते के चेक बुक, एटीएम कार्ड भी अपने पास रख लिए।

एसपी ने बताया कि इलेश और कौशल ने लोगों को झांसे में लेकर बैंक खाते खुलवाकर अपने साथी घनश्याम कलाल निवासी सीमलवाडा, वरुण कलाल निवासी पीठ, उपेन्द्र कलाल निवासी मोदर-बिछीवाडा और डैनी पुत्र नटवर लाल निवासी अहमदाबाद को दिए। घनश्याम, वरुण और उपेंद्र तीनो अभी दुबई में है, जबकि डेनी नटवरलाल अभी जॉर्जिया में है। चारों ने मिलकर लोगों के खातों में करोडों के ठगी का खुलासा हुआ है।

कांग्रेस नेता पर हमले के मामले में पूर्व मंत्री का बेटा गिरफ्तार

- पूर्व मंत्री हेमसिंह भड़ाना के बेटे सुरेंद्र भड़ाना सहित दो साथियों को गिरफ्तार किया
- गुरुवार को संदीप ओला के साथ मारपीट की गई थी

अलवर, (निसं)। अलवर में कांग्रेस नेता एवं यूथ कांग्रेस पदाधिकारी संदीप ओला पर हुए हमले के मामले में शिवाजी पार्क थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी की है। पुलिस ने शुक्रवार को पूर्व मंत्री हेमसिंह भड़ाना के बेटे सुरेंद्र भड़ाना सहित उसके दो साथियों को गिरफ्तार किया है।

मामला शिवाजी पार्क थाना क्षेत्र का है, जहां गुरुवार को संदीप ओला के साथ मारपीट की गई थी। पीड़ित ने आरोप लगाया था कि सुरेंद्र भड़ाना सहित 10 से 15 युवकों ने लाठी-डंडों से हमला किया था। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। पुलिस को दी रिपोर्ट में पीड़ित ने बताया था कि गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे वह हसन खां मेवात नगर स्थित एक चाय की दुकान पर चाय पी रहा था।

इसी दौरान सचिन पटेल निवासी तिजारा फाटक का फोन आया, जिसने मिलने की बात कही। संदीप ने उसे चाय की दुकान पर बुला लिया। कुछ देर बाद सचिन पटेल 5-6 बाइकों पर सवार 10-15 युवकों के साथ वहां पहुंचा, तभी सुरेन्द्र भड़ाना भी एक कार से मौके पर आया। आरोप है कि सुरेन्द्र भड़ाना ने संदीप से दो हजार रुपए मांगे। इनकार करने पर आरोपियों ने उसका मोबाइल फोन छीन लिया और फोन-पे का पासवर्ड पूछने लगे। उसने पासवर्ड बताने से मना किया, तो आरोपियों ने उसका मोबाइल तोड़ दिया और उसकी जेब से एक हजार रुपए निकाल लिए।

विरोध करने पर सुरेन्द्र, अज्जू खान निवासी किशनगढ़, नत्थू खटीक, सचिन पटेल और सचिन गुर्जर सहित 7-8 युवकों ने लाठी-डंडों से उसके साथ मारपीट कर दी। जिससे वह बेहोश हो गया, जिसे राहगीरों ने अस्पताल पहुंचाया। उसके नाक, घुटने, हाथ व कमर पर चोटें आई हैं।

हादसे में घायल युवक की मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। एनएच 158 पर अंटाली मोड़ के पास बुधवार को एक सड़क हादसे में घायल युवक शैतान सिंह ने एमजी हॉस्पिटल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। मांडल थाना प्रभारी रोहिताश्व ने बताया कि शैतान सिंह बाइक पर सवार होकर जा रहे थे, जब तेज रफ्तार कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में शैतान सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें तुरंत एमजी हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनकी जान बचाने का प्रयास किया, लेकिन चोटों की गंभीरता के कारण वे बच नहीं सके। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। मांडल थाना प्रभारी ने बताया कि एनएच 158 पर वाहनों की तेज गति और लापरवाही से हादसे बढ़ रहे हैं। उन्होंने लोगों से सावधानी बरतने और स्पीड लिमिट का पालन करने की अपील की। पुलिस जांच जारी है।

पंजाब नैशनल बैंक pnb punjab national bank

अंचल कार्यालय - जयपुर

निविदा आमंत्रण

नेहरु प्लेस बिल्डिंग जोनल ऑफिस जयपुर में स्थापित फायर डिटेक्शन, फायर अलार्म सिस्टम, पब्लिक एड्रेस, फायर फाइटिंग सिस्टम, स्प्रिंकलर सिस्टम सहित संचालन और रखरखाव (गैर-व्यापक) के लिए वार्षिक रखरखाव अनुबंध के लिए निविदा। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) नेहरु प्लेस बिल्डिंग जोनल ऑफिस जयपुर 302015 में फायर डिटेक्शन, फायर अलार्म सिस्टम, पब्लिक एड्रेस, फायर फाइटिंग सिस्टम, स्प्रिंकलर सिस्टम की 24 घंटे की व्यवस्था सहित संचालन और रखरखाव (गैर-व्यापक) के लिए वार्षिक रखरखाव अनुबंध के लिए ऑनलाइन निविदाएं (GeM पोर्टल पर दो बोली प्रणाली) उन बोलीदाताओं से आमंत्रित करता है जो निविदा दस्तावेजो में उल्लिखित पात्रता मानदंडों को पूरा करते हैं। पात्रता मानदंड, नियम और शर्तें, उपकरण पैनलबद्ध दस्तावेज़ में उल्लिखित हैं। इच्छुक बोलीदाता अपना आवेदन निर्धारित प्रपत्र पर GeM पोर्टल पर निविदा संख्या BID NO: GEM/2025/B/7021866 के साथ 02.01.2026 को 1200 बजे तक या उससे पहले जमा कर सकते हैं। निविदा दस्तावेज़ GeM पोर्टल से डाउनलोड किया जा सकता है https://gem.gov.in

उप महाप्रबंधक

घरेलू विवाद में पत्नी ने पति की हत्या की

- घटना के बाद आरोपी महिला ने कुएं में कूदकर आत्महत्या का प्रयास किया
- आरोपी महिला की मानसिक स्थिति ठीक नहीं बताई जा रही है

रावतभाटा, (निसं)। रावतभाटा थाना क्षेत्र के थमलाव गांव में शुक्रवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई। पारिवारिक मामले को लेकर हुई कहासुनी के दौरान पत्नी ने अपने पति पर कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ वार कर उसकी हत्या कर दी। मृतक की पहचान मोहन गुर्जर (40) पुत्र कजोड़ गुर्जर निवासी थमलाव के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि मोहन गुर्जर काफी समय से बीमार चल रहा था, उसके दो बेटे हैं।

रावतभाटा पुलिस उपाधीक्षक शंकरलाल मीणा एवं रावतभाटा थानाधिकारी रायसल सिंह शेखावत ने बताया कि आरोपी महिला की मानसिक स्थिति ठीक नहीं बताई जा रही है। विवाद के दौरान आरोपी पत्नी लाड़ बाई ने पति की गर्दन पर कुल्हाड़ी से वार किए, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी महिला ने कुएं में कूदकर आत्महत्या का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीणों ने तुरंत रस्सी की मदद से उसे कुएं से बाहर निकाल लिया। सूचना मिलने पर पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा और आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस द्वारा आरोपी महिला से पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई हैं। मृतक के शव का पोस्टमार्टम डॉक्टरों के द्वारा किया गया, पोस्टमार्टम के पश्चात शव परिजनो को सौंप दिया गया। घटना के बाद गांव में मातम छाया हुआ हैं।

दिल्ली पुलिस की ड्राइवर भर्ती परीक्षा में नकल करते अलवर में युवक गिरफ्तार

परीक्षा के दौरान ऑनलाइन सिस्टम में कंप्यूटर माउस अपने आप चलने लगा, सवालों के उत्तर स्वतः क्लिक होने पर ऑब्जर्वर ने पुलिस बुलाई

आरोपी युवक

- अभ्यर्थी सुरेंद्र सैनी ने अपने ही गांव के एक युवक के साथ मिलकर नकल की योजना बनाई थी, दोनों के बीच पैसे की डील भी तय हुई थी।
- आरोप है कि परीक्षा से पहले अभ्यर्थी से उसकी फोटो, पहनावे और जूतों तक की जानकारी ली गई थी
- इसके बाद परीक्षा केंद्र में कंप्यूटर सिस्टम को हैक कर बाहरी व्यक्ति द्वारा प्रश्नों के उत्तर डलवाए जा रहे थे

अलवर, (निसं)। अलवर के सदर थाना पुलिस ने एसएससी के माध्यम से आयोजित दिल्ली पुलिस ड्राइवर भर्ती परीक्षा में नकल करते हुए एक अभ्यर्थी को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया अभ्यर्थी बहरोड़ क्षेत्र के बरडोद गांव का रहने वाला सुरेंद्र सैनी है, जो बुधवार को अलवर के चिकानी स्थित एमआईटीआरसी कॉलेज में परीक्षा देने आया था।

जानकारी के अनुसार परीक्षा के दौरान ऑनलाइन सिस्टम में कंप्यूटर का माउस अपने आप चलने लगा और सवालों के उत्तर स्वत: क्लिक होने लगे। इस असामान्य गतिविधि पर परीक्षा कक्ष में मौजूद ऑब्जर्वर को संदेह हुआ। जब ऑब्जर्वर ने अभ्यर्थी से समस्या के बारे में पूछा तो उसने किसी भी परेशानी से इनकार कर दिया। इसके बाद उसे माउस से हाथ हटाने को कहा गया, जिस पर स्पष्ट हो गया कि माउस अपने आप चल रहा है और प्रश्न स्वत: हल हो रहे हैं। ऑब्जर्वर ने तुरंत सदर थाना पुलिस को सूचना दी। इसके बाद अभ्यर्थी की सीट बदलकर उसे दूसरी जगह बैठाया गया। परीक्षा समाप्त होने के बाद पुलिस अभ्यर्थी को थाने ले गई, जहां पूछताछ में कई अहम खुलासे हुए।

सीओ ग्रामीण शिवानी शर्मा ने बताया कि 17 दिसंबर बुधवार को चिकानी स्थित एमआईटीआरसी कॉलेज में एसएससी के माध्यम से दिल्ली पुलिस ड्राइवर पद की ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की जा रही थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि अभ्यर्थी सुरेंद्र सैनी ने अपने ही गांव के एक युवक के साथ मिलकर नकल की योजना बनाई थी। दोनों के बीच पैसे की डील भी तय हुई थी। आरोप है कि परीक्षा से पहले अभ्यर्थी से उसकी फोटो, पहनावे और जूतों तक की जानकारी ली गई थी। इसके बाद परीक्षा केंद्र में कंप्यूटर सिस्टम को हैक कर बाहरी व्यक्ति द्वारा प्रश्नों के उत्तर डलवाए जा रहे थे। पुलिस ने आरोपी को तीन दिन के पीसी रिमांड पर लिया है और उससे पूछताछ जारी है। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी ने करीब 7 लाख रुपये में परीक्षा को गलत तरीके से पास कराने की डील की थी।

दो गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। शुक्रवार को थाना क्षेत्र अलीगढ में अवैध बजरी परिवहन करते एक ट्रैक्टर-ट्रोली मय बजरी को जप्त कर आरोपी चालक रामकेश को गिरफ्तार किया गया है। इसी प्रकार थानाधिकारी निवाई के नेतृत्व में गठित टीम ने थाना निवाई में दर्ज प्रकरण एमएमडीआर एक्ट में फरार आरोपी रामराज को गिरफ्तार किया गया है।

MUNICIPAL BOARD, NATHDWARA DIST.- RAJSAMAND

S.No./M.B.Nath/NIT/Const./2025/15718 Date : 17-12-2025

Notice Inviting Bid

Bids for different works Nit No. 48/2025-26 of Municipal Board Nathdwara are invited from interested bidders up to Date 28-12-2025 on 18:00 Hours. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state govt.

UBN No. – 1.- DLB2526SLOB27540

Commissioner
Municipal Board Nathdwara

Raj.Samwad/C/25/16105

कार्यालय नगरपालिका मण्डल सांभर लेक, जिला-जयपुर

क्रमांक/न.पा.सां./निर्माण शाखा/2025-26/2247 दिनांकः-18.12.2025

ई-बोली सूचना (17/2025-26)

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की औंर से निम्न कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में नगर पालिका सांभरलेक में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदको एवं विभिन्न अभियान्त्रिकी विभाग के संबंधित श्रेणी "A"AA" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं स्वायत्त शासन विभाग में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदको से, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो, उनके निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रकिया हेतु ऑन-लाईन बोली आमंत्रित की जाती है, बोली फार्म एवं ई-बोली से सम्बन्धित विवरण व शर्ते वेब साईट www.sppp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB Code:- DLB2526WSOB27605, 27606, 27607, 27608

राज.संवाद/सी/25/16165 अध्यक्ष अधिशाषी अधिकारी

बाघिन सुल्ताना नन्हे शावक के साथ नजर आई

रणथंभौर अभयारण्य में मशहूर बाघिन सुल्ताना नन्हें शावक को मुंह में दबाकर जंगल की ओर ले जाती नजर आई।

सवाईमाधोपुर, (निसं)। सवाईमाधोपुर स्थित विश्व प्रसिद्ध रणथंभौर अभयारण्य घूमने आने वाले पर्यटकों, वन विभाग के लिए शुक्रवार को एक खुशी की खबर सामने आई।

शुक्रवार प्रातः रणथंभौर अभयारण्य में मशहूर बाघिन सुल्ताना मिश्रदर्रा गेट के पास अपने नन्हें शावक को मुंह में दबाकर जंगल की ओर ले जाती नजर आई जिससे वन्य जीव प्रमियों में खुशी की खबर दौड़ गई। वन विभाग ने एहतियात बतौर कुछ देर के लिए गणेश मन्दिर मार्ग को बन्द किया था। बाघिन सुल्ताना का अपने शावकों के साथ जंगल की ओर रुख होने पर खोला मार्ग खोला गया। रणथंभौर के डीएफओ मानस सिंह ने यह जानकारी दी। बाघिन सुल्ताना व शावकों की लगातार मोनिटरिंग की जा रही है।

10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं का टाइम टेबल घोषित

- 10वीं की परीक्षा 12 फरवरी से 28 फरवरी तक आयोजित होगी, वहीं 12वीं की परीक्षा 12 फरवरी से 11 मार्च तक होगी

अजमेर, (निसं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं का टाइम टेबल घोषित कर दिया है। 10वीं की परीक्षा 12 फरवरी से 28 फरवरी तक आयोजित होगी। वहीं 12वीं की परीक्षा 12 फरवरी से 11 मार्च तक होगी। परीक्षा में कुल 19 लाख 86 हजार 422 परीक्षार्थी भाग लेंगे।

बोर्ड सचिव गजेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि इन परीक्षाओं के दौरान करीब 6 अवकाश रहेंगे, जिसमें चार रविवार और दो अवकाश होली और धुलण्डी के रहेंगे। उन्होंने बताया कि परीक्षा के लिए 19 लाख 86 हजार 422 परीक्षार्थी पंजीकृत किए गए हैं। इनमें सैकण्डरी के 10 लाख 68 हजार 610, सीनियर सैकण्डरी के 9 लाख 5 हजार 872 परीक्षार्थी शामिल है। वरिष्ठ उपाध्याय के 4123 और प्रवेशिका के 7817 परीक्षार्थी है। कुल 6193 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। सचिव ने बताया कि सुरक्षा को लेकर पुख्ता बंदोबस्त किए गए हैं। प्रश्न पत्र पुलिस थानों और चौकियों में रखे जाएंगे। सेंटर पर नकल ना हो इसे लेकर सीसीटीवी से निगरानी रखी जाएगी। साथ ही वीडियोग्राफी भी होगी। बोर्ड ने संवेदनशील और अति संवेदनशील परीक्षा केन्द्र चिन्हित किए है। इसमें विशेष तौर पर वीडियोग्राफी की जाएगी। परिणाम जल्द घोषित करने के प्रयास किए जाएंगे।

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के सफल आयोजन के लिए राज्य स्तरीय उच्चाधिकार प्राप्त परीक्षा समिति की बैठक शासन सचिव स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। शिक्षा संकुल में आयोजित बैठक में गृह विभाग, शिक्षा विभाग एवं सामान्य प्रशासन विभाग से संबंधित प्रमुख बिंदुओं, कानून व्यवस्था, प्रश्न-पत्रों के सुरक्षित वितरण व उनकी परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा, जिला स्तरीय परीक्षा संचालन समितियों का गठन व परीक्षा संचालन के लिए रेस्मा कानून आदि बिंदुओं पर चर्चा की गई। इसके साथ ही अति संवेदनशील परीक्षा केंद्रों पर अनुचित साधनों की रोकथाम के लिए विशेष व्यवस्थाओं पर बात की गई।

शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने परीक्षाओं को पारदर्शी बनाए रखने के लिए प्रश्न पत्र केंद्रों की पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने व एकल केंद्र बनाने से यथासंभव बचने के लिए कहा। साथ ही उन्होंने गत वर्षों के परिणाम के आंकड़ों की समीक्षा कर इसके आधार पर केंद्रों की सुरक्षा रणनीति बनाने के निर्देश दिए। बैठक में एडीजी एसओजी वीके सिंह, संयुक्त सचिव गृह विभाग मनीष गोयल, प्रशासक माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान शक्ति सिंह राठौड़, सचिव माध्यमिक शिक्षा बोर्ड गजेन्द्र सिंह राठौड़, अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक द्वितीय अशोक कुमार मीना, डीजी होमगार्ड के प्रतिनिधि बादोराव मीणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। निदेशक माध्यमिक शिक्षा सीताराम जाट बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए।

स्वास्थ्य परीक्षण के लिए तिथि निर्धारित

अजमेर, (निसं)। कॉन्स्टेबल लिखित भर्ती परीक्षा एवं शारीरिक दक्षता परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण की तिथि निर्धारित की गई है। निर्धारित तिथि को समस्त अभ्यर्थी सभी दस्तावेजों की मूल प्रति एवं स्वयं द्वारा प्रमाणित एक-एक छायाप्रतियों सहित परीक्षण स्थल पर उपस्थित होंगे। 11वीं बटालियन आरएसी के कमाण्डेन्ट केवल राम ने बताया कि आरएसी के लिए चयनित अभ्यर्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण 22 और 23 दिसम्बर को एवं दस्तावेज सत्यापन 24 दिसम्बर को रियर मुख्यालय नारेली में किया जाएगा। इसके लिए चयनित अभ्यर्थी आवेदन पत्र की प्रति, लिखित परीक्षा प्रवेश पत्र, पीईटी अथवा पीएसटी प्रवेश पत्र एवं समस्त दस्तावेज सहित रविवार 21 दिसम्बर को सायं 5 बजे तक समस्त अभ्यर्थी 11वीं बटालियन रियर मुख्यालय नारेली पर उपस्थित होंगे। इसी प्रकार जीआरपी पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र सिंह ने बताया कि जीआरपी के लिए चयनित अभ्यर्थियों का बायोमेट्रिक सत्यापन, स्वास्थ्य परीक्षण, दस्तावेज एवं चरित्र सत्यापन का कार्य 26 दिसंबर को प्रात: 6 बजे जीआरपी लाइन कचहरी रोड अजमेर में होगा।

नगर निगम जोधपुर

क्रमांकः- 2512 दिनांकः- 18.12.2025

:: अल्पकालीन ई- निविदा सूचना ::

(UB NO. DLB2526WSOB27564)

नगर निगम जोधपुर की ओर से विभिन्न सिविल कार्यो हेतु ऑनलाईन ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा से संबंधित कार्यो की विस्तृत जानकारी, निविदा की शर्ते आदि http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in एवं https://lsg.rajasthan.gov.in/mcjs पर देखी जा सकती है।

आयुक्त
नगर निगम जोधपुर

राज.संवाद/सी/25/16153

कार्यालय नगर परिषद बारां (राज.)

nagarpalikabaran@gmail.com स्टेशन रोड, बारां Phone : 07453-230106

क्रमांक : नपबा/निर्माण/2025/8643-44 दिनांक : 18.12.2025

ई-टेण्डर सूचना संख्या : निर्माण 80/2025-26

नगर परिषद बारां द्वारा राजस्थान सरकार के अभियांत्रिकी विभागो में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको अथवा पीडब्ल्यूएफएआर रूल्स के अन्तर्गत पात्र संवेदको से विभिन्न निर्माण कार्यो के लिये निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है। संवेदक निविदा प्रपत्र व विवरण पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in, पर देखें। कार्यो की लागत 5.34 लाख रूपये से 37.06 लाख रूपये तक है तथा UBN No. निम्नानुसार है :-

1. DLB2526WSOB27527, 2. DLB2526WSOB27528, 3. DLB2526WSOB27529, 4. DLB2526WSOB27530, 5. DLB2526WSOB27532, 6. DLB2526WSOB27533, 7. DLB2526WSOB27534, 8. DLB2526WSOB27535, 9. DLB2526WSOB27537

आयुक्त
नगर परिषद बारां

राज.संवाद/सी/25/16149

Estate Officer
Rajasthan University of Veterinary and Animal Science (Jobner)

क्रमांक :- EO/RUVAS/2025/72 दिनांक :- 18/12/2025

ई - निविदा सूचना संख्या 03/2025-26

राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, जोबनेर की ओर से विश्वविद्यालय में विभिन्न स्थानों पर निर्माण कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी में, इस विश्वविद्यालय में एवं अन्य विश्वविद्यालयों में, राज्य सरकार एवं राज्य सरकार के अधिकृत संगठनों तथा केन्द्र सरकार व केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों, जो कि राज्य सरकार के उपयुक्त श्रेणी के समकक्ष हो, पंजीकृत संवेदकों से ई-टेन्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में ऑन लाईन निविदा प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विरण वेबसाईट www.dipr.rajasthan.gov.in/tenders.asp, www.ruvasjaipur.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

निविदा आवेदन डाउनलोड करने की तारीख	18.12.2025 सांय 5.00 बजे से
निविदा जमा कराने की तारीख	29.12.2025 सांय 5.00 बजे तक
निविदा खोलने की तारीख	30.12.2025 प्रातः 11.00 बजे

UBN No. : RVJ2526WSOB00010

UBN No. : RVJ2526WSOB00011

सम्पदा अधिकारी
रूवास (जोबनेर) जयपुर

राज.संवाद/सी/25/16124

तस्कर गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मंगरोप थाना पुलिस ने डोडा-चूरा तस्करी के आरोपी को गिरफ्तार किया। चित्तौड़गढ़ से पकड़े गए आरोपी कालू अहीर ने ही गत दिनों हमीरगढ़ थाना पुलिस को ट्रक से जब्त 20 किलो डोडा-चूरा की सप्लाई की थी।

मंगरोप थाना प्रभारी विजय मीणा ने गहन जांच के बाद कालू को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कालू अहीर डोडा-चूरा की बड़े पैमाने पर तस्करी में लिप्त था। हमीरगढ़ पुलिस ने ट्रक चेकिंग के दौरान 20 किलो डोडा-चूरा बरामद किया था, जिसकी सप्लाई का खुलासा होने पर मंगरोप पुलिस सक्रिय हो गई। थाना प्रभारी विजय मीणा ने बताया कि आरोपी से पूछताछ जारी है और उसके अन्य साथियों की तलाश की जा रही है।

अलवर में विवाहिता की मौत, दहेज के लिए हत्या का आरोप लगाया

- पीहर वालों का आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल वाले ट्रैक्टर की मांग कर रहे थे, ससुराल पक्ष ने सभी आरोपों को निराधार बताते हुए कहा है कि बहू को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया

अलवर, (निसं)। अलवर में विवाहिता की मौत पर पीहर पक्ष ने दहेज हत्या और प्रताड़ना का आरोप लगाया है। पीहरवालों का आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल वाले ट्रैक्टर की मांग कर रहे थे। दहेज के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान करते रहे थे। परिजनों ने इसे दहेज हत्या बताते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है।

मामला बगड़ तिराहा थाना क्षेत्र का है। चोरोटी गांव निवासी निक्की (27) की गुरुवार को मौत हुई थी। जिला हॉस्पिटल में शुक्रवार को पोस्टमॉर्टम करवाया गया। इस दौरान पीहर और ससुराल पक्ष के लोग मौजूद रहे। डीएसपी पिंटू कुमार ने बताया कि पीहर पक्ष की रिपोर्ट पर दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। एक सीसीटीवी में महिला कपड़े धोते समय फिसलकर घिरती नजर आई है। उसकी भी जांच की जा रही है।

महिला के चाचा साधुराम ने बताया कि भतीजी निक्की की 2021 में चोरोटी गांव के रनहे वाले मनोज से शादी हुई थी। निक्की की एक बहन प्रियंका की भी शादी इसी परिवार में हुई है। मृतका निक्की के परिवार का आरोप है कि शादी के बाद से ही उनकी दोनों बेटियों को दहेज के लिए परेशान किया जा रहा है।

वहीं ससुराल पक्ष से चाचा ससुर दीपचंद ने सभी आरोपों को निराधार बताते हुए कहा है कि बहू को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया। उनका कहना है कि जो भी सच है, वह जांच के बाद सामने आ जाएगा। सीसीटीवी फुटेज में महिला कपड़े धोते समय फिसली है। जो दिख भी रहा है।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

प्रायोगिक परीक्षा 2026 बाबत् परीक्षार्थियों, विद्यालयों एवं परीक्षकों को आवश्यक निर्देश

1. उच्च माध्यमिक परीक्षा 2026 के नियमित परीक्षार्थियों की प्रायोगिक परीक्षाएं 01 जनवरी 2026 से 20 जनवरी, 2026 तक तथा स्वयंपाठी परीक्षार्थियों की प्रायोगिक परीक्षाएं 25 जनवरी 2026 से 31 जनवरी, 2026 के मध्य सम्पादित होगी।
2. प्रायोगिक परीक्षा से संबंधित विद्यालयों की सामग्री यथा उत्तर-पुस्तिकाएँ, ग्राफ पेपर, ड्रॉईंग शीट्स आदि बोर्ड द्वारा बनाये वितरण केन्द्रों पर भिजवाई जा रही है। शाला प्रधान इन केन्द्रों से प्रायोगिक परीक्षा सामग्री प्राप्त कर ले।
3. विद्यालयों में विषयवार नियुक्त बाह्य परीक्षकों की सूची, नामावली (रोल नं.) तथा प्रायोगिक परीक्षा के अनुदेश आदि बोर्ड वेबसाईट पर अपलोड किये जायेंगे, जिसे शाला प्रधान अपनी ID पासवर्ड से प्रिन्ट कर ले। इसके अतिरिक्त परीक्षा सम्बन्धित आवश्यक सूचनायें भी समय-समय पर बोर्ड वेबसाईट https:rajeduboard.rajasthan.gov.in पर अपलोड की जायेगी। अतः सभी शाला प्रधान विशेष कर परीक्षा अवधि के दौरान नियमित रूप से बोर्ड वेबसाईट का अवलोकन करें।
4. बोर्ड द्वारा नियुक्त बाह्य परीक्षकों को नियुक्ति की सूचना उनके पंजीकृत मोबाइल पर SMS से भिजवाई जायेगी। परीक्षकों को लॉगिन करने पर उन्हें आवंटित विद्यालयों की सूची व नियुक्ति पत्र की सूची प्राप्त होगी।
5. समस्त बाह्य परीक्षकों को प्रतिदिन संबंधित विद्यालय में ली जा रही प्रायोगिक परीक्षा की फोटोग्राफ लेकर बोर्ड की ई-मेल आईडी bserpracticalgpsimages@gmail.com पर अनिवार्यत: प्रेषित करनी होगी।
6. प्रायोगिक परीक्षा के दौरान विद्यालय में नियत तिथि को अनुपस्थित रहने वाले परीक्षार्थी की परीक्षा उसी परीक्षक द्वारा उसी विद्यालय में लिए जा रहे अन्य बैच में शाला प्रधान की विशेष अनुमति से कराई जा सकेगी। किसी भी स्थिति में अन्य परीक्षक अथवा अन्य विद्यालय में परीक्षा की अनुमति नहीं दी जाएगी तथा परीक्षार्थी को अनुपस्थित मानकर परिणाम जारी कर दिया जाएगा। जिसके लिये शाला प्रधान एवं परीक्षार्थी स्वयं जिम्मेदार रहेंगे।
7. स्वयंपाठी परीक्षार्थियों की प्रायोगिक परीक्षाओं की सूचना एवं प्रवेश पत्र बोर्ड की वेबसाईट पर प्रायोगिक परीक्षा के एक सप्ताह पूर्व अपलोड किये जायेंगे। स्वयंपाठी परीक्षार्थी अपना प्रवेश-पत्र डाउनलोड कर परीक्षा में प्रविष्ठ हो सकेंगे।
8. प्रायोगिक परीक्षा हेतु परीक्षा प्रारम्भ से परीक्षा समाप्ति तक बोर्ड की गोपनीय शाखा में स्थापित नियंत्रण कक्ष दूरभाष सं.0145-2620739,2623776, व तकनीकी समस्या (आई.टी. संबंधित) के समाधान हेतु 0145-2632865, 2627454 ई-मेल bserconf2018@gmail.com पर सम्पर्क किया जा सकता है। जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक पर भी नियंत्रण कक्ष उक्त अवधि में कार्यरत रहेगा।
9. शाला प्रधान एवं नियुक्त बाह्य परीक्षकों हेतु प्रायोगिक परीक्षा से संबंधित विस्तृत जानकारी/दिशा निर्देश बोर्ड की वेबसाईट https:rajeduboard.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध करायें जा रहे हैं।

सचिव

सार-समाचार

दरगाह में गंदा पानी जाने से समाज के लोगों ने किया विरोध

राजलदेसर (निसं)। रेलवे फाटक के पास मुस्लिम समाज की दरगाह में गंदा पानी जाने के कारण समाज के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया इस अवसर पर कांग्रेस नगर अध्यक्ष जब्बार खोकर, मोहम्मद शरीफ छिपा, अब्दुल सत्तार , फारूक, मुस्लिम समाज के जिला उपाध्यक्ष अशफाक बगड़, जाकिर, अयूब, पार्षद नवाब अली आदि समाज के व्यक्तियों ने नगर पालिका को चेताते हुए कहा कि 7 दिन के अंदर अगर समस्या का समाधान नहीं हुआ तो यहां पर बड़ा आंदोलन किया जाएगा अब्दुल सत्तार ने बताया नगर पालिका को बार-बार अवगत कराने के बावजूद भी किसी तरह की कोई सुनवाई नहीं हो रही है इसलिए मजबूरन हमें आंदोलन करना पड़ेगा

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच का भव्य स्वागत

झुंझुनूं, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी में फिर से प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच की नियुक्ति के बाद प्रथम बार गृह जिले में पधारने पर ढूकिया आवास पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्यारेलाल ढूकिया के सानिध्य में दयानंद ढूकिया, लालचंद ढूकिया, रणजीत ढूकिया, संदीप ढूकिया, इंजी. पीयूष ढूकिया, मधुर ढूकिया द्वारा 51 किलो का पुष्पहार, साफा व दुपट्टा पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। मुकेश दाधीच ने कहा कि मैं प्रदेश में पार्टी हित में सेवा दे रहा हूं, इसी प्रकार प्यारेलाल ढूकिया ने पार्टी में काफी सराहनीय कार्य किए है। मैं सदैव आपके साथ पार्टी हित के लिए हर कार्य के लिए तत्पर रहूंगा। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय परिषद सदस्य विश्वंभर पूनियां, भाजपा जिला महामंत्री एडवोकेट सरजीत चौधरी, भाजपा शहर अध्यक्ष कमलकांत शर्मा, भाजपा जिला मंत्री महेंद्र चंदवा, भाजपा जिला महामंत्री योगेंद्र मिश्रा, भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सरोज श्योराण, भाजपा सोशल मीडिया प्रभारी चंद्रप्रकाश शुक्ला, सौरभ सोनी, मंडल अध्यक्ष अमित व्यास, अजय रांगेरा, मुकेश दूत, जगमेंद्र धायल, भगवानाराम पूनियां, हरलालसिंह मोगा, प्रहलाद जाखड़, महावीर मील, सज्जन कोठारी, राजेश कोठारी, मनोज कालेर, नागरमल तेतरवाल, रामचंद्र तेतरवाल, संदीप शर्मा, बाबूलाल सैनी, विनोद पुजारी, चिरंजीलाल चैमाल, विजेंद्र थाकन, रामदेव सिंह बड़सरा, अम्मीलाल मोगा, भागीरथ सिहाग, देवकरण सिंह पायल, अरूण कस्वां, नेमीचंद खीचड़, हनुमान पूनियां, राजेश पूनियां, महेश जीनगर, ओमप्रकाश श्योराण, महेंद्र गढ़वाल, पवन चौमाल, प्यारेलाल थाकन, दलीप सिंह शेखावत, हीरालाल शास्त्री, सलीम खान, महावीर सिंह ईसरवाल, अरूण कौशिक, राजेंद्र पूनियां, रविकुमार लांबा, संजय कुमार बुडानियां, रामवतार सिंह शेखावत, जयसिंह किलानियां, ललित जोशी, मनोज शर्मा आदि उपस्थित थे।

सुशासन रथ यात्रा में पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बुहाना, (निसं)। राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सुशासन का संदेश आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित सुशासन (सुराज) यात्रा रथ शुक्रवार को सूरजगढ़ विधानसभा के झांझा, खांदवा, घसेड़ा, देवलवास एवं सांतौर सहित एक दर्जन गांवों में पहुंचा। इस दौरान भाजपा नेताओं ने ग्रामीणों को पॉलीथीन का उपयोग न करने की शपथ दिलाते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सरकार के पॉलीथिन व सिंगल यूज प्लास्टिक बहिष्कार अभियान को सफल बनाने का आव्हान किया। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष व रथ यात्रा प्रभारी सुभाष शर्मा ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अधिक से अधिक पौधारोपण करने तथा पॉलीथिन के स्थान पर कपड़े के थैले के उपयोग करने की अपील की। बुहाना ग्रामीण मंडल बुहाना राजपालसिंह तंवर, भाजपा नेता कृष्ण यादव ने ग्रामीणों को भजनलाल सरकार की उपलब्धियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

गुप्त दानदाता के सौजन्य से जरूरतमंदों को कंबल वितरण

झुंझुनूं, (निसं)। श्री श्याम आशीर्वाद सेवा संस्था के तत्वावधान में गुप्त दानदाता नवलगढ़ निवासी के आर्थिक सौजन्य से इंडाली मोड स्थित बसी झुग्गी झोपड़ियों के जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को किया गया। कंबल वितरण कार्यक्रम में बतौर अतिथि कॉन्ट्रेक्टर राधेश्याम मोरवाल एवं व्यवसायी सुरेश सैनी उपस्थित थे। जिनका श्री श्याम आशीर्वाद सेवा संस्था के ट्रस्टी डॉ. डीएन तुलस्यान एवं सुनील तुलस्यान ने दुपट्टा ओढाकर प्रतीक चिह्न भेंटकर स्वागत अभिनंदन किया। जानकारी देते हुए श्री श्याम आशीर्वाद सेवा संस्था के ट्रस्टी श्रवण केजड़ीवाल एवं परमेश्वर हलवाई ने बताया कि स्थानीय एवं प्रवासी दानदाताओं का लगातार कंबल वितरण में आर्थिक सहयोग मिल रहा है।

गौशाला में गौ माता को खिलाया दलिया, कर्मचारियों को वितरित की मिठाई

राजलदेसर (निसं)। युवा विकास समिति की प्रेरणा से युवा विकास समिति के उपाध्यक्ष मुकेश श्रीमाल श्रीमती मधु श्रीमाल के द्वारा श्री राजलदेसर गौशाला में गौ माता को दलिया खिलाया गया एवं समस्त कर्मचारियों को मिठाई वितरित की गई इसके अलावा पांच जरूरतमंद परिवार को एक महीने की राशन सामठी उपलब्ध करवाई इस अवसर पर गौशाला के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हीरालाल सोनी, मंत्री ललित दाधीच, कोषाध्यक्ष परमेश्वर फोगला, युवा विकास समिति के अध्यक्ष रतनलाल बारूपाल, विनोद भाटिया पंडित ,बृजेश दाधीच, विजय प्रजापत, परमानंद प्रजापत, मदन दाधीच ,राधेश्याम पांडे ,ओमप्रकाश बामणीया, विट्ठल दाधीच, आदि सदस्य उपस्थित थे।

लायंस क्लब रतनगढ़ प्रेरणा ने जरूरतमंदों को बांटे 100 गर्म कंबल

रतनगढ़(निसं)। लायंस क्लब रतनगढ़ प्रेरणा के तत्वावधान में श्री नेतराम कन्हैयालाल बजाज (धुबरी, असम) के आर्थिक सहयोग से जरूरतमंद व्यक्तियों को 100 गर्म कंबल वितरित किए गए। कार्यक्रम में मुख्य सानिध्य एसीजेएम रतनगढ़ श्री अरुण प्रकाश जांगिड़ तथा विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त तहसीलदार श्री गोकुलदान चारण रहे।इस अवसर पर क्लब के पदाधिकारी व सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। क्लब अध्यक्ष संदीप कंदोई ने आगंतुकों का आभार व्यक्त किया, जबकि कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट जयाकांत बिंवाल ने किया।

प्रधान सुवालाल सैनी सहित जनप्रतिनिधियों का सम्मान समारोह आयोजित

पाटन (निसं)। पंचायत समिति पाटन में कार्यकाल पूर्ण होने के अवसर पर पाटन प्रधान सुवालाल सैनी सहित पंचायत समिति सदस्यों एवं जिला परिषद सदस्यों का भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट भागीरथ साख तथा प्रशासक के रूप में नियुक्त एसडीएम राजवीर यादव का भी सम्मान किया गया।सम्मान समारोह का आयोजन सरपंच संघ, पंचायत समिति पाटन एवं पंचायत समिति स्टाफ के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम में प्रधान सैनी को माला, साफा एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने अपने संबोधन में प्रधान सुवालाल सैनी के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उनका सरल, सहज और सभी को साथ लेकर चलने वाला स्वभाव पाटन पंचायत समिति की प्रगति में महत्वपूर्ण रहा।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष का किया स्वागत अभिनंदन

झुंझुनूं, (निसं)। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच का जिले में नियुक्ति के पश्चात प्रथम बार आगमन होने पर जगह जगह स्वागत अभिनंदन विभिन्न कार्यकर्ताओं एवं संस्थाओं की ओर से शुक्रवार को किया गया। इस क्रम में बगड़ रोड स्थित गणेश मंदिर पर भाजपा नेता मुरारी सैनी के सानिध्य में श्री श्याम आशीर्वाद सेवा संस्था की ओर से ट्रस्टी डॉ. डीएन तुलस्यान एवं सुनिल तुलस्यान द्वारा दुपट्टा एवं शॉल ओढ़ाकर प्रतीक चिह्न भेंटकर स्वागत अभिनंदन किया गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में सशक्त प्रयास किए : सहारण

- प्रदेश सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने पर हुआ महिला सम्मेलन, लाभार्थियों को प्रदान किए श्रवण यंत्र,
- राजीविका महिलाओं को प्रदान किए ऋण के चैक, दिव्यांगों को वितरित की स्कूटी

चूरू(निसं)। प्रदेश सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में शुक्रवार को जिला मुख्यालय स्थित टाउन हॉल में महिला सम्मेलन का जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधायक हरलाल सहारण, जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा, बसंत शर्मा सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों ने शिरकत की तथा कार्यक्रम में दिव्यांगों को श्रवण यंत्र व स्कूटी वितरित की। इसी के साथ राजीविका महिलाओं को ऋण वितरण के चैक प्रदान किए तथा केक काटकर लाडो का जन्मोत्सव मनाया। जिला स्तरीय कार्यक्रम धौलपुर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम वीसी के जरिए जुड़ा रहा।

कार्यक्रम में विधायक हरलाल सहारण, जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा, बसंत शर्मा सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों ने शिरकत की।

इस अवसर पर विधायक सहारण ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में सशक्त प्रयास किए हैं। प्रदेश सरकार महिला, गरीब, युवा व किसान वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता से काम कर रही है और प्रत्येक क्षेत्र में चहुंमुखी विकास की ओर अग्रसर है। हमारा प्रयास है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक समयबद्ध, पारदर्शी और समुचित ढंग से योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार ने पीएम आवास, हर घर शौचालय, एनएफएसए आदि योजनाओं से प्रत्येक पात्र व्यक्ति को लाभान्वित करने का काम किया है।

जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने प्रदेश सरकार की योजनाओं तथा महिला सशक्तिकरण की दिशा में जिले में किए जा रहे नवाचारों के बारे में जानकारी दी। चंपालाल गेदर ने कहा कि प्रदेश सरकार के प्रयासों से जिले में और प्रदेश में विकास को नई गति मिली है। हमारी सरकार जनता की आवश्यकताओं और सुशासन को केंद्र में रखकर विकास रथों का गांव-गांव तक संचालन कर रही हैं। विजय आचार्य ने कहा कि प्रदेश सरकार ने महिला के उत्थान के लिए समग्र प्रयास किए हैं। इस दौरान निवर्तमान जिला प्रमुख वंदना आर्य, निवर्तमान उप जिला प्रमुख महेन्द्र न्यौल, सीईओ श्वेता कोचर, एसीईओ दुर्गा ढाका, अभिषेक चोटिया, विमला गढ़वाल, ओम सारस्वत, सुरेश सारस्वत, भास्कर शर्मा, सत्तार खान, श्रीराम पीपलवा, मोहन गढ़वाल, नारायण बेनीवाल, दीनदयाल सैनी, नरेंद्र काछवाल, अख्तर खान, मोहन गढ़वाल, नारायण बेनीवाल, सत्येंद्र, नौरंग वर्मा, सुशील लाटा, नरेंद्र सैनी सहित अन्य मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन रवि दाधीच ने किया। लाभार्थियों को वितरित किए श्रवण यंत्र व स्कूटी, राजीविका महिलाओं को ऋण के चेक, लाडो बिटिया का मनाया जन्मोत्सव

इस अवसर पर अतिथियों ने बबलू कस्वां, मुकेश कुमार, तनवीर, पवन कुमार आदि दिव्यांगों को श्रवण यंत्र और 15 दिव्यांगों को स्कूटी व बिमला, दीपचंद व प्रेम चंद को मुख्यमंत्री सहयोग उपहार योजना अंतर्गत चेक प्रदान किये गये। इसी के साथ शिव एसएचजी की ममता, सांई बाबा एसएचजी की बबीता कंवर, शक्ति एसएचजी की चांद कंवर, श्री श्याम जी एसएचजी की प्रेम कुमारी व एकता एसएचजी की सुमन कंवर को ऋण के चेक प्रदान किए।

मंदिर परिसर में हुई चोरी की वारदात

नोहर,(निसं.)। यहां प्राचीन जोहड़ के पास स्थित जुझार जी मंदिर में बीती रात चोरी की वारदात हुई है। इसमें अज्ञात नकाबपोश चोर ने मंदिर में घुसकर न केवल तोड़फोड़ की बल्कि करीब एक दर्जन चांदी के छात्र व सोने के आभूषण चोरी कर ले गया। मिली जानकारी के अनुसार यहां पारीक धर्मशाला के सामने स्थित जुझार जी मंदिर में गुरुवार रात्रि को करीब 10:00 बजे अज्ञात नकाबपोश घुस गया। चोर ने पहले तो बाहर बने कमरे का दरवाजा तोड़कर वहां रखी अलमारी के ताले तोड़े और सामान बिखेर दिया। जब वहां कुछ नहीं मिला तो अज्ञात चोर मंदिर में घुस गया। वहां भी उसने अलमारी के ताले तोड़कर सामान में खोजबीन की।

उसके बाद वह गर्भ गृह में घुसा और वहां बनी छोटी अलमारी को तोड़कर एक डिब्बे में रखे करीब एक दर्जन चांदी के छत्तर चुरा लिए, यही नहीं चोर ने वहां लड्डू गोपाल के कानों में पहनी सोने की बालियां भी चुरा ली। इसके अलावा चढ़ावे के रूप में रखी नगदी लेकर वह फरार हो गया। इससे पूर्व चोर ने घुसते ही मंदिर की लाइट काट दी थी, लेकिन पूरी घटना का सीसीटीवी कैमरे में रिकार्ड हो गई। सुबह जब मंदिर की पुजारी ने पूजा पाठ के लिए मंदिर खोला तो सामान बिखरा देख उसने संचालन समिति को इसकी सूचना दी। इसके बाद मौके पर पहुंचे मंदिर कमेटी के पदाधिकारियों व श्रद्धालुओं ने पुलिस को सूचना दी।

युनिसेफ व अर्पण संस्थान के तत्वावधान में टीकाकरण जागरूकता कार्यशाला आयोजित

- आरसीएचओ डॉ. राजेश गुप्ता ने कहा कि नियमित टीकाकरण बच्चों के स्वास्थ्य के लिए सुरक्षा कवच के समान है

चूरू(निसं)। जिला मुख्यालय पर पंचायत समिति सभागार में नियमित टीकाकरण जीरो डोज पर शुक्रवार को आमुखीकरण कार्यशाला आयोजित की गई। अर्पण सेवा संस्थान युनिसेफ की ब्लॉक समन्वयक रमा शर्मा ने सभी का स्वागत करते हुये कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आरसीएचओ डॉ. राजेश गुप्ता, एडिशनल सीएमएचओ डॉ. अहसान गौरी, बीसीएमओ डॉ. शशांक चौधरी थे।

कार्यक्रम के अति विशिष्ट अतिथि निरंकारी मिशन के शिव भगवान बजाज, अणुव्रत संकल्प श्रृंखला की रचना कोठारी, मदन गोपाल बालान, भाममो अध्यक्ष प्रभा, उषा सैनी, एडवोकेट सद्दाम हुसैन, अमन ट्रस्ट के अध्यक्ष उस्मान अंसारी, पूर्व पार्षद जगदीश मेघवाल, युडब्लूआईएन समन्वयक मालसिंह चारण, डब्ल्यूएचओ ईएम मोहित, गजेन्द्र सिंह बीएचएस, पूर्व पार्षद अनीश खान, प्रवीण कुमार, अशोक कुमार, श्रवण दान व पंकज दर्जी थे। यूनिसेफ के सहयोग से नियमित टीकाकरण और जीरो डोज कार्यक्रम के तहत सभी समुदायों के प्रभावशाली व्यक्तियों की आमुखीकरण कार्यशाला आयोजित की गई।

इस अवसर पर आरसीएचओ डॉ. राजेश गुप्ता ने कहा कि नियमित टीकाकरण बच्चों के स्वास्थ्य के लिए सुरक्षा कवच के समान है। उन्होंने टीकाकरण से जुड़ी भ्रांतियां को दूर करने के लिए जन जागरण की आवश्यकता पर जोर दिया। एडिशनल सीएमएचओ डॉ. अहसान गौरी ने बताया कि समय पर टीकाकरण न होने से बच्चे कई गंभीर बीमारियों के शिकार हो सकते हैं। बीसीएमओ डॉ. शशांक चौधरी ने समुदाय के प्रभावशाली व्यक्तियों से अपील करते हुये टीकाकरण के प्रति सर्व समाज में सकारात्मक माहौल बनाने में सहयोग करें ताकि शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल हो सके। युनिसेफ की प्रतिनिधि अर्पण सेवा संस्थान के जिला समन्वयक सुभाष निर्वाण ने जीरो डोज की परिभाषा और महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जन्म के समय किसी भी बच्चे को टीकाकरण से वंचित न रहने दें और इसके लिए प्रत्येक स्तर पर जागरूकता जरूरी है। कार्यक्रम का संचालन अर्पण सेवा संस्थान युनिसेफ के जिला समन्वयक सुभाष निर्वाण व ब्लॉक समन्वयक रमा शर्मा ने किया।

विशेष प्रदर्शनी का शुभारंभ किया

झुंझुनूं, (निसं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा विधिक सेवा कार्यक्रमों, गतिविधियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की आमजन तक पहुंच के लिए न्याय आपके द्वार-लोक उपयोगिता समस्याओं का सुलभ और त्वरित समाधान 10 नवबंर से 10 फरवरी 2026 तक राजव्यापी विशेष अभियान का शुभारंभ किया गया है। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार चलाए जा रहे न्याय आपके द्वार अभियान के प्रचार-प्रसार के लिए शुक्रवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में जिला एवं सेशन न्यायाधीश दीपा गुर्जर द्वारा विशेष प्रदर्शनी (कैनोपी) का भव्य उद्घाटन किया गया। उद्घाटन के दौरान दीपा गुर्जर ने बताया कि इस अभियान का मुख्य लक्ष्य समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को उसके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना है।

भारतीय जनता पार्टी की सरकार में 2 वर्ष में ऐतिहासिक कार्य हुए : पूर्व मंत्री रिणवा

- सरकार द्वारा अनेकों योजनाएं लागू की गई है जो अंतिम छोर में बैठे व्यक्ति को प्रचार-प्रसार के माध्यम से योजना का लाभ सरकार द्वारा दिलाया जा रहा है

राजलदेसर (निसं)। पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवा राजलदेसर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ प्रदेश सरकार के 2 साल के कार्यकाल के बारे में अवगत कराते हुए कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार के 2 वर्ष में जो ऐतिहासिक कार्य हुए हैं उसकी कोई कल्पना ही नहीं कर सकता उन्होंने कहा सरकार द्वारा अनेकों योजनाएं लागू की गई है जो अंतिम छोर में बैठे व्यक्ति को प्रचार-प्रसार के माध्यम से योजना का लाभ सरकार द्वारा दिलाया जा रहा है साथ ही उन्होंने कहा शेखावाटी में नहर का पानी आने के बाद यहां पर विकास के नए आयाम स्थापित होंगे उन्होंने चिकित्सा व्यवस्था के बारे में अवगत कराते हुए कहा कि मैंने चिकित्सा सचिव से जयपुर में मुलाकात की है सरदारशहर एवं रतनगढ़ राजकीय चिकित्सालय में रिक्त पदों को भरने को लेकर अवगत करवाया भजनलाल सरकार के 2 वर्ष के सफल एवं शानदार कार्यकाल संपन्न होने पर भारतीय जनता पार्टी के पूर्व नगर महामंत्री मदन दाधीच,युवा मोर्चा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष अमितप्रजापत, के नेतृत्व में राजकुमार रिणवा रतनगढ़ पूर्व पालिका अध्यक्ष लीटू कल्पना कांत, युवा नेता विकास रिणवा का साफा ,दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया इस अवसर पर जानकी प्रसाद टेलर , भानी राम प्रजापत, कुलदीप वर्मा, शंकर लाल महावर, कालूराम तंवर, पूरा छात्र संघ महासचिव राकेश शर्मा, कमल, विशाल, परमनाथ, श्याम सुंदर आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राजलदेसर प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता आज से

राजलदेसर (निसं)। युवा भारती स्टेडियम में राजलदेसर प्रीमियर लीग सीजन -3 क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ शनिवार को होगा।

आयोजन समिति के लालचंद पांडे ने बताया कि 20 से 28 दिसंबर तक होने वाली प्रतियोगिता का शुभारंभ शनिवार सुबह नौ बजे होगा। प्रतियोगिता में 16 टीमें भाग लेंगी। विजेता टीम को एक लाख एक हजार रूपए व उप विजेता को 51 हजार रुपए व ट्रॉफी प्रदान की जाएगी।

पर्वतारोहियों के दल को दिया कुमारी ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

- पर्वतारोही दल मे लक्षमनगढ हाल जयपुर निवासी अजय कुमार जांगिड़, सुनील टेलर, पिंटू जांगिड़, पंकज ढाका, अनिल धींगड़ा शामिल थे

लक्ष्मणगढ़ शेखावाटी (निसं)। विंटर टूरिज्म के आव्हान पर जयपुर के पर्वतारोहियों के दल को उत्तराखंड के केदारकंठा ट्रेक के लिए रवाना होने के लिए गुरुवार को उपमुख्यमंत्री दियाकुमारी ने सिटी पैलेस जयपुर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पर्वतारोही दल मे लक्षमनगढ हाल जयपुर निवासी अजय कुमार जांगिड़, सुनील टेलर, पिंटू जांगिड़, पंकज ढाका, अनिल धींगड़ा शामिल थे।इस अवसर पर पर्वतारोही दल के उत्साहवर्धन के विद्याधर नगर विधानसभा के संयोजक राजेन्द्र कारोडिया, वार्ड 12 के अध्यक्ष सुशील शर्मा , कमल जांगिड़, हेमंत , रितिक टेलर, मोहित जांगिड़, करन टेलर, रचित जांगिड़ उपस्थित रहे। दल के प्रवक्ता सुनील टेलर व अजय जांगिड़ ने बताया कि दल द्वारा विगत एक दशक से हिमालय की अनेक दुर्गम एवम बर्फीली चोटियों पर पर्वतारोहण कर तिरंगा फहराया गया है। अभियान दल 19 दिसंबर से ट्रेक्किंग करते हुए 26 दिसंबर को उत्तराखंड के केदारकंठा चोटी पर तिरंगा फहराएगा।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता आई जिला भाजपा कार्यालय

- जिलाध्यक्ष बाटड़ के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

सीकर,(निसं)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता प्रवास पर जिला भाजपा कार्यालय शुक्रवार को आई। जिलाध्यक्ष मनोज बाटड के नेतृत्व में पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने उनको पार्टी का दुपट्टा व फूल मालाएं पहनाकर स्वागत करते हुए अभिनंदन किया। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भाजपा कार्यालय में आने पर पार्टी के संस्थापकों व माँ भारती के चित्र के समक्ष पुष्प अपत किए। जिलाध्यक्ष मनोज बाटड ने पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं का परिचय करवाया। जिला मीडिया संयोजक जितेंद्र माथुर ने बताया कि इस दौरान पूर्व सांसद स्वामी सुमेधानंद सरस्वती, पूर्व विधायक रतनलाल जलधारी, पूर्व जिलाध्यक्ष महेश शर्मा, जिला महामंत्री राजेश रोलन, जिला उपाध्यक्ष नेमीचंद कुमावत, मुख्य प्रवक्ता करण सिंह, श्रीहरि बियाणी, तेजप्रकाश सैनी, विष्णु काबरा, ईश्वर सिंह राठौड़, नीलम मिश्रा आदि मौजूद रहे।

आयुर्वेद वरिष्ठ नर्स, कंपाउंडर पदोन्नित की सूची जारी, सरकार का जताया आभार

झुंझुनूं, (निसं)। आयुष नर्सेज और बेरोजगारों युवाओं की मांग को देखते हुए उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा के निर्देश पर राजस्थान आयुर्वेद विभाग की ओर से शुक्रवार को 183 वरिष्ठ नर्स, कंपाउंडर के पद पर पदोन्नत किए गए कर्मचारियों की सूची जारी की गई है। उप मुख्यमंत्री एवं आयुष मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा के निर्देशन में निदेशालय आयुर्वेद विभाग अजमेर ने राजस्थान आयुर्वेदिक, यूनानी, होम्योपैथिक एवं प्राकृतिक अधिनस्थ सेवा नियमों के अंतर्गत गठित विभागीय पदोन्नित समिति की अभिशंषा पर 122 नॉन टीएसपी और 61 टीएसपी क्षेत्र के कनिष्ठ नर्स, कंपाउंडर को वरिष्ठ नर्स, कंपाउंडर के पदों पर पदोन्नत किया गया है। जिसकी सूची विभागीय वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। निदेशक डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि जारी पदोन्नित सूची में जो कार्मिक सेवानिवृत्त हो चुके हैं। उन्हें छोड़कर शेष सभी पदोन्नत कर्मचारी वर्तमान पदस्थापन स्थान पर तीन दिवस के अंदर पदोन्नित पर कार्यठाहण कर विभाग को सूचित करेंगे। पदोन्नत कार्मिकों के पदस्थापन आदेश अलग से जारी किए जाएंगे। इधर लंबे समय से डीपीसी की मांग कर रहे राजस्थान आयुष नर्सेज संयुक्त संघर्ष समिति के प्रदेश संयोजक धर्मेंद्र फोगाट, राजस्थान बेरोजगार यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष हनुमान किसान और बेरोजगार आयुष नर्सेज युवाओं ने उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा और विभागीय अधिकारियों का आभार जताया है।

गौरतलब है कि हमारे समाचार पत्र ने 15 दिसंबर के अंक में मई से अब तक लगभग सौ दिनों तक बेरोजगार आयुष नर्सेज पहुंचे जयपुर में बैठी सरकार के पास, मिलता रहा आश्वसान मांगें आज भी अधूरी'' नामक शीर्षक से प्रमुखता से खबर प्रकाशित कर आयुष नर्सेज की डीपीसी और नई भर्ती की मांग उठाई थी। जिस पर उसी दिन उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने संज्ञान लेते हुए आयुष नर्सेज की मांग समझी और डीपीसी संपन्न के निर्देश जारी कर दिए थे। जिसके बाद शुक्रवार को सूची जारी कर दी गई है।

नई भर्ती की घोषणा करें सरकार

इधर डीपीसी संपन्न होने के साथ ही लंबे समय से नई भर्ती की मांग कर रहे आयुष नर्सेज बेरोजगार युवाओं का कहना है कि राज्य सरकार रिक्त पदों पर अतिशीघ्र आयुष नर्स कंपाउंडर जूनियर ठोड नई भर्ती की घोषणा करें। जिससे प्रदेश के बेरोजगारों को रोजगार मिल सके।

दहिया ने किया सातवें दिन भी गांवों में जनसंपर्क

चिड़ावा(निसं)। प्रदेश सरकार के ऐतिहासिक दो वर्ष पूर्ण होने पर 15 दिवसीय सुशासन पखवाड़े के अंतर्गत शुक्रवार को सातवें दिन भाजपा नेता राजेश दहिया ने पिलानी विधानसभा की ग्राम पंचायत अरड़ावता, अडूका, डालमिया की ढाणी, सेही कलां, स्वामी सेही में जनसम्पर्क विकास रथ के साथ उपस्थित रहकर सहभागिता की। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार का संकल्प है कि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक उपलब्धियां व जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी (अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका रावतसर) जिला हनुमानगढ़

क्रमांक - न0पा0रा0/कृ0भू0/2025/ दिनांक - 19/12/2025

प्रारूप-10

(नियम 6 (7) देखिए)

लोक सूचना

श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री साल्ह राम जाति मेघवाल साकिन चक 4 आरपी डबली कलां तहसील टिब्बी जिला हनुमानगढ़(राज) ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक आवासीय/व्यवसायिक मिश्रित प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् जिला हनुमानगढ तहसील रावतसर ग्राम का नाम 10 ए एम के प.नं. 163/403(13) क्षेत्रफल किला नं. 6/1(0.0430), 6/2 (0.0840), 15 (0.253), 16 (0.253), 25 (0.253) कुल 0.886 हैक्टेयर यानि 8860 वर्गमीटर इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनो के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 19/12/2025 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी

(अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका रावतसर)

राजस्थान के सुप्रसिद्ध साहित्यकार व कवि लक्ष्मणगढ़ रत्न सम्मान से होगें सम्मानित

लक्ष्मणगढ़ शेखावाटी (निसं)। नगर के संस्कारी परिवार में श्री बजरंग लालजी पारीक के घर 10 अक्टूबर 1945 को जन्म लेने वाले शेखावाटी के शेखावाटी के सुप्रसिद्ध साहित्यकार व कवि स्व भूपेन्द्र पारीक को लक्ष्मणगढ नागरिक परिषद की ओर से मरणोपरांत लक्ष्मणगढ रत्न सम्मान प्रदान किया जाएगा। यह सम्मान 29 दिसंबर को शकुंतला वाटिका में समारोह के तहत उनके पुत्र साहित्यकार यदुनंदन पारीक को प्रदान किया जाएगा। शेखावाटी के सुप्रसिद्ध साहित्यकार कवि शिवलीन श्री भूपेन्द्र पारीक सन् 1966 में गौरक्षा आंदोलन जो करपात्रीजी महाराज के नेतृत्व में हुआ था उसमें उत्साह और जोश के साथ भाग लिया और तिहाड़ जेल दिल्ली फिर पटियाला जेल जाना पड़ा था। आंदोलन खत्म हुआ तब स्वर्गीय श्री भूपेंद्र पारीक जेल से छूट कर वापस नगर में आए तो 28 नवंबर 1967 को विजय जुलूस मुख्य भागों से निकल गया रिहाई के 1 साल बाद स्वर्गीय भूपेंद्र पारीक जी का 22 नवंबर 1968 को विवाह हुआ भूपेंद्र पारीक लक्ष्मणगढ की श्री ऋषिकुल संस्कृत महाविद्यालय की पुस्तकालय अध्यक्ष पद पर भी सेवा दे चुके हैं साथ ही राजस्थानी के मंचीय कवि एवं नगर की एकमात्र कवि जिन्होंने लगातार 1971 से 1981 तक आकाशवाणी पर कविता पाठ किया और लगातार प्रसारण होता रहा शेखावाटी के प्रसिद्ध साहित्यकार कवि स्वर्गीय भूपेंद्र पारीक ने राजस्थानी भाषा की सात पुस्तक में लिखकर प्रकाशन करवाया जिसमें प्रमुख रूप से कांचली, तेडो, बात जीवे, बातां री पेई, फंसूरो, सुणै है के फुटया ढ्रोल व डोको प्रमुख रूप से प्रचलित पुस्तकें रही। शेखावाटी में राजस्थानी भाषा के साहित्यकार के रूप में स्व भूपेन्द्र पारीक जी की अलग ही पहचान बनाई थी। 28 अक्टूबर 2021 को पारीक जी का देवलोकगमन हो गया था लेकिन स्व भूपेन्द्र जी पारीक को कवि और राजस्थानी साहित्य और इतिहास को लेकर आज भी याद की जाता है।

सुनिल रेसर का झुंझुनूं पहुंचने पर किया स्वागत

झुंझुनूं(निसं)। आवाम ग्रुप झुंझुनूं के सदस्यों ने सुनिल रेसर को अंबेडकर पार्क से माल्यार्पण कर रवाना किया। सुनिल कश्मीर से कन्याकुमारी एवं कन्याकुमारी से सांगलिया धुनी लगभग सात हजार किलोमीटर की दूरी दौड़कर गिनीज बुक एवं वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करवाने के लिए सांगलिया से रवाना हुए है। सांगलिया धुनी से महंत ओमदास महाराज का आशीर्वाद लेकर जब अंबेडकर पार्क झुंझुनूं पहुंचे तो टीम आवाम ने सुनील रेसर का माल्यार्पण कर आशीर्वाद प्रदान किया।

कार्यालय नगरपालिका मण्डल तारानगर (चूरू) राज.

दूरभाष :- 01561-240245 ई-मेल :- cotrn2009@gmail.com

क्रमांकः- 6071 दिनांक :- 16.12.2025

सार्वजनिक सूचना

भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा 12.08.2021 को अधिसूचना जारी कर प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन संशोधन नियम 2021 किये गये है। उक्त अधिसूचना में 01 जनवरी 2022 से पॉलजीस्टाइरीन और विस्तारित पॉलजीस्टाइरीन वस्तुओं सहित निम्नलिखित एकल प्रयोग प्लास्टिक (SINGLE USE PLASTIC) वस्तुओं के विनिर्माण, आयात, भंडारण, वितरण, बिक्री और उपयोग निषेध किया गया है एकल प्रयोग प्लास्टिक (SINGLE USE PLASTIC) की श्रेणी में निम्नलिखित वस्तुओं को शामिल किया गया है जो निम्न प्रकार है :-

1. प्लास्टिक स्टिक युक्त ईयर, गुब्बारो के लिये प्लासिटक की इंडिया, प्लास्टिक के झंडे, कैंडी स्टीक, आईसक्रीम की डंडीया, पॉलिस्टाइरीन की सजावटी सामग्री।
2. प्लेटे, कप, गिलास, कांटे, चम्मच आदि जैसे कटलरी, मिठाई के डिब्बो के इर्द-गिर्द लपेटने या पैक करने वाली फिल्में, निमंत्रण कार्ड और सिगरेट पैकेट, 100 माईक्रोन से कम मोटाई वाले प्लास्टिक या पीवीसी बैनर।
3. प्लास्टिक की थैली उपयोग करने पर पालिका द्वारा औचक निरीक्षण कर जुर्माना राशि से दण्डित किया जावेगा साथ ही दूकानदार अपने दूकान में डस्टबीन का उपयोग अवश्य करे।

उक्त अधिसूचना द्वारा निर्धारित मापदण्डों के अनुसार 30 सितमबर 2021 से 75 माईक्रोन से कम मोटाई की प्लास्टिक कैरी बैग का उपयोग प्रतिबंधित किया गया है। उक्त प्रतिबंध सीवररो एवं सेप्टिक टैंको की चैकिंग की समस्या को कम करने के लिये उपयोगी है।

अतः नगरपालिका तारानगर के समस्त नागरिको/व्यवसायो/संस्थाओं इत्यादि को सूचित किया जाता है कि भारत सरकार द्वारा जारी अधिसूचना में दिये गये निर्देशो की पालना सुनिश्चित करे। सूचित रहे।

राज.संवाद/सी/25/16161 अधिशाषी अधिकारी

हम सौरव गांगुली को जवाब देंगे, क्योंकि यह फुटबॉल का मैदान है, क्रिकेट का नहीं। वह एक महान खिलाड़ी हैं और हम उनका सम्मान करते हैं, लेकिन अगर फुटबॉल के मैदान पर कुछ भी गलत होता है, तो हम किसी को नहीं बख्शेंगे। -उत्तम साहा

पूर्व भारतीय कप्तान, सौरव गांगुली को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

स्कॉट वीनिंक

न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) के मुख्य कार्यकारी स्कॉट वीनिंक ने शुक्रवार को मेंबर एसोसिएशन और न्यूजीलैंड क्रिकेट प्लेयर्स एसोसिएशन (एनजेडसीपीए) के साथ मतभेदों का हवाला देते हुए कहा कि वह 30 जनवरी 2026 को अपने पद से हट जायेंगे। वीनिंक ने कहा, "ध्यान से सोचने के बाद, यह स्पष्ट हो गया है कि एनजेडसी की भविष्य की प्राथमिकताओं, जिसमें खेल की लंबे समय की दिशा और न्यूजीलैंड में टी-20 क्रिकेट की सबसे अच्छी भूमिका शामिल है, पर मेरा कई मेंबर एसोसिएशन और एनजेडसीपीए से अलग नजरिया है।"

क्या आप जानते हैं ?... सचिन तेंदुलकर अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में कुल 3 बार ठीक 99 रन पर आउट हुए हैं और ये सभी घटनाएँ वनडे क्रिकेट में 2007 के साल में हुई।

अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी

राजस्थान का अगले दौर में क्वालीफाई

जयपुर, 19 दिसंबर। राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में बीसीसीआई अंडर 19कूच बिहार ट्रॉफी के जयपुर में खेले जा रहे राजस्थान - जम्मू कश्मीर मैच के अंतिम दिन राजस्थान ने जम्मू एंड कश्मीर टीम को रोमांचक मुकाबले में 55 रनोसे हराया। राजस्थान पहली पारी 207 आल आउट।जम्मू पहली पारी 65 आल आउट।राजस्थान दूसरी 335 आल आउट।जम्मू एंड कश्मीर दूसरी पारी 422 आल आउट।आज मैच के अंतिम दिन जम्मू एंड कश्मीर टीम 422 रनो के स्कोर पर आल आउट हो गयी। राजस्थान के गेंदबाजप्रखर शर्मा 95/3, हनी प्रताप सिंह 66/3 केतन देवासी 110/3, जतिन 1 विकेट प्राप्त करते हुए मैच में शानदार जीत दर्ज की व इस जीत के साथ राजस्थान टीम ने प्रतियोगिता के अगले दौर में प्रवेश किया।

विजय हजारे ट्रॉफी हेतु राजस्थान टीम के संभावितों का शिविर आरसीए अकादमी पर शुरू : बीसीसीआई की आगामी विजय हजारे एक दिवसीय ट्रॉफी में भाग लेने वाली राजस्थान टीम के संभावितों का प्रशिक्षण शिविर आज से आरसीए अकादमी पर शुरू हुआ। प्रशिक्षण शिविर में खिलाडियों ने स्पोर्ट स्टाफ के निर्देशन में कड़ा अभ्यास किया। **बीसीसीआई अंडर 16 विजय मर्चेंट टॉफी के राजस्थान पंजाब मैच के दूसरे दिन का स्कोर :-** पंजाब पहली पारी 156 आल आउट।राजस्थान पहली पारी 129 आल आउट।पंजाब दूसरी पारी 251/8, आज दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक पंजाब ने अपनी दूसरी पारी में 8 विकेट के नुकसान पर 251 रन बना लिए थे।टीम के लिए पारस नाबाद 120, साहिबजोतवीर 50 रना।राजस्थान के गेंदबाज हिमांशु जणवा 51/4, प्रतीक चौधरी 56/2 व रोहन 1 विकेट। **अंडर 19 वीमेन एक दिवसीय ट्रॉफी** (राजस्थान - बड़ोदा मैच) बड़ोदा जीती-त्रिवेंद्रम में खेली जा रही बीसीसीआई वीमेन एक दिवसीय ट्रॉफी के आज खेले गए राजस्थान - बड़ोदा मैच में बड़ोदा जीती। बड़ोदा पारी 263/8,टीम के लिए आतोशी 78 , विधि 71 रना।राजस्थान की गेंदबाज धृति माथुर 25 / 3 , मैना सियोल 51 / 2 विकेट।राजस्थान पारी 122 आल आउट। टीम के लिए धृति माथुर 34 , प्रियांशी 25 व तनिका शर्मा 18 रना।बड़ोदा की गेंदबाज नंदिनी 3 , स्नेहा , मृत्रि , तन्वी 2 - 2 विकेट।

प्रखर असावा ने सिडको ओपन में 25वां स्थान हासिल किया

जयपुर, 19 दिसंबर। जयपुर के रामबाग गोल्फ क्लब के प्रखर असावा ने 16 से 19 दिसंबर 2025 तक खारघर वैली गोल्फ में आयोजित लार्सन एंड टुब्रो नेशनल गोल्फ चैम्पियनशिप के सिडको ओपन में 25वां स्थान हासिल किया। इस नए लॉन्च किए गए अंतरराष्ट्रीय गोल्फ टूर्नामेंट में शीर्ष भारतीय पेशेवर खिलाड़ियों जैसे मनु गंडास, वीर अहलावत, रोहन ढोले पाटिल के अतिरिक्त अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मिचेल ऑर्टोलानी, सुबाश तामांग, स्टेपन डानेक, एन. थंगराजा, बादल हुसैन और जोशुआ सील जैसी प्रतिभाएं भी शामिल थीं।

तिलक-पंड्या की फिफ्टी; चक्रवर्ती को 4 विकेट

भारत ने लगातार 8वीं टी-20 सीरीज जीती: साउथ अफ्रीका को 5वें मैच में 30 रन से हराया

अहमदाबाद 19 दिसंबर। भारत ने शुक्रवार को साउथ अफ्रीका के खिलाफ पांचवें टी20 मैच में 30 रनों से धूल चटाई। भारत ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 232 रनों का टारगेट देने का बाद मेहमान टीम को 201/8 के स्कोर पर रोका। भारत ने पांच मैचों की टी20 सीरीज 3-1 से अपने नाम की। लखनऊ में चौथा मुकाबला धुंध के कारण रद्द हो गया था। टीम इंडिया ने इतिहास रचा है। भारत ने पहली बार घर पर साउथ अफ्रीका से टी20 सीरीज जीती है। अहमदाबाद में लक्ष्य का पीछा करते हुए साउथ अफ्रीका ने अच्छा आगाज किया। ओपनर किंटन डिकॉक और रीजा हेंड्रेक्स ने 69 रन जोड़े। रीजा 12 गेंदों में सात रन बनाने के बाद सातवें ओवर में लौटे। डिकॉक ने डेवाल्ड ब्रेविस के साथ दूसरे विकेट के लिए 51 रन जोड़े। डिकॉक 11वें ओवर में आउट हुए, जिसके बाद साउथ अफ्रीका की पारी पटरी से उतर गई। उन्होंने 65 गेंदों में 65 रन बनाए, जिसमें 9 चौके और तीन सिक्स हैं।

इससे पहले, भारत ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 231 रन जुटाए। तिलक वर्मा ने भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए। उन्होंने 42 गेंदों में 10 चौकों और एक छक्के की मदद से 73 रनों की पारी खेली। वहीं, ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने तूफानी अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने 25 गेंदों में 63 रन बनाए, जिसमें पांच चौके और पांच सिक्स शामिल हैं। हार्दिक ने महज 16 गेंदों में फिफ्टी कंप्लीट कर ली थी। उन्होंने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में भारत के लिए दूसरा सबसे तेज अर्धशतक लगाया है। हार्दिक से आगे युवराज सिंह (12 गेंदों में इंग्लैंड के खिलाफ, 2007) हैं।

टॉस गंवाने के बाद पहले बैटिंग करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी रही। अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन ने पहले विकेट के लिए 63 रन जोड़े। अभिषेक छठे ओवर में कॉर्बिन बॉश का शिकार बने। उन्होंने 22 गेंदों में 37 रन बटोरे। उनके बल्ले से चार चौके और दो छक्के निकले। शुभमन गिल के चोटिल होने के कारण प्लेइंग इलेवन में आए सैमसन ने 21 गेंदों में 34 रनों का योगदान दिया। उन्होंने छह चौके और एक सिक्स ठोका। सैमसन को जॉर्ज लिंडे ने दसवें ओवर में बोल्ड किया। कप्तान सूर्यकुमार यादव (5) को बॉश ने 13वें ओवर में पवेलियन भेजा। 115 पर भारत के तीन विकेट गिरने के बाद तिलक और हार्दिक ने मोर्चा संभाला। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 105 रनों की दमदार साझेदारी की। दोनों ओटनील बार्टमैन द्वारा डाले गए 20वें ओवर में पवेलियन लौटे। तिलक रनआउट हुए। शिवम दुबे 3 गेंदों में 10 रन बनाकर नाबाद रहे।

डेवन कॉन्वे के दोहरा शतक से न्यूजीलैंड ने 575/8 पर की पारी घोषित, वेस्टइंडीज की ठोस शुरुआत

माउंट मॉन्गानुई (न्यूजीलैंड) 19 दिसंबर। डेवन कॉन्वे (227) और रचिन रविंद्र (नाबाद 72) की शानदार पारियों की बदौलत न्यूजीलैंड ने तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ आठ विकेट पर 575 रनों का विशाल स्कोर बनाने के बाद पारी घोषित कर दी। इसके जवाब में वेस्टइंडीज ने स्टंप्स के समय बिना कोई विकेट गंवाये 110 रन बनाकर ठोस शुरुआत की।

आज यहां न्यूजीलैंड ने कल के एक विकेट पर 334 रनों से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में न्यूजीलैंड का दूसरा विकेट जेकब डफी (17) के रूप में गिरा। उन्हें जेडेन सील्स ने आउट किया। इसके बाद केन विलियमसन (31) रन बनाकर आउट हुये। इसी दौरान डेवन कॉन्वे ने अपना दोहरा शतक पूरा किया। यह उनके करियर का छठा शतक है। उनके करियर का यह दूसरा दोहरे शतक है। इससे पहले उन्होंने 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ 200 रनों की पारी खेली थी।

121वें ओवर में जस्टिन ग्रीव्स ने उन्हें पगबाधा आउटकर पवेलियन भेजा। डेवन कॉन्वे ने 367 गेंदों में 31 चौके लगाते हुए 227 रनों की पारी खेली। डैरिल मिचेल (11), टॉम ब्लंडल (चार), ग्लेन फिलिप्स (29) और जैकरी फॉक्स (एक) रन बनाकर आउट हुये।

न्यूजीलैंड ने 155 ओवर होने के बाद आठ विकेट पर 575 के स्कोर पर पारी घोषित कर दी। उस समय रचिन रविंद्र 106 गेंदों में (नाबाद 72) और एजाज पटेल (नाबाद 30) रन बनाकर खेल रहे थे। वेस्टइंडीज के लिए जेडेन सील्स, एंडरसन फिलीप और जस्टिन ग्रीव्स ने एक-एक विकेट लिया। केमार रोच और रॉस्टन चेज ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज ने दिन का खेल समाप्त होने के समय बिना कोई विकेट खोए 110 रन बना लिये है। जॉन कैंपबेल (नाबाद 45) और ब्रैंडन किंग (नाबाद 55) क्रीज पर मौजूद थे।

गौतम गंभीर को टीम के कोच की जगह प्रबंधक होना चाहिएः कपिल देव

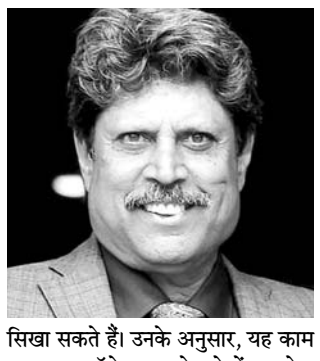

कोलकाता, 19 दिसंबर। भारत के पहले विश्व कप जीतने वाले कप्तान कपिल देव ने पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर को लेकर कहा कि आज के क्रिकेट सेटअप में गंभीर को कोच के बजाय टीम प्रबंधक के तौर पर देखा जाना चाहिए।

इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स के आईसीसी शताब्दी सत्र में कपिल ने कहा कि समकालीन क्रिकेट में कोच शब्द को अक्सर गलत समझा जाता है और उन्होंने उच्चतम स्तर पर इसकी प्रासंगिकता पर सवाल उठाया। कपिल की यह टिप्पणी भारत के हाल ही में घर पर टेस्ट सीरीज में 0-2 से हार के बाद गंभीर की बढ़ती आलोचना के बीच आई है, जिसमें खिलाड़ियों के बार-बार रोटेशन और ऑलराउंडरों पर अत्यधिक निर्भरता को लेकर गंभीर की आलोचना की गई है।

कपिल ने कहा, "आज, कोच नाम का यह शब्द, कोच एक बहुत ही आम शब्द है। गौतम गंभीर कोच नहीं हो सकते। वह टीम के मैनेजर हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि जब आप कोच कहते हैं, तो कोच वह होता है जिनसे मैं स्कूल और कॉलेज में सीखता हूं।

उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि गौतम गंभीर किसी लेग-स्पिनर या विकेटकीपर को क्रिकेट की बारीकियां कैसे सिखा सकते हैं। उनके अनुसार, यह काम स्कूल या कॉलेज स्तर के कोचों का होता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुख्य कोच का असली काम खिलाड़ियों के व्यक्तित्व को समझना, उनका मनोबल बढ़ाना और टीम के लिए एक सही माहौल तैयार करना है।"

पूर्व ऑलराउंडर ने इस बात पर बल दिया कि कोच का काम तकनीकी सिखाने से ज्यादा खिलाड़ियों का सही तरीके से प्रबंधन करना होता है। उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि आपको मैनेजर करना होगा। यह अधिक महत्वपूर्ण है। एक प्रबंधक के तौर पर आप उन्हें प्रोत्साहित करते हैं कि आप यह कर सकते हैं, क्योंकि जब आप प्रबंधक बनते हैं, तो युवा लड़के आपको देखते हैं।"

कपिल ने समझाया कि एक सहायक माहौल बनाना कप्तान और टीम मैनेजमेंट दोनों की एक प्रमुख जिम्मेदारी थी।

उन्होंने कहा," आप किसी लेग स्पिनर या विकेटकीपर को कैसे कोच कर सकते हैं, जब वे पहले से उस कला में माहिर हैं? ऐसे में सबसे जरूरी काम मैनेजमेंट का होता है। एक मैनेजर खिलाड़ियों को भरोसा देता है, हौसला बढ़ाता है और उन्हें यह एहसास दिलाता है कि वे बेहतर कर सकते हैं।" कपिल ने कहा, "कप्तान या प्रबंधक का काम टीम को आराम और आत्मविश्वास देना है। खासकर उन खिलाड़ियों को, जो अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं" उन्होंने अपने कप्तानी अनुभव को साझा करते हुए कहा, "जो खिलाड़ी शतक बनाता है, उसके साथ मैं डिनर पर नहीं जाऊंगा। मैं उन लोगों के साथ वक्त बिताना पसंद करता हूं, जो संघर्ष कर रहे हों, ताकि उन्हें आत्मविश्वास मिले।" कपिल ने इस बात पर बल देते हुए अपनी बात खत्म की कि क्रिकेट में लीडरशिप केवल व्यक्तिगत प्रदर्शन से कहीं अधिक होती है।

उन्होंने कहा, "इसलिए मुझे लगता है कि एक कप्तान के तौर पर यह बहुत जरूरी है, और आपकी भूमिका केवल आपका प्रदर्शन नहीं है, बल्कि टीम को एक साथ लाना भी है।"

बंगलादेश को हराकर पाकिस्तान अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में

दुबई 19 दिसंबर। अब्दुल सुभान (चार विकेट) और हुजैफा अहसान (दो विकेट) के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद समीर मिन्हास (नाबाद 69) की शानदार पारी के दम पर पाकिस्तान ने शुक्रवार को अंडर-19 एशिया कप के दूसरे सेमीफाइनल में श्रीलंका को 63 गेंदे शेष रहते आठ विकेट से हराकर फाइनल में जगह बना ली है जहां उसका मुकाबला भारत से होगा।

श्रीलंका को हराकर भारत अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में : गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद ऐरन जॉर्ज (नाबाद 58) और विहान मल्होत्रा (नाबाद 61) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत भारत ने शुक्रवार को अंडर-19 एशिया कप के पहले सेमीफाइनल में श्रीलंका को 12 गेंदे शेष रहते आठ विकेट से हराकर फाइनल में जगह बना ली है जहां उसका मुकाबला चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से होगा। 139 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों कप्तान आयुष म्हात्र (सात) और वैभव सूर्यवंशी (नौ) के विकेट 25 के स्कोर पर गंवा दिये।

ट्रैविस हेड का नाबाद शतक, ऑस्ट्रेलिया बड़ी बढ़त की ओर

एडिलेड, 19 दिसंबर। सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड (नाबाद 145) की शतकीय और एलेक्स कैरी (नाबाद 52) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को पहली पारी में 286 पर समेटने के बाद शुक्रवार को तीसरे एशेज टेस्ट के तीसरे दिन स्टंप्स के समय अपनी दूसरी पारी में चार विकेट पर 271 रन बना लिये है और उसकी कुल बढत 356 रन हो गई है।

आज यहां इंग्लैंड ने कल के आठ विकेट पर 213 रनों से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में इंग्लैंड का नौवां विकेट कप्तान बेन स्टोक्स के रूप में गिरा। उन्हें 85वें ओवर की पहली गेंद पर मिचेल स्टार्क ने बोल्ड आउट किया। बेन स्टोक्स ने 198 गेंदों में आठ चौकों की मदद से 83 रनों की पारी खेली। इसके बाद 88वें ओवर की दूसरी गेंद पर स्कॉट बोलैंड ने जोफ्रा आर्चर को आउटकर 286 के स्कोर पर इंग्लैंड की पहली पारी का अंत कर दिया। जोफ्रा आर्चर ने 105 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का उड़ाते हुए 51 रनों की पारी खेली। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी के आधार पर 85 रनों की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल कर ली। ऑस्ट्रेलिया के लिए पैट कमिंस और स्कॉट बोलैंड ने तीन-तीन विकेट लिये। नेथन लायन को दो विकेट मिले। मिचेल स्टार्क और कैमरन ग्रीन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इसके दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में जेक वेदरॉल्ड (एक) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद मार्नस लाबुशेन (13), उस्मान ख्वाजा (40) और कैमरन ग्रीन (सात) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। उस समय टीम का स्कोर चार विकेट पर 149 रन था। ऐसे संकट के समय बल्लेबाजी करने आये एलेक्स कैरी ने ट्रेविस हेड के साथ पारी को संभाला और तेजी के साथ रन बटोरे। इसी दौरान ट्रेविस हेड ने अपना शतक पूरा किया। दिन का खेल समाप्त होने के समय ऑस्ट्रेलिया ने चार विकेट पर 271 रन बना लिये है। ट्रेविस हेड (नाबाद 145) और एलेक्स कैरी (नाबाद 52) क्रीज पर मौजूद थे। इंग्लैंड के लिए जॉश टंग ने दो विकेट लिये। ब्राइडन कार्स और विल जैक्स ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

राजधानी

राजस्थान रिफाइनरी इकाई का 96.4 प्रतिशत कार्य पूर्ण

मूंदड़ा पोर्ट पहुंची अरब मिक्स क्रूड ऑयल की पहली खेप, मेहसाना भटिण्डा गैस पाइपलाईन से गैस आना शुरु

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में शुक्रवार को सचिवालय के चिंतन कक्ष में एचआरआरएल की राज्यस्तरीय टास्क फोर्स की 7 वीं बैठक आयोजित की गई। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राजस्थान रिफाइनरी राजस्थान सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट होने के साथ ही देश की ऐसी पहली परियोजना है जिसमें रिफाइनरी के साथ ही पेट्रोकेमिकल काम्पलेक्स भी है। उन्होंने रिफाइनरी के अधिकारियों सहित संबंधित विभागों को परस्पर समन्वय से कार्य करते हुए रिफाइनरी का कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने विस्तार से प्रगति और संबंधित बिन्दुओं की जानकारी ली।

राजस्थान रिफाइनरी के मुख्यकार्यकारी अधिकारी कमलाकर आर विखार व सीएफओ इन्द्रजीत दासगुप्ता ने बताया कि राजस्थान रिफाइनरी (एचआरआरएल) कार्य प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि रिफाइनरी का समग्र रूप से 90.3 प्रतिशत कार्य पूरा हुआ है जिसमें रिफाइनरी इकाई का 96.4 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है वहीं रिफाइनरी के लिए मूंदड्डा पोर्ट पर अरब मिक्स से क्रूड टेंक (सीओटी) तक रिफाइनरी के लिए कच्चे तेल की पहली खेप आ गई है और यह मूंदड़ा पोर्ट के 6 टेंकों से पाइपलाईन के माध्यम से रिफाइनरी तक पहुंचेगी। रिफाइनरी में ओबीई कार्य 99.8 प्रतिशत पूरा हो चुका है।

सीएमडी एचपीसीएल विकास कौशल ने बताया कि राजस्थान सरकार के सहयोग व समन्वय से रिफाइनरी कार्य प्रगति पर है। रिफाइनरी में मेहसाना भटिण्डा गैस पाइपलाईन (एमबीपीएल) से गैस आना शुरु होने के साथ ही फ्लेयर सिस्टम शुरु होने से टेस्टिंग प्रक्रिया आरंभ हो गई है। उन्होंने बताया कि रिफाइनरी के नाचना रिजर्व वायर से पाइपलाईन से पानी आने लगा है। टी. रविकान्त ने बताया कि पेट्रोलियम विभाग द्वारा लगातार समन्वय बनाते हुए रिफाइनरी को गति दी जा रही है।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में शुक्रवार को एचआरआरएल की राज्यस्तरीय टास्क फोर्स की 7वीं बैठक आयोजित हुई।

- मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास ने कहा ''संबंधित विभाग समन्वय से रिफाइनरी का कार्य पूरा करें'
- एचआरआरएल रिफाइनरी राजस्थान सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट
- राजस्थान रिफाइनरी का समग्र रूप से 90.3 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका

राजस्थान रिफाइनरी की खास बात यह है कि जीरो लिक्विड इफ्लूएंट डिसचार्ज है जिसका सीधा सीधा मतलब है कि इस रिफाइनरी में प्रसंस्करण के दौरान किसी तरह का वेस्टेज नहीं होगा। उन्होंने बताया कि बालोतरा से पचपदरा 12 किमी तक रेल्वे व पचपदरा से रिफाइनरी साइट तक एचआरआरएल द्वारा रेल्वे लाइन बिछाई जाएगी। रिफाइनरी से प्रदेश में निवेश, रोजगार और रेवेन्यू ने नए अवसर होंगे।

बैठक में बालोतरा से रिफाइनरी तक रेल्वेलाईन बिछाने, बिजली सबस्टेशन, राज्य से आने वाले कच्चे तेल पर वेट कम करने सहित विभिन्न बिन्दुओं पर विचार विमर्श किया गया। इस अवसर पर राजस्थान रिफाइनरी की एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई।टास्क फोर्स की बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव व चेयरमेन आईजीएनपी अभय कुमार, प्रमुख सचिव ऊर्जा अजिताभ शर्मा, वित वैभव गालरिया, राजस्व सचिव जोगाराम, पीएचईडी, पीड्ब्लूडी, रीको, उत्तर पश्चिम रेल्वे, एमओपीएनजी, कलेक्टर बालोतरा, संभागीय आयुक्त, आरएसएमएमएल, संयुक्त निदेशक पेट्रोलियम दिलीप राज शर्मा सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

सार-समाचार

ब्रिटिश काउंसिल देगा ग्रेट स्कॉलरशिप

जयपुर । ब्रिटिश काउंसिल, जो सांस्कृतिक संबंधों और शैक्षिणक अवसरों के लिए ब्रिटेन की अंतर्राष्ट्रीय संस्था है, ने यूके सरकार के ग्रेट ब्रिटेन अभियान के साथ मिलकर ग्रेट स्कॉलरशिप 2026-27 की घोषणा की है। यह स्कॉलरशिप उन प्रतिभाशाली भारतीय विद्यार्थियों के लिए है, जिन्होंने शैक्षिणक उत्कृष्टता हासिल की है और जो ब्रिटेन में पोस्टग्रेजुएशन करना चाहते है। इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले उच्च शिक्षा संस्थानों में एंग्लिया रस्किन यूनिवर्सिटी, नॉर्विच यूनिवर्सिटी ऑफ द आर्ट्स, क्वीन्स यूनिवर्सिटी बेलफास्ट, रॉयल कॉलेज ऑफ आर्ट, रॉयल कंज़र्वेटॉयर ऑफ स्कॉटलैंड, रॉयल नॉर्दर्न कॉलेज ऑफ म्यूज़िक, यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल, ट्रिनिटी लाबान कंज़र्वेटॉयर ऑफ म्यूज़िक एंड डांस, यूनिवर्सिटी ऑफ डंडी, यूनिवर्सिटी ऑफ रीडिंग, यूनिवर्सिटी ऑफ सरे और यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्ट इंग्लैंड (यूडब्ल्यूई) ब्रिस्टल शामिल हैं। प्रत्येक स्कॉलरशिप में एक वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स की ट्यूशन फीस के लिए न्यूनतम 10 हजार पाउंड की राशि प्रदान की जाती है, जिससे भारत के योग्य विद्यार्थियों को विश्वस्तरीय शिक्षा और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त विशेषज्ञता हासिल करने में सहायता मिलती है। ये स्कॉलरशिप्स वित्तीय प्रबंधन (फाइनेंस), मार्केटिंग, व्यवसाय प्रबंधन (बिज़नेस), मनोविज्ञान, 'विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित' (एसटीईएम), डिज़ाइन और मानविकी के साथ-साथ कला, संगीत और नृत्य कार्यक्रम पर मिलेगी।

पूर्व एएसजी रस्तोगी का सम्मान आज

जयपुर । आर.ए.पोद्दार इंस्टीट्यूट एंड मैनेजमेंट द्वारा पूर्व अतिरिक्त सोलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया (पूर्व एएसजी) और वरिष्ठ अधिवक्ता राजदीपक रस्तोगी को पीमा लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से नवाजा जायेगा। यह अवार्ड उन्हें 20 दिसंबर को आर.ए.पोद्दार इंस्टीट्यूट एंड मैनेजमेंट परिसर में आयोजित होने वाले समारोह में दिया जायेगा।

"विकसित भारत 2047" पर चर्चा

जयपुर । राजस्थान विश्वविद्यालय के एच.आर.डी.सी. भवन राजस्थान इकोनॉमिक एसोशिएशन द्वारा "विकसित भारत 2047" के परिप्रेक्ष्य में आयोजित 43वें वार्षिक सम्मेलन एवं संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में समर्थ इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता नरेंद्र कटारा सहित अनेक विद्वान एवं अर्थशास्त्री उपस्थित रहे। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश प्रवक्ता नरेंद्र कटारा ने कहा कि विकसित भारत 2047 केवल एक लक्ष्य नहीं, बल्कि आज लिए जा रहे साहसिक, दूरदर्शी और संरचनात्मक आर्थिक निर्णयों का प्रत्यक्ष परिणाम होगा।

क्वालिटी कंट्रोल मैनुअल जारी

जयपुर। आवासन मंडल द्वारा आयोजित दो दिवसीय तकनीकी कार्यशाला के दूसरे दिवस एक महत्वपूर्ण तकनीकी पहल के अंतर्गत "क्वालिटी कंट्रोल मैन्युअल 2025 : टेस्ट फ्रीक्वेंसी एंड स्पेसिफिकेशन फॉर बिल्डिंग एंड रोड्स" का लोकार्पण किया गया। तकनीकी मार्गदर्शक दस्तावेज का विमोचन आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने मंडल के मुख्य अभियंताओं एवं वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नव-नियुक्त अभियंताओं की सहभागिता रही।

छात्रसंघ चुनाव लोकतांत्रिक प्रक्रिया, परंतु शिक्षा के अधिकार से ऊपर नहीं : हाईकोर्ट

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान विश्वविद्यालय सहित अन्य विवि और कॉलेजों में तुरंत छात्रसंघ चुनाव कराने के संबंध में निर्देश देने से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने कहा कि छात्रसंघ चुनाव एक महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक प्रक्रिया है, लेकिन इसे शिक्षा के मौलिक अधिकार से ऊपर नहीं रखा जा सकता।

इसके साथ ही अदालत ने राज्य सरकार को कहा है कि प्रदेश में छात्रसंघ चुनाव को लेकर एक स्पष्ट और तर्कसंगत नीति बनाई जानी चाहिए। अदालत ने निर्वाचन आयोग को कहा है कि वह अपने चुनाव को लेकर पहले से ही वैकल्पिक व्यवस्था रखें और यह सुनिश्चित करे कि इस दौरान शैक्षिणक कामकाज प्रभावित नहीं हो। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश जय राव व अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि फिलहाल मौजूदा शैक्षिणक सत्र समाप्त होने के अंतिम चरण में है और ऐसे में इस शैक्षिणक सत्र में छात्रसंघ चुनाव के लिए अदालत कोई निर्देश जारी नहीं करना चाहता। अदालत ने कहा कि 19 जनवरी, 2026 को सभी विवि और कॉलेजों सहित अन्य संबंधित लोगों की बैठक बुलाई जाए। इस बैठक में भविष्य के छात्रसंघ चुनावों के लिए व्यापक दिशा निर्देश तैयार किए जाए। वहीं यदि चुनाव नहीं कराने के संबंध में निर्णय लिया जाता है तो उसके लिए ठोस और तार्किक कारण बताए जाने चाहिए। अदालत ने राज्य सरकार व यूनिवर्सिटी को कहा है कि वे चुनावों के सही तरीके से संचालन के लिए एक छात्रसंघ चुनाव बोर्ड या समिति गठित करे, जो इन चुनावों के लिए जवाबदेह हो। अदालत ने कहा कि चुनाव कैलेंडर हर शैक्षिणक वर्ष के मार्च महीने में जारी किया जाऐ।

आरयूएचएस में कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी शुरू

जयपुर । आरयूएचएस अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं का निरंतर विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण हो रहा है। इसी कड़ी में अब यहां कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी भी प्रारंभ हो गई है। शुक्रवार को अस्पताल में पहली बार कॉक्लियर इम्पलांट सर्जरी सफलतापूर्वक की गई। यह सर्जरी प्रारंभ होने से राजस्थान के गंभीर एवं अत्यधिक श्रवण बाधित बच्चों एवं वयस्कों को अत्याधुनिक उपचार सुविधाओं के लिए एक बेहतर विकल्प मिल सकेगा।उल्लेखनीय है कि विगत दिनों चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने आरयूएचएस अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करने के निर्देश दिऐ।

राजस्थान में दुग्ध उत्पादक सम्बल योजना में पांच लाख किसानों को मिला 1172 करोड़ रु. अनुदान

जयपुर । मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश के डेयरी क्षेत्र ने गत 2 वर्षों में अभूतपूर्व प्रगति की है। पिछले 2 सालों में लगभग 5 लाख किसानों को 1172 करोड़ रुपये का अनुदान दिया गया है। इसके अतिरिक्त दुग्ध उत्पादकों के लिए सरस सामूहिक आरोग्य बीमा योजना के तहत 3 लाख रुपये तक की बीमा राशि दी जा रही है। अब तक लगभग 34 हजार दुग्ध उत्पादकों का बीमा किया जा चुका है। राज्य सरकार द्वारा सरस मायरा योजना शुरू की गई है। इसके तहत दुग्ध उत्पादक सदस्यों की बेटी की शादी में 21 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। राज्य सरकार के प्रभावी प्रयासों से आरसीडीएफ का वार्षिक टर्नओवर 8 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर 10 हजार करोड़ रुपये पहुंच गया है। आरसीडीएफ और जिला दुग्ध संघों का कुल लाभ और टर्नओवर पिछले 47 वर्षों के इतिहास में सर्वाधिक है। टर्नओवर में हुई इस अभूतपूर्व वृद्धि का सीधा लाभ डेयरी क्षेत्र को मिला है। वार्षिक लाभ में लगभग 44 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है। राज्य सरकार के डेयरी क्षेत्र में कुशल और प्रभावी प्रबंधन तथा संसाधनों के समुचित उपयोग के फलस्परूप वर्षों से घाटे में चल रही 15 दुग्ध इकाइयां वर्तमान में मुनाफा दे रही हैं।

हमारी सरकार की नीतियों व योजनाओं में महिला उत्थान को सर्वोच्च प्राथमिकता- भजनलाल

राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर धौलपुर में राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन का आयोजन

धौलपुर/जयपुर, 19 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आधी आबादी के सशक्तिकरण से ही समग्र विकास का सपना पूरा किया जा सकता है। हमारी सरकार ने अपने दो वर्ष के कार्यकाल में महिलाओं की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि हमारी डबल इंजन की सरकार अपनी नीतियों एवं योजनाओं के माध्यम से महिला उत्थान के लिए निरंतर निर्णय ले रही है।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को डीबीटी माध्यम से राशि हस्तांतरित की।**
- **मुख्यमंत्री ने राजस्थान महिला निधि द्वारा पाँच हजार लखपति दीदी को 100 करोड़ रूपए के ऋण सहायता के चैक वितरित किए।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को धौलपुर के पचगांव में आयोजित राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने छात्राओं को साइकिल एवं दिव्यांगों को स्कूटी वितरित की।

शर्मा ने राज्य सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत, शुक्रवार को धौलपुर के पचगांव में आयोजित राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में नारी शक्ति का सदैव सम्मान रहा है। शास्त्रों में भी कहा गया है, जहां नारियों की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने धौलपुर में 1 लाख 62 हजार महिलाओं को 450 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध करवाए हैं। साथ ही, जिले की 30 हजार से अधिक महिलाएं लखपति दीदी योजना से लाभान्वित हुई हैं।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि आज महिला घर की चौखट से निकलकर राष्ट्र निर्माण में भागीदारी कर रही है। अब महिला लाभार्थी ही नहीं, बल्कि नीति निर्माता भी बन चुकी है। इस अवसर पर गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने भी उपस्थितजनों को संबोधित किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के तहत लाभार्थियों को डीबीटी के माध्यम से राशि हस्तानांतरित की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने राजस्थान महिला निधि द्वारा 5 हजार लखपति दीदी को 100 करोड रुपये की ऋण सहायता का चैक तथा लखपति दीदी, कृषि सखियों व पशु सखियों को टैबलेट का वितरण किया। मुख्यमंत्री ने स्कूली छात्राओं को साइकिल एवं दिव्यांगजनों को स्कूटी भी वितरित कीं।

ग्राम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

2026 तक कराए जाने का निर्देश दिया गया था। एसएलपी में राज्य की ग्राम पंचायत, एवं नगरपालिका वॉर्ड में चल रहे परिसीमन के कारण निर्वाचित निकायों के पांच साल की अवधि पूरी होने पर उनमें चुनाव नहीं कराए जाने और प्रशासकों की नियुक्ति पर सवाल उठाया गया था और कहा गया संविधान के अनुच्छेद 243-ई एवं 243-यू के तहत स्थानीय निकायों का कार्यकाल खत्म होते ही तत्काल चुनाव कराए जाना जरूरी है। इसके अलावा, परिसीमन को लोकतांत्रिक प्रक्रिया को टालने का आधार नहीं बनाया जा सकता। राज्य सरकार की ओर से एएसजी केएम नटराज व एएजी शिवमंगल शर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि तय कार्यक्रम के अनुसार चुनाव करवाए जाने की प्रक्रिया को शुरू कर दिया है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का कोई भी अन्य आदेश पूरे प्रदेश की परिसीमन व चुनाव प्रक्रिया में रुकावट पैदा करेगा।

जर्मनी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया। गौरतलब है कि गांधी 15 से 20 दिसंबर से जर्मनी के दौरे पर हैं और वह भारतीय मूल के लोगों के साथ मुलाकात और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं।

युवराज सिंह व सोनू सूद सहित कई सैलिब्रिटीज़ की करोड़ों की संपत्ति कुर्क

ईडी ने अवैध सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म ''वन एक्सबेट'' ऐप से जुड़े मामले में यह कार्यवाही की

- **ईडी ने बताया, यह फर्म भारत में अवैध रुप से काम कर रही है। युवराज व सोनू सूद सहित रॉबिन उथप्पा, उर्वशी रौतेला, मिमी चक्रवर्ती तथा नेहा शर्मा की 7.9 करोड़ रु. की चल-अचल संपत्ति कुर्क की गई।**

नयी दिल्ली, 19 दिसंबर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अवैध सट्टेबाजी प्लेटफार्म वन एक्सबेट ऐप से जुड़े मामले में कार्रवाई करते हुए चर्चित हस्तियों युवराज सिंह, रॉबिन उथप्पा, उर्वशी रौतेला, सोनू सूद, मिमी चक्रवर्ती, अंकुश हाजरा और नेहा शर्मा की 7.93 करोड़ रुपये मूल्य की चल और अचल संपत्ति कुर्क की है। ईडी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

ईडी ने अवैध सट्टेबाजी प्लेटफार्म वन एक्सबेट के संचालकों के खिलाफ विभिन्न राज्यों में दर्ज कई प्राथमिकियों के आधार पर अपनी जांच शुरू की थी।

जांच में पाया गया कि यह प्लेटफार्म और इसके सहयोगी ब्रांड भारत में अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुआ गतिविधियों को बढ़ावा देने और उन्हें संचालित करने में शामिल थे।

जांच एजेंसी ने खुलासा किया कि इन हस्तियों ने इसके सरोगेट ब्रांडों के माध्यम से वन एक्सबेट के प्रचार के लिए विदेशी संस्थाओं के साथ विज्ञापन अनुबंध किए थे। इन विज्ञापनों के बदले भुगतान को विदेशी संस्थाओं के माध्यम से घुमा-फिराकर भेजा गया था, ताकि धन के अवैध स्त्रोत को छिपाया जा सके। यह धन सट्टेबाजी की अवैध गतिविधियों से अर्जित अपराध की कमाई से जुड़ा था।

ईडी ने बताया कि वन एक्सबेट भारत में बिना किसी आधिकारिक अनुमति के काम कर रहा था । वह सोशल मीडिया, ऑनलाइन वीडियो तथा प्रिंट मीडिया के जरिए भारतीय उपयोगकर्ताओं को प्रभावित करने के लिए परोक्ष विज्ञापन तकनीक का उपयोग करता था। विज्ञापनों के लिए भुगतान की व्यवस्था विदेशी मध्यस्थों के माध्यम से कई परतों में लेनदेन करके की गई थी। इससे पहले ईडी ने इसी मामले में क्रिकेटरों, शिखर धवन और सुरेश रैना की 11.14 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की थी।

जांच एजेंसी ने चेतावनी दी है कि अवैध सट्टेबाजी प्लेटफार्म गंभीर आर्थिक नुकसान पहुंचाते हैं और इनका उपयोग धन शोधन के लिए किया जाता है। ईडी ने मशहूर हस्तियों और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसरों को आगाह किया है कि ऐसे अवैध प्लेटफार्मों का प्रचार करना एक दंडनीय अपराध है जिसके लिए कानून के तहत कार्रवाई की जा सकती है।

राहुल गांधी ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राहुल ने कहा, ''और सबसे बुरी बात यह है कि यह कानून संसद में उचित समीक्षा के बिना और जोर-जबर्दस्ती के साथ पारित कर दिया गया। विपक्ष की मांग थी कि विधेयक को स्थायी समिति के पास भेजा जाए, लेकिन उसे खारिज कर दिया गया। एक कानून, जो ग्रामीण सामाजिक अनुबंध को फिर से सृजित करता है, करोड़ों श्रमिकों को प्रभावित करता है, उसे समिति द्वारा गंभीर समीक्षा, विशेषज्ञ परामर्श, और सार्वजनिक सुनवाई के बिना पारित नहीं किया जाना चाहिए।''

राहुल गांधी ने यह भी कहा, प्रधानमंत्री मोदी के लक्ष्य स्पष्ट हैं: श्रमिकों को कमज़ोर करो, ग्रामीण भारत की ताकत, विशेषकर दलितों, ओबीसी और आदिवासियों की ताकत को कमज़ोर करो, शक्ति को केन्द्रीकृत करो, और फिर नारेबाजी को सुधार के रूप में बेचो।''

उन्होंने कहा, ''मनरेगा'' दुनिया के सबसे सफल गरीबी उन्मूलन और सशक्तिकरण कार्यक्रमों में से एक था। ''हम इस सरकार को ग्रामीण गरीबों की आखिरी सुरक्षा रेखा को नष्ट करने नहीं देंगे। हम श्रमिकों, पंचायतों और राज्यों के साथ खड़े रहेंगे, ताकि इस कदम को हराया जा सके और इस कानून को वापस लेने के लिए एक राष्ट्रीय मोर्चा बनाएंगे।''

गुरुवार रात संसद ने विपक्ष के विरोध के बाद भी वीबी जी राम जी विधेयक को पारित कर दिया, जो 20 साल पुरानी मनरेगा योजना को बदलने का प्रस्ताव है और हर साल 125 दिन की ग्रामीण मजदूरी रोजगार की गारंटी देता है।

विकसित भारत रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी जी राम जी) विधेयक को गुरुवार रात राज्यसभा में भी ध्वनिमत से पारित किया गया, कुछ घंटों बाद यह लोकसभा से भी पारित हो गया, जबकि विपक्ष ने महात्मा गांधी के नाम को हटाने और राज्यों पर वित्तीय बोझ डालने के आरोप लगाए थे।

संसद में बहस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि इन कदमों से मनचाहे नतीजे मिलने की संभावना कम है। पिछले 24 घंटों में 11,000 से ज्यादा प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर जुर्माना लगाया गया। वहीं, दिल्ली पुलिस ने बताया कि 12,164 मीट्रिक टन से अधिक कचरा उठाया गया और 2,068 किलोमीटर सड़कों की सफाई की गई। इसके बावजूद विशेषज्ञों का कहना है कि ये उपाय पर्याप्त नहीं हैं। उनका मानना है कि प्रदूषण के ऊँचे स्तर के लिए बड़े कदम उठाने की ज़रुरत है, जैसे कि वाहनों, उद्योगों और बिजली संयंत्रों जैसे सभी सैक्टरों में बड़े पैमाने पर एमिशन कंट्रोल जरुरी है। एनवायरोकैटलिस्ट्स के सुनील दहिया ने कहा, ''दिल्ली में जरूरत पूरे साल लगातार बड़े स्तर के उपायों की है, न कि सिर्फ पीयूसी जांच के जरिए कुछ सौ वाहनों को कम करने की।''

दिल्ली के शहरी विकास मंत्री आशीष सूद ने इसके लिए पिछली आम आदमी पार्टी सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि पहले की सरकार ने दीर्घकालिक समाधान लागू करने के बजाय, कथित रूप से आंकड़ों में हेरफेर और प्रचार अभियानों पर भरोसा किया। भाजपा सरकार के कामकाज पर बात करते हुए सूद ने कहा कि रेखा गुप्ता सरकार ने अल्पकालिक उपायों पर निर्भर रहने के बजाय संरचनात्मक सुधार किए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने नए कंस्ट्रक्शन के लिए रीसायकल किए गए कंस्ट्रशन और डिमॉलिशन मटीरियल का इस्तेमाल करना जरुरी कर दिया है और डेयरी कचरे के साईंटिफिक निपटारे के लिए नांगली सकरवती तथा घोघा डेयरियों में बायोगैस प्लांट लगाए गए हैं।

इस बार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संसद में पेश किया जायेगा। उन्होंने बजट की तिथि के बारे में संवाददाताओं के सवालों पर कहा, '' दिन अंग्रेजों ने बनाये थे, दिन से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बजट एक फरवरी को ही पेश किया जायेगा। ''

उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार का बजट 2017 से प्रति वर्ष एक फरवरी को ही संसद में पेश किया जाता है।

बांग्लादेश में फिर उत्पात शुरु

ढाका, 19 दिसंबर। बांग्लादेशमें एक बार फिर बवाल बढ़ता दिख रहा है। गुरुवार देर रात से ही ढाका से लेकर दूसरे शहरों में प्रदर्शनकारी सड़कों पर हैं। इस प्रदर्शन के दौरान बड़े स्तर पर सरकारी संपत्तियों को भी आग के हवाले किया गया है। ढाका की सड़कों पर प्रदर्शनकारी लाखों की संख्या में उतर चुके हैं। प्रदर्शनकारी अपने युवा नेता उस्मान हादी की मौत से गुस्से में हैं। बांग्लादेश में शेख हसीना के विरोधी नेता उस्मान हादी का शव शुक्रवार शाम सिंगापुर से ढाका पहुंचा। इस बीच ढाका में आंदोलनकारी फिर हिंसक हो गए और उदिची संस्था के कार्यालय को जला दिया। ये संस्था कट्टरपंथियों के विरोध में काम करती है। बांग्लादेशी मीडिया के मुताबिक, हत्यारों को ट्रांसपोर्टेशन में सपोर्ट करने वाले आरोपियों ने अदालत में हत्या के मुख्य आरोपी फैसल करीम के भारत भागने का दावा किया है।

तमिलनाडु ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एसआईआर की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से हटे 27 लाख लोगों के नाम मृतकों की लिस्ट में डाले गए हैं और 66 लाख लोग वे हैं, जो इस राज्य से पलायन कर चुके हैं। चुनाव आयोग ने वोटर लिस्ट बनाने के दौरान पाया कि 3.4 लाख लोग ऐसे हैं, जिनके नाम दो जगह रजिस्टर्ड हैं, इसलिए इन लोगों के नाम भी हटा दिए गए।

'विभागीय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गया है। नियमानुसार, याचिकाकर्ताओं को विभागीय पदों में भी तय मापदंड के तहत आरक्षण प्राप्त करने का अधिकार है।

`राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600